@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 4 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 269 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नेपाल में सख्ती बढ़ी तो रोहिंग्याओं ने ट्रांजिट रूट ही बदला

लखनऊ, 3 जुलाई। भारत के सीमावर्ती जिलों में रोहिंग्या ठिकाना तलाश रहे हैं। रायबरेली के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की जांच में एजेंसियों के हाथ जानकारी लगी है। यूपी एटीएस के साथ ही रायबरेली पुलिस को आईबी से भी अहम इनपुट मिले हैं। रायबरेली के सलोन क्षेत्र में जन्म प्रमाणपत्रों के फर्जीवाड़े की जांच में जुटी पुलिस को यूपी एटीएस के साथ ही आईबी ने अहम इनपुट मुहैया कराए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण जानकारी रोहिंग्या के ट्रांजिट रूट में बदलाव की है। नेपाल में संख्या बढ़ने के विरुद्ध शुरू हुए प्रदर्शन के बीच रोहिंग्या अब भारत के सीमावर्ती जिलों में ठिकाने की तलाश में हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, पीलीभीत व लखीमपुर पर भी इनकी नजर है। ऐसे में संबंधित जिलों को अलर्ट किया गया है। रोहिंग्या बड़ी संख्या में वर्ष 2012 में बंगाल, असम, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश होते हुए नेपाल तक पहुंचे। बंगाल से ट्रेन के माध्यम से दिल्ली और फिर वहां से पाकिस्तान की सीमा से सटे संवेदनशील जम्मू-कश्मीर तक भी गए। इनमें अधिकतर ने बरेली की ही तरह फर्जी तरीके से निर्वाचन कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड और पासपोर्ट तक बनवा लिए। नेपाल में रोहिंग्या की बस्तियों का विस्तार हुआ तो पारंपरिक कामों में भी वे दखल देने लगे। इससे स्थानीय लोगों का हित प्रभावित होने लगे। इससे विरोध बढ़ा तो रोहिंग्यों ने अब भारतीय क्षेत्रों में ठिकाने की तलाश शुरू कर दी है। इसके तहत बिहार के साथ ही उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच में भी घुसपैठ की कोशिश की है। बीते दिनों इन जिलों में इनकी सक्रियता के संकेत भी मिले हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, पीलीभीत व लखीमपुर पर भी इनकी नजर है। रायबरेली के सलोन में बंग्लादेशी रोहिंग्या नागरिकों का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने के मामले में जांच कर रही एटीएस देर शाम को कुशीनगर पहुंची।

वैश्विक खाद्य संकट के समाधान के लिए काम कर रहा भारत: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 3 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम में मौजूद कृषि अर्थशास्त्रियों को संबोधित भी किया। उन्होंने बताया कि 65 वर्षों बाद भारत में इस तरह का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसे देखकर वह खुश हैं। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वागत किया। उन्होंने बताया कि कृषि को लेकर हमारी परंपराएं हमारे देश की तरह ही प्राचीन है। पीएम मोदी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा, 65 साल बाद देश में इस तरह का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, इसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। इस दुनिया के विभिन्न देशों से आपलोग यहां आए हैं। मैं 12 करोड़ भारतीय किसानों, तीन करोड़ भारतीय महिला किसानों और तीन करोड़ मछुआरों की तरफ से आपका स्वागत करता हूं। आज आप उस देश में हैं, जहां 55 करोड़ पशु रहते हैं। आप सभी का कृषि प्रधान और पशु प्रेमी देश में स्वागत है। उन्होंने आगे कहा, भोजन और कृषि के बारे में हमारी परंपराएं और

अनुभव हमारे देश की तरह ही प्राचीन हैं। भारत में कृषि परंपरा में विज्ञान को प्राथमिकता दी जाती है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछली बार जब भारत ने इस सम्मेलन की मेजबानी की थी, तब उसे आजादी मिले ज्यादा समय नहीं हुआ था। वह दौर देश में कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण दौर था। उन्होंने कहा, भारत अब एक खाद्य अधिशेष देश है। यह दुनिया में दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा, भारत खाद्यान्न, फल, सब्जी, कपास, चीनी और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया है। एक दौर था, जब भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया के लिए चिंता का सबब थी। अब, भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि भारत पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रति कम संवेदनशील फसलों की 1,900 नयी प्रजातियां प्रदान की हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत में कृषि से जुड़ी शिक्षा और अनुसंधान से जुड़ा एक मजबूत इकोसिस्टम बना हुआ है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के ही 100 से ज्यादा रिसर्च संस्थान हैं। भारत में कृषि और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए 500 से ज्यादा कॉलेज हैं। भारत में 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र हैं जो किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने में मदद करते हैं। उन्होंने आगा कहा, पिछली बार जब आईसीएई सम्मेलन भारत में हुआ था वो भारत की कृषि और खाद्य सुरक्षा को लेकर चुनौतीपूर्ण समय था। भारत को नई-नई आजादी मिली थी। आज भारत एक खाद्य अधिशेष वाला देश है। आज भारत दूध, दाल और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। आज भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा और वैश्विक पोषण सुरक्षा के समाधान देने में जुटा है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नतृत्व में कृषि के क्षेत्र में भारत का विकास दर दुनिया में शीर्ष पर है।

वायनाड पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगा कर्नाटक

कौमी संवाददाता

तिरुवनंतपुरम, 3 जुलाई। केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों का आज पांचवां दिन है। अब तक मृतकों का आंकड़ा 308 हो चुका है। अभी भी शवों की तलाश जारी है। भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल विकास राणा ने बताया कि आज भी कल की ही तरह विभिन्न जोन्स के लिए अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी। टीमों के साथ वैज्ञानिक और स्निफर डॉग्स भी मौजूद रहेंगे। सेना के अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी राहत और बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक केरल के वायनाड में भूस्खलन में फंसे राज्य के मजदूरों को वापस राज्य में लाने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहल कर रही हैं। दीदी सबके साथ हैं, सबके पक्ष में हैं, शीर्षक से एक्स पर एक पोस्ट में, पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि फंसे हुए श्रमिकों को हर

संभव सहायता मिले। टीएमसी ने कहा- पश्चिम बंगाल सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि भूस्खलन प्रभावित केरल के वायनाड में फंसे प्रवासी श्रमिकों को उनकी जरूरत की हर मदद मिले। हमारी माननीय मुख्यमंत्री उन्हें सुरक्षित बंगाल वापस लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रही हैं। उनकी जरूरत की इस घड़ी में, हम एकजुट और मजबूत हैं। वहीं राज्य के श्रम मंत्री मोलॉय घटक ने शुक्रवार को विधानसभा को सूचित किया कि भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में राज्य के 242 प्रवासी मजदूर फंसे हुए हैं। फिलहाल सभी सुरक्षित हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बड़ा एलान किया है, कि उनकी सरकार केरल के वायनाड में आए भूस्खलन से प्रभावितों की मदद में 100 घरों को बनाएगी। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि वायनाड में हुए दुखद भूस्खलन के मद्देनजर कर्नाटक केरल के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को हमारे समर्थन का आश्वासन दिया है और घोषणा की है कि कर्नाटक पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगा। हम मिलकर पुनर्निर्माण करेंगे। केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीआई(एम) के सभी विधायकों ने अपनी मासिक सैलरी में से 50-50 हजार रुपये मुख्यमंत्री आपदा प्रबंधन फंड में दान देने का फैसला किया है। सीएम पी विजयन ने भूस्खलन के चलते विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास पर कहा कि पुनर्वास कार्यक्रम प्रभावी तरीके से होना चाहिए। पूरे रिहायशी इलाके के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। पुनर्वास का काम तेजी से किया जाएगा। वेल्लारमाला स्कूल के भूस्खलन में तबाह होने पर सीएम ने कहा कि बच्चों की शिक्षा को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा और उन्हें शिक्षा का विकल्प दिया जाएगा। वायनाड में वन विभाग के कर्मचारियों ने चार बच्चों को सुरक्षित बचाया है।

नागपुर में संघ मुख्यालय पहुंचे फडणवीस

नागपुर, 3 जुलाई। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शनिवार को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पहुंचे और वहां संघ पदाधिकारियों से मुलाकात की। फडणवीस का संघ मुख्यालय का यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार, फडणवीस संघ मुख्यालय में स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर पहुंचे। हालांकि फडणवीस और संघ पदाधिकारियों के बीच किस मुद्दे पर बात हुई, इसका पता नहीं चल सका है। देवेंद्र फडणवीस संघ मुख्यालय का दौरा करने के बाद नागपुर में ही होने वाले भाजपा के सम्मेलन में भी शामिल होंगे। शुक्रवार को जब फडणवीस से उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इसे महज अफवाह करार दिया। उन्होंने कहा कि ये चर्चा मीडिया द्वारा शुरू की गई है और यह मीडिया तक ही सीमित है। डिप्टी सीएम फडणवीस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। ऐसे में अब फडणवीस के संघ मुख्यालय के दौरे को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। महाराष्ट्र के एक नेता ने बताया कि भाजपा ने फडणवीस को महाराष्ट्र की राजनीति के लिए विशेष तौर पर आगे बढ़ाया था। आज भी महाराष्ट्र में भाजपा के पास देवेंद्र फडणवीस के अलावा दूसरा कोई बड़ा और लोकप्रिय चेहरा नहीं है, जो पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में जीत दिला सके। पीयूष गोयल, विनोद तावड़े जैसे नेता भाजपा के पास हैं, लेकिन वे केंद्र की राजनीति में व्यस्त हैं। केंद्र की आवश्यकताओं को देखते हुए उन्हें प्रदेश में भेजने की संभावना भी कम ही है।

दिल्ली की बढ़ती आबादी, मुफ्तखोरी, अधिकारियों की लापरवाही: दिल्ली हाईकोर्ट

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 3 जुलाई। दिल्ली कोचिंग हादसा देशभर में इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। इस दुखद घटना की जांच अब सीबीआई करेगी। बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई जहां घटना की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का फैसला हुआ। इस दौरान अदालत ने दिल्ली सरकार से लेकर दिल्ली पुलिस और एमसीडी तक को कड़ी फटकार लगाई और कई तीखे सवाल पूछे। अदालत ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि तीन करोड़ से ज्यादा की आबादी वाली दिल्ली को अधिक आधुनिक भौतिक और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे की जरूरत है। दिल्ली में कई अधिकारी हैं जो केवल एक दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। उधर इस दर्दनाक घटना के बाद छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र कोचिंग केंद्रों में अपनी पुख्ता सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। वहीं एमसीडी भी नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। आइये जानते हैं कि दिल्ली में कोचिंग केंद्र हादसे की क्या घटना है? घटना की वजह क्या है? हादसे के बाद कार्रवाई क्या हुई? छात्र प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं? हादसे पर कोचिंग संचालकों का क्या कहना है? मामला अदालत तक कैसे पहुंचा और वहां क्या हुआ? दुखद घटना में तीन छात्रों की मौत का मामला अदालत तक भी पहुंच चुका है। पहले 31 जुलाई फिर 2 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। पहले दिन की सुनवाई के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने

कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर हुई तीन छात्रों की मौत पर अधिकारियों को फटकार लगाई थी। पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि एक अजीब जांच चल रही है, जिसमें कार चलाने वाले राहगीर के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है, लेकिन एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अदालत ने पूछा था कि क्या अब तक किसी एमसीडी अफसर को हिरासत में लिया गया है? साथ ही यह भी पूछा कि क्या इस मामले में एमसीडी के अधिकारियों की जांच हुई? दूसरे दिन की सुनवाई के दौरान भी कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और एमसीडी के अधिकारियों से घटना पर तीखे सवाल दागे। दिल्ली पुलिस द्वारा कोचिंग संस्थान के पास से गुजरी एसयूवी के चालक को गिरफ्तार करने का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा शुक्र है कि आपने बेसमेंट में घुसने के लिए बारिश के पानी का चालान नहीं काटा, जिस तरह से आपने एसयूवी चालक को वहां कार चलाने के लिए गिरफ्तार किया। अदालत ने एमसीडी और पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक सामान्य बात हो गई है। पीठ ने केंद्रीय सतर्कता आयोग आयुक्त को सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक अधिकारी नियुक्त करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है ताकि जांच समय पर हो। पीठ ने कहा घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच के संबंध में जनता को कोई संदेह न हो, यह अदालत जांच को सीबीआई को सौंपती है।

कोई बात नहीं, अगली बार सही: मनु भाकर

तेजिन्दर कौर बब्बर

पेरिस, 3 जुलाई। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में मनु भाकर पदक से चूक गईं। वह चौथे स्थान पर रहीं और हंगरी की वेरोनिका के साथ वर्चुअल नॉकआउट में हारकर बाहर हो गईं। हार के बाद मनु भावुक हो गईं। उन्होंने ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर से बातचीत में कहा- मैं नर्वस थी। मैं एक समय में एक शॉट का तैयारी कर रही थी और उस पर ध्यान दे रही थी, लेकिन मेरे लिए यहां कुछ अच्छा नहीं रहा। मैं आगे भी भारत के लिए पदक जीतने की कोशिश करूंगी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और खुद को शांत रखने की कोशिश की, लेकिन यह काफी नहीं था। मनु ने कहा- मैं खुश हूं की दो पदक जीत पाई, लेकिन फिलहाल इस स्पर्धा के बाद मैं खुश नहीं हूं, क्योंकि चौथा स्थान अच्छा नहीं है। मनु ने कहा- ईमानदारी से कहूं तो मैं सोशल मीडिया पर नहीं हूं और फोन चेक नहीं कर रही हूं। बाकी स्पर्धाओं में मैंने अच्छा किया, लेकिन यहां अच्छा नहीं कर पाई। जब मेरा मैच खत्म हो गया तो मैंने कहा कि कोई नहीं अब अगली बार। मनु पिछले काफी समय से अलग-अलग स्पर्धाओं की तैयारी की वजह से लंच नहीं कर पाई थीं। अब उनकी सारी

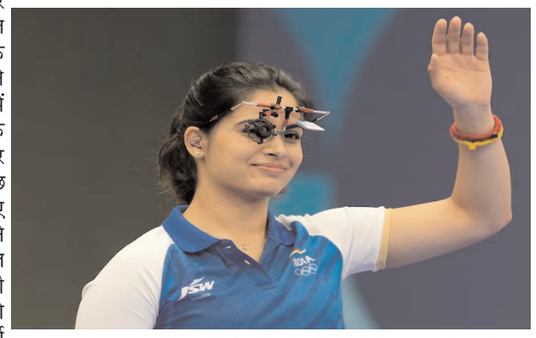

स्पर्धाएं खत्म हो चुकी हैं। उन्होंने कहा- मैं अब जाकर लंच करूंगी क्योंकि पिछले कुछ दिनों से मैं लंच नहीं कर पा रही थी। मैंने इस इवेंट के लिए बाकी इवेंट से ज्यादा बेहतर तैयारी की थी। मैंने पर्दे के पीछे काफी मेहनत की है। सिर्फ मैं नहीं, मेरे साथ काफी लोगों ने मेहनत की है। मैं खुश हूं कि मेरे इस सफर में मेरी टीम ने मेरा काफी साथ दिया और मेरे साथ मेहनत की है। इसके अलावा स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, पीएम मोदी, शूटिंग फेडरेशन और मेरे कोच जसपाल राणा सर, सबने मेरी काफी मदद की है। मैं टीम इंडिया को ऑल द बेस्ट कहती हूं और भारत आगे और पदक जीतेगा। यह पूछे जाने पर कि आप जब मेडल इवेंट में होती हैं तो आपकी मां कभी मैच नहीं देखतीं। आप मां के लिए क्या कहना चाहेंगी? मनु ने कहा, मैं मां से कहना चाहूंगी कि आपने जो भी त्याग किए, उसके लिए मैं आभारी हूं। आपका बहुत बहुत शुक्रिया और आप एक स्वस्थ्य जीवन जिएं और मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर ने मनु की मां सुमेधा भाकर से भी बातचीत की। उन्होंने कहा, बस मेरी बच्ची खुश रहे। मनु ने बहुत अच्छा खेला है और इतिहास में नाम दर्ज करवा दिया। इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

करोड़पति छोड़ रहे भारत: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 3 जुलाई। कांग्रेस ने सरकार के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2.16 लाख भारतीयों ने 2023 में अपनी नागरिकता छोड़ी है। विपक्षी पार्टी ने कहा कि उच्च कौशल वाले और अमीर भारतीयों का पलायन एक आर्थिक उपहास है, जो आने वाले कुछ वर्षों में देश के राजस्व आधार को कम करेगा। पार्टी के नेता जयराम रमेश ने कहा कि कारोबारी हस्तियां भारतीय नागरिकता छोड़कर बड़ी संख्या में सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन और अन्य स्थानों पर जा रहे हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हाल ही में नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों के सवालों के लिखित जवाब में राज्यसभा को बताया था कि 2023 में 2.16 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी। कांग्रेस के संचार प्रभारी रमेश ने कहा कि यह संख्या 2011 की तुलना में करीब दोगुनी है, जो 1,23,000 थी। उन्होंने कहा कि नागरिकता छोड़ने वाले इन भारतीयों में कई अत्यधिक कुशल और शिक्षित हैं। घरेलू श्रम आपूर्ति की कमी के समय उनके देश छोड़ने से हमारी अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। रमेश ने कहा, इस साल की शुरुआत में एक अग्रणी वैश्विक निवेश प्रवासन सलाहकार फर्म ने खुलासा किया था कि पिछले तीन वर्षों में 17 हजार से ज्यादा करोड़पति लोगों ने भारत छोड़ दिया। उच्च कुशल और अमीर भारतीयों का पलायन पिछले एक दशक में कॉर्पोरेट भारत में चारों ओर डर और धमकी के माहौल के अलावा अपारदर्शी कर (टैक्स) नीतियों और मनमाने कर प्रशासन का परिणाम हो सकता है। उन्होंने कहा, यह कुछ और नहीं बल्कि एक आर्थिक उपहास है, जो अगले कुछ वर्षों में हमारे कर राजस्व आधार को कम करेगा। अपने लिखित जवाब में कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया था कि 2011-2018 के आंकड़ों के अनुसार 2022, 2021, 2020 और 2019 के लिए यह आंकड़ा क्रमशः 2.25 लाख, 1.63 लाख, 85,256 और 1.44 लाख था। दरअसल, आम

आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति पर भरोसा नहीं: अनिल देशमुख

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 3 जुलाई। महाराष्ट्र में एक बार फिर सियासी गलियारों में आरोप-प्रत्योप का दौर शुरू हो गया है। हाल ही में राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने हाल ही में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया था कि भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस के एक 'बिचौलिये' ने उन्हें मुकदमेबाजी में फंसने से बचने के लिए (तत्कालीन) महा विकास आघाडी सरकार के बड़े नेताओं के खिलाफ हलफनामा देने को कहा था। हालांकि, इन आरोपों को फडणवीस ने नकार दिया। इस मामले में मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी और 100 करोड़ रुपये की जबरन वसूली मामले में आरोपी सचिन वाजे ने अनिल देशमुख को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने बताया कि देशमुख के पीए के माध्यम से ही पैसे जाता था। सचिन वाजे के इन दावों पर अनिल देशमुख ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सचिन वाजे एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति है, उसपर कभी भरोसा नहीं चाहिए। अनिल देशमुख ने कहा, पांच-छह दिन पहले मैंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीज पर आरोप लगाया था कि तीन साल पहले फडणवीस तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जेल भेजना चाहते थे। वे आदित्य ठाकरे को भी जेल में डालना चाहते थे। वह मेरे पास एक हलफनामा लेकर आए थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं उनपर (ठाकरे) आरोप लगाऊं, जिससे वे जेल चले जाएं। मैंने इसे सार्वजनिक कर दिया था। अब यह देवेंद्र फडणवीस की नई चाल है। उन्होंने सचिन वाजे को पकड़कर उसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने सचिन वाजे को लेकर कहा था कि वह एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति है। उसे दो हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और वह अभी भी जेल में ही है। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उसके बयान पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी यही बयान दिया। क्या देवेंद्र फडणवीस को यही व्यक्ति मिला, जिसकी आपराधिक पृष्ठभूमि है। अनिल देशमुख ने बताया कि सचिन वाजे वही कहते हैं जो देवेंद्र फडणवीस उससे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह आप सब जानते हैं कि सचिन वाजे ने जो मुझ पर आरोप लगाया है, उसके पीछे किसका हाथ है। लोगों को इसके बारे में जानना चाहिए। सचिन वाजे के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अनिल देशमुख का

बचाव किया। उन्होंने कहा, एक आरोपी भाजपा कार्यकर्ता की तरह बोल रहा है। इस तरह उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति का स्तर गिरा दिया है। अनिल देशमुख एक पूर्व नेता हैं। उन्हें भी बोलने का अधिकार है, लेकिन उनपर दबाव बनाने के लिए आपको (भाजपा) एक आरोपी की मदद लेनी पड़ेगी। यह आपकी विफलता है। वह मानसिक रूप से चुनाव हार गए हैं। सचिन वाजे द्वारा अनिल देशमुख पर लगाए गए आरोपों पर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं इसमें नहीं पड़ने वाला। हमारा सवाल ये है कि कुछ समय से महाराष्ट्र में यह नाटक जारी है। राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि मेरे पास ऑडियो और वीडियो सबूत है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह एक संवैधानिक पद पर हैं, और उनके पास इसे छिपाने का अधिकार है। लोगों को सच्चाई जानने का हक है, लेकिन वह कुछ नहीं बताएंगे। वह केवल डराएंगे। मुझे लगता है कि उनका समय खत्म हो गया है। कुछ दिनों में महाविकास अघाड़ी सरकार बनेगी। उसके बाद हम इस मामले की जांच करेंगे और सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने अप्रैल, 2021 में गृहमंत्री के पद इस्तीफा दे दिया था क्योंकि मुंबई के तत्कालीन पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने उनपर आरोप लगाया था कि वह पुलिस को शहर के होटल एवं बार मालिकों से वसूली करने को कहते हैं। एनसीपीएसपी के नेता ने समाचार चैनलों से बातचीत में कहा कि (तब विपक्ष में रहे) फडणवीस द्वारा कथित रूप से भेजे गए एक व्यक्ति ने उनसे मुलाकात की थी और उसके पास तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके बेटे और कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे, तत्कालीन वित्त मंत्री अजित पवार और तत्कालीन परिवहन मंत्री अनिल परब को फंसाने वाले कई हलफनामे थे।

दलित उप-समूहों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हम सहमत नहीं: चिराग पासवान

पटना, 3 जुलाई। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का विरोध किया, जिसमें राज्यों को 15 प्रतिशत कोटे के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उप-समूह बनाने की अनुमति दी गई है। लोजपा रामविलास नेता ने घोषणा की कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। पटना में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं, जिसके लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी जोरदार मांग कर रहे हैं। हालांकि उनका यह भी मानना है कि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सुप्रीम कोर्ट से 15 प्रतिशत एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने वाले अपने हालिया फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध करते हुए अपील करेगी। चिराग ने कहा कि एससी कोटे में क्रीमी लेयर की अनुमति नहीं दी जा सकती। एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने से सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग का उत्थान नहीं होगा, जो अस्पृश्यता की प्रथा का शिकार रहा है। हाजीपुर के सांसद, जिनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान देश के बड़े

दलित नेताओं में से एक थे, ने आश्चर्य व्यक्त किया कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में अस्पृश्यता शब्द का उल्लेख तक नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के अधिकांश लोग, यहां तक कि संपन्न परिवारों से आने वाले और शिक्षा तक पहुंच रखने वाले लोग भी अस्पृश्यता का सामना करते हैं। इसलिए, अनुसूचित जाति के भीतर उप-समूहों की अनुमति देना उचित नहीं है। हालांकि, पासवान ने इस मुद्दे पर अपने गठबंधन सहयोगी जदयू द्वारा अपनाए गए रुख पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। दरअसल, जदयू ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों की पुष्टि के रूप में सराहा है, जिन्होंने वर्षों पहले राज्य में महादलित श्रेणी बनाई थी।

ओली कैबिनेट में तीन राज्य मंत्रियों की नियुक्ति

एजेंसी

काठमांडू । प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने कैबिनेट में तीन राज्य मंत्रियों को शामिल किया है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 25 हो गई है। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर तीन नए राज्य मंत्रियों की नियुक्ति की है। आज ही राष्ट्रपति भवन में इन तीनों राज्यमंत्रियों का शपथग्रहण भी होने वाला है। राष्ट्रपति भवन से जारी सूचना के मुताबिक आज नियुक्त होने वाले राज्य मंत्रियों अरुण कुमार चौधरी, रूपा विश्वकर्मा और पूर्ण बहादुर तामांग शामिल हैं। इनमें चौधरी को पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया है जबकि रूपा विश्वकर्मा को वन तथा वातावरण मंत्रालय व तामांग को ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में मौका मिला है। इनमें विश्वकर्मा व तामांग नेपाली कांग्रेस से हैं जबकि अरुण चौधरी नागरिक उन्मुक्ति पार्टी से सांसद हैं।

हमास चीफ हानियेह कतर में हुआ सुपुर्द-ए-खाक:शाही कब्रिस्तान में दफनाया गया

कतर । हमास चीफ इस्माइल हानियेह को कतर की राजधानी दोहा में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उसे कतर के शाही कब्रिस्तान लुसैल में दफनाया गया। इस दौरान कतर और फिलिस्तीनी गुटों के हजारों नेता मौजूद रहे। ब्रिटिश मीडिया मिडिल ईस्ट आई के मुताबिक कतर की राजधानी दोहा की सबसे बड़ी मस्जिद में नमाज पढ़ी गई। इस दौरान हजारों लोग हानियेह को अंतिम विदाई देने पहुंचे। वहीं तुर्किये ने हानियेह के सम्मान में अपने देश के झंडे को आधा झुका दिया। तुर्किये और पाकिस्तान में आज शोक भी मनाया जा रहा है। दूसरी तरफ, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच एअर इंडिया ने 8 अगस्त तक दिल्ली से तेल अवीव के लिए सभी उड़ानों को रद्द कर दिया है। हानियेह की मौत के बाद से मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इस बीच हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह ने इजराइल से बदला लेने का वादा किया है। उसने कहा कि फिलहाल इजराइली बहुत खुश लग रहे हैं, लेकिन आने वाले दिनों में वे खूब रोएंगे। नसरल्लाह ने इजराइल से सभी मोर्चे पर खुली लड़ाई का ऐलान किया।उसने कहा कि इजराइल ने रेड लाइन क्रॉस कर ली है। इजराइलियों को पता ही नहीं है कि इन मौतों पर हम कैसा जवाब देंगे। इससे पहले तेहरान में कल यानी गुरुवार को हानियेह को अंतिम विदाई दी गई। इसमें हजारों लोग शामिल हुए। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई ने अंतिम यात्रा का नेतृत्व किया। इसके बाद हानियेह के शव को कतर लाया गया।

अमेरिकी विमान में यात्री ने महिला स्टाफ से बदतमीजी की

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य के व्यक्ति को अमेरिकन एयरलाइंस के विमान में फ्लाइट अटेंडेंट से दुर्व्यवहार करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल 26 साल का निकोलस गैप्को 18 जुलाई को सिएटल से डलास के लिए रवाना हुआ था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में उसने पहले अपनी शर्ट उतार दी। इसके बाद वह ई-सिगरेट (वेप पेन) फूंकने लगा। थोड़ी देर बाद उसने एक महिला क्रू सदस्य को मारते हुए उससे शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। इसके बाद गैप्को ने कई बार हवा में प्लेन का दरवाजा भी खोलने की कोशिश की। इस दौरान दूसरे क्रू सदस्यों ने दूर कर शांत कराने की चाहा लेकिन वह नहीं माना। इस पर क्रू सदस्यों ने गैप्को के हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उटाह के सॉल्ट लेक सिटी एयरपोर्ट पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, गैप्को पर आरोप है कि उसने दूसरे पैसेंजर्स को ड्रग्स देने की भी कोशिश की। वहीं आरोपी ने अपनी सफाई में कहा है कि उसने फ्लाइट पर सवार होने से पहले मैरुआना खाया था। हालांकि, उसने दूसरे यात्रियों को ड्रग्स देने के आरोपों को नकार दिया है।

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर बैन लगायाःआरोप- हमास चीफ के लिए शोक संदेश पोस्ट करने से रोक रहा

तुर्किये । तुर्किये ने सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर बैन लगा दिया है। 2 अगस्त को जारी किए गए आदेश में तुर्किये की सरकार ने इंस्टाग्राम के डोमेन को ब्लॉक कर दिया है। हालांकि बैन को लेकर सरकार ने किसी तरह का स्पष्टीकरण नहीं दिया है। तुर्किये की नेशनल कम्युनिकेशन अथॉरिटी ने अपनी बेवसाइट पर पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी दी। आदेश के बाद तुर्किये के अंदर कई लोगों ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इंस्टाग्राम फीड के लोड न होने को लेकर शिकायत भरे पोस्ट किए। तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय में कम्युनिकेशन डायरेक्टर फहार्टिन अल्टन ने बुधवार को में इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वो लोगों को हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत पर शौक संदेश पोस्ट करने से रोक रही है। इस्माइल हानियेह की मौत मंगलवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हुई थी। उसे इजराइल ने एक हमले में मार दिया था। हानियेह, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगान का करीबी भी था। तुर्किये की मीडिया रिपोर्सट्स के मुताबिक इंस्टाग्राम पर लगाए गए बैन की वजह से 5 करोड़ यूजर्स प्रभावित हुए है। तुर्किये की कुल आबादी लगभग 8.5 करोड़ है। ऐसे में तुर्किये की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करता है। बैन को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। हालांकि तुर्किये में ऐसा में पहली बार नहीं हुआ है, जब किसी सोशल मीडिया ऐप या बेवसाइट को बैन किया गया है।

फिलीपींस में 6.8 तीव्रता का भूकंप, लगे तेज झटके

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में आज तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.8 दर्ज की गई। फिलहाल सुनामी की किसी भी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी का कहना है कि भूकंप के कारण किसी के भी हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। उल्लेखनीय है कि फिलीपींस में नियमित रूप से भूकंप आते रहते हैं।

फिलीपींस के समाचार पत्र द मनीला टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भूकंप का केंद्र सुरीगाओ डेल सुर रहा। सुबह 6:22 बजे लिंगिग, हिनाटुआन और सुरिगाओ डेल सूर के बिस्लीग शहर में तीव्र झटके महसूस किए गए। इसके अलावा कैटेल, दावाओ ओरिएंटल के पास भी झटके महसूस किए गए मगर यहां भूकंप की तीव्रता 5 रही।

द मनीला टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा आज सारे देश में बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। फिलीपीन वायुमंडलीय, भू-भौतिकी और खगोलीय सेवा प्रशासन ने दक्षिण-पश्चिम मानसून सबसे ज्यादा पश्चिमी विसायस, मिंडानाओ और पलावन के क्षेत्रों को प्रभावित करेगा।पश्चिमी विसायस, नीग्रोस द्वीप क्षेत्र, ज़ाम्बोआंगा प्रायद्वीप और

पलावन में गरज के साथ बरसात होगी। आसमान में बादल छाए रहने की उम्मीद है। मनीला और देश के बाकी हिस्सों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

बांग्लादेश में फिर से विरोध-प्रदर्शन शुरू, हिंसा में मरने वाले 200 लोगों के लिए मांग रहे इंसाफ

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में एकबार फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। यह विरोध प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ है। यह विरोध प्रदर्शन देशभर में बड़े पैमाने पर हिंसात्मक घटना बढ़ने और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद थमा था। फिर से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन हाल की घटना में मारे गए लोगों के इंसाफ की मांग को लेकर किया जा रहा है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में दो हजार से अधिक प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, जिनमें से कुछ लोग ''तानाशाह मुर्दाबाद'' और पीड़ितों के लिए इंसाफ के नारे लगा रहे थे, जबकि पुलिस अधिकारी उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े थे। ढाका के उत्तरा इलाके में पुलिस और दर्जनों छात्रों के बीच झड़प हुई, जबकि सुरक्षा अधिकारियों ने पत्थरबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड दागे।

प्रधानमंत्री शेख हसीना की

सरकार पिछले महीने से छात्रों के प्रदर्शनों का सामना कर रही है और फिलहाल इन प्रदर्शनों के मंद पड़ने का कोई संकेत नहीं है।

इससे पहले 15 जुलाई को हिंसा भड़कने के बाद से, शेख हसीना के लिए विरोध-प्रदर्शन बड़ा संकट बन गया है। हिंसक प्रदर्शनों से निपटने के लिए अधिकारियों ने इंटरनेट बंद कर दिया है और देखते ही गोली मारने का आदेश देते हुए कर्फ्यू लगा दिया है। स्कूल और विश्वविद्यालय बंद हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गौरवांवित हूं : कमला हैरिस

पेशावर।

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि पार्टी की तरफ से इस अवसर के लिए वे स्वयं को गौरवांवित और रोमांचित महसूस कर रही हैं। कमला हैरिस ने इस संबंध में एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गौरवान्वित हूं। मैं अगले सप्ताह आधिकारिक रूप से नामांकन स्वीकार करूंगी। यह अभियान लोगों के एक साथ आने, देश के प्रति प्रेम से प्रेरित होकर, हम जो हैं उसके लिए सर्वश्रेष्ठ संघर्ष करने के बारे में है। वहीं अमेरिका के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के लिए जीवन की सबसे बड़ी लड़ाई के मैदान में उतरने के लिए कमला हैरिस ने कमर कस ली है। जानकारों के मुताबिक राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित प्रत्याशी के रूप में कमला हैरिस की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। समाचारों के मुताबिक कमला ने पूरी डेमोक्रेटिक पार्टी को अपनी तरफ कर लिया है। वहीं कमला ने चुनाव के लिए एक टीम बनाई है, इस टीम में कमला के करीबियों और जो बाइडन का चुनाव अभियान देख रहे डेलीगेशन को शामिल किया गया है। इन्हें एक ऑपरेशन दिया गया है। इसका मकसद उन लोगों को साधना है जो राष्ट्रपति उम्मीदवार का चयन करने वाले थे। टीम में कई अश्वेत महिलाएं हैं जो दशकों से डेमोक्रेटिक राजनीति में शामिल रही हैं। वहीं टीम 5 नवंबर के चुनाव से पहले तीन महीने के चुनाव अभियान के लिए तैयार हैं।

कैलिफोर्निया की अमेरिकी सीनेटर लाफोंजा बटलर ने कमला पर लैंगिक भेदभाव और नस्लवादी हमलों की बौछार का सामना करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा, हम इस तरह की चीजें देखते आ रहे हैं। राजनीति में नए नहीं हैं। सलाहकारों का यह ग्रुप कमला के प्रति काफी वफादार है और उनके करियर के प्रति भावुक है। उन्होंने कहा, इनमें से कई सलाहकार 2017 में सीनेट में शामिल होने के बाद से ही उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं। वहीं कमला हैरिस के चुनावी मैदान में जाने से पहले उनके परखे हुए लोगों के एक समूह के साथ तैयारी में जुट गई हैं। जिनमें से कई अश्वेत महिलाएं हैं जो दशकों से डेमोक्रेटिक राजनीति में शामिल रही हैं, क्योंकि वह 5 नवंबर के चुनाव से पहले तीन महीने के कठिन अभियान के लिए तैयार हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने 2 अगस्त को डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन प्राप्त किया, जिससे नवंबर में रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ़ मुकाबले में पार्टी के मानक वाहक के रूप में उनकी उल्लेखनीय वृद्धि की पुष्टि हुई। हैरिस लगभग 4,000 पार्टी सम्मेलन प्रतिनिधियों के पांच दिवसीय इलेक्ट्रॉनिक वोट के लिए मतपत्र पर एकमात्र उम्मीदवार थीं। इस महीने के अंत में शिकागो सम्मेलन में उन्हें आधिकारिक रूप से उम्मीदवार बनायाताज पहनाया जाएगा। 59 वर्षीय हैरिस ने मैराथन वोट के दूसरे दिन पर्याप्त वोट हासिल करने के बाद पार्टी समारोह में फोन पर कहा, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अपने पुनर्निर्वाचन अभियान को समाप्त करने के बाद से दो सप्ताह में हैरिस ने पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। किसी अन्य डेमोक्रेट ने टिकट के शीर्ष पर उनके उत्थान को चुनौती देने के लिए आगे कदम नहीं बढ़ाया, जिससे किसी प्रमुख पार्टी के नामांकन को सुरक्षित करने वाली पहली अश्वेत और दक्षिण एशियाई महिला के रूप में उनकी पुष्टि एक औपचारिकता बन गई।

मछिन्द्रनाथ यात्रा के मद्देनजर राजधानी काठमांडू में आज अवकाश की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रविवार को मछिन्द्रनाथ यात्रा के मद्देनजर राजधानी काठमांडू में अवकाश की घोषणा की है। रविवार को भोटो यात्रा करने के बाद मछिन्द्रनाथ को रथ से उतारकर सम्मान के साथ बुंगमती ले जाया जाएगा। इस भोटो यात्रा में नागलोक से प्राप्त रत्नों, माणिकों आदि से जड़ित प्राचीन भोटो को दिखाने की परम्परा है। राजतंत्र के समय इस तरह के सांस्कृतिक यात्रा में राजा की सहभागिता होती थी लेकिन आजकल राष्ट्रपति इस प्राचीन परम्परा का निर्वहन करते हैं। काठमांडू में 'रातो मछिन्द्रनाथ रथ यात्रा' में लाखों लोगों लोगों की सहभागिता रही। ललितपुर के पाटन से जावलाखेल तक हुए इस रथयात्रा को बाजे गाजे और पारंपरिक नृत्य सहित लाखों लोगों की सहभागिता में भव्य तरीके से पूरा किया गया। परंपरा के अनुसार जब सूर्य दक्षिणायन होता है तो रातो

मछिन्द्रनाथ के रथ को 6 महीने के लिए पाटन से बुंगमती में रखा जाता है। जब सूर्य उत्तरायण होता है तो 6 महीने के लिए इसे पाटन में रखने की परम्परा है। उसी परंपरा के तहत इस बार पाटन से रथ खींचकर जवालाखेल लाया गया है, जहां से इसको बुंगमती तक ले जाया जाएगा।

इस मछिन्द्रनाथ रथ यात्रा में ललितपुर की जीवित देवी कुमारी और ललितपुर के 17वीं शताब्दी के राजा सिद्धिनार सिंह मल्ल की ऐतिहासिक खड्ग को भी राजकीय सम्मान के साथ समारोह स्थल पर लाया गया। नेपाल की जीवित देवी कुमारी को इसी तरह के सांस्कृतिक समारोह के दौरान ही बाहर आम लोगों के दर्शन के लिए बाहर लाया जाता है।

दावा- ईरानी एजेंट्स ने ही करवाई हानियेह की हत्याः इंटेलिजेंस अफसर समेत 24 गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत के मामले में ईरान ने करीब 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें ईरान के कई इंटेलिजेंस अफसर, सैन्य अधिकारी और गेस्ट हाउस का स्टाफ शामिल हैं। यह वही गेस्ट हाउस है, जहां हानियेह पर हमला हुआ था।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ईरान ने हानियेह की सुरक्षा में चूक को देखते हुए यह गिरफ्तारियां की हैं। दरअसल, हानियेह ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचा था। वह जिस गेस्ट हाउस में ठहरा था उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ईरान की सेना IRGC के पास रहती है।

वहीं ब्रिटिश मीडिया हाउस द टेलीग्राफ ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि हानियेह को मारने के पीछे इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद का हाथ है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोसाद ने इस काम के लिए ईरान के ही सिक्योरिटी एजेंट्स को हायर किया था।

रईसी के अंतिम संस्कार में ही हानियेह को मारना चाहता था इजराइल

ईरानी अधिकारियों की मदद से IRGC के गेस्ट हाउस के 3 अलग-अलग कमरों में बम रखे गए थे। यह वही गेस्ट हाउस है, जहां हानियेह ठहरा था। मोसाद ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम विदाई के कार्यक्रम में समय ही हानियेह को मारना चाहता था। हालांकि, तब बहुत ज्यादा भीड़ होने की वजह से प्लान विफल होने की आशंका थी, इसलिए इसे टाल दिया गया। इसके बाद एजेंट्स ने गेस्ट हाउस के 3 कमरों में बम लगा दिए। फिर वे देश छोड़कर भाग गए। हालांकि,उनका एक साथी ईरान में ही रुका। ईरानी अधिकारियों को गेस्ट हाउस में बम लगाने का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है।

एजेंट्स ने ईरान छोड़ने के बाद किया ब्लास्ट

टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरानी एजेंट्स के सूत्र ने ही 31 जुलाई को हानियेह के अपने कमरे में होने की सूचना दी थी। इसके बाद एजेंट्स ने बम डेटोनेट कर दिया। IRGC के अधिकारी ने टेलीग्राफ से बात करते हुए कहा कि उनकी अनसार अल-महदी यूनिट के एजेंट्स को मोसाद ने ही इस काम के लिए हायर किया था। अधिकारी ने बताया कि छानबीन के बाद उन्हें बाकी 2 कमरों में लगे बम मिल गए। IRGC के एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि यह ईरान के तरफ से सुरक्षा में एक बड़ी चूक है।

नेपाल में चीनी राजदूत को चेतावनी, संसदीय समिति ने कहा- हदें पार ना करें

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में चीन के राजदूत आए दिन अपने बयान और सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट को लेकर विवादों में घिरे रहते हैं। ताजा मामला पिछले महीने नेपाल में हुई बस दुर्घटना को लेकर उनके असंवेदनशील बयान का है, जिसकी वजह से उनकी कड़ी आलोचना हो रही है। नदी में गिरी बसों को खोजने के लिए नेपाल और भारत की एनडीआरएफ की टीम ने 20 किलो का चुंबक डाला था, जो खो गया था। इस संबंध में आई खबर को ट्वीट करते हुए नेपाल में चीन के राजदूत छंग सोन ने लिखा 'पहले चुंबक ढूंढ लो, बस बाद में ढूंढना।' चीनी राजदूत के इस ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए दुख की घड़ी में ऐसे असंवेदनशील ट्वीट के लिए उन्हें माफी मांगने कहा लेकिन चीनी राजदूत ने अब तक माफी नहीं मांगी, बल्कि अपने बचाव में दलील देते रहे। अब इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। चीनी राजदूत की इस हरकत को सांसदों ने सदन में उठाया तो अन्तरराष्ट्रीय संबंध की संसदीय

समिति ने चीनी राजदूत को चेतावनी दी है। प्रतिनिधि सभा में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ही दल के सांसदों ने चीनी राजदूत की कड़े शब्दों में आलोचना की है। नेपाली कांग्रेस के सांसद रामहरि खतिवडा ने कहा कि 65 लोगों की मौत पर मजाक उड़ाने वाले चीनी राजदूत की जितनी आलोचना की जाए उतना कम है। उन्होंने कहा कि विदेशी राजदूतों को अपने हद में रह कर कोई अभिव्यक्ति देनी चाहिए। इसी तरह प्रतिपक्ष में रहे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि असंवेदनशील राजदूत को तत्काल बुलाकर उन्हें हिदायत देनी चाहिए।

सांसद खनाल ने विदेश मंत्री से मांग की है कि नेपाल में हुए दर्दनाक हादसे के बाद राहत तथा बचाव कार्य में जुटी टीम के काम का मजाक बनाना और इस तरह के घटिया बयान पर उन्हें सम्मन भेज कर स्पष्टीकरण लेना चाहिए।

चीनी राजदूत के इस असंवेदनशील ट्वीट को लेकर अन्तरराष्ट्रीय संबंध संसदीय समिति के अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने कहा कि चीनी राजदूत को इस तरह से मौत पर मजाक करने का बिलकुल अधिकार नहीं है। उन्होंने समिति की बैठक में कहा कि चीनी राजदूत को अपनी बोली पर लगाम लगाना चाहिए। यदि वो खुद में सुधार नहीं लाते हैं तो सरकार को चीनी राजदूत के खिलाफ कड़ा एक्शन लेना चाहिए।

दावा-किम जोंग चाहते हैं ट्रम्प बनें अमेरिकी राष्ट्रपतिः उनके जरिए नॉर्थ कोरिया पर लगे प्रतिबंध हटवाएंगे

एजेंसी

वाशिंगटन। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन चाहते हैं कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प ही राष्ट्रपति बनें। क्यूबा में नॉर्थ कोरिया के डिप्लोमैट रह चुके री इल क्यू ने इसकी जानकारी दी। री इल ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब भी यही मानता है कि ट्रम्प के कार्यकाल में अमेरिका से न्यूक्लियर वेपन प्रोग्राम के लिए समझौता करना ज्यादा आसान होगा।

दरअसल, पिछले महीने रिपब्लिकन पार्टी के कन्वेंशन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था, ÷मुझे लगता है कि किम जोंग मुझे मिस कर रहे होंगे। वे भी यही चाहते हैं कि मैं राष्ट्रपति बनूं।÷ नॉर्थ कोरिया के पूर्व डिप्लोमैट री इल के मुताबिक, किम जोंग ट्रम्प के साथ इसी गर्मजोशी का इस्तेमाल करके अमेरिका के साथ समझौता करने की कोशिश करेंगे।

'अमेरिका धोखेबाज देश, वादे पूरे नहीं करता'

ट्रम्प के बयान पर नॉर्थ कोरिया की स्टेट न्यूज एजेंसी ॅच्ष्ट्ठ ने लिखा

था कि अमेरिका एक धोखेबाज देश है जो कभी अपने वादे पूरे नहीं करता। इसके बाद नॉर्थ कोरिया ने ट्रम्प के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया भी दी थी।

प्योंगयांग ने कहा था कि किसी भी पार्टी के जीतने से अमेरिका की नीतियों पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसलिए अमेरिका में राष्ट्रपति कौन बनता है इससे नॉर्थ कोरिया को कोई फर्क नहीं पड़ता।

'पाबंदियां हटाने के लिए अमेरिका से झूठा वादा करेगा नॉर्थ कोरिया'

बात करते हुए री इल ने कहा, 'नॉर्थ कोरिया कभी भी अपने परमाणु हथियारों को खत्म नहीं करेगा। वह अमेरिका से प्रतिबंध हटाने के बदले अपने न्यूक्लियर वेपन प्रोग्राम को बंद करने की डील कर सकता है। लेकिन यह समझौता एक धोखा होगा। नॉर्थ कोरिया सिर्फ प्रतिबंध हटवाने के लिए अमेरिका से यह वादा करेगा।÷

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारतवंशी कमला अमेरिका में राष्ट्रपति उम्मीदवार होंगीः डेमोक्रेटिक पार्टी से बहुमत मिला; यह चुनाव लड़ने वाली पहली अश्वेत महिला बनेंगी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी से भारतीय मूल की कमला हैरिस राष्ट्रपति उम्मीदवार होंगी। पार्टी में 1 अगस्त से शुरू हुई ऑनलाइन वोटिंग में 28 घंटे बाद ही उन्हें 2350 से ज्यादा डेलीगेट्स का समर्थन मिल गया है। इसी के साथ उन्होंने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। 6 अगस्त को वोटिंग खत्म होने के बाद ही उनके आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की घोषणा की जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कमला को चुनाव खत्म होने तक पार्टी के 99त्न यानी 3923 डेलीगेट्स का समर्थन मिलने की उम्मीद है।

कमला अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली अश्वेत महिला होंगी। बहुमत हासिल करने के बाद उन्होंने कहा, मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं अगले हफ्ते आधिकारिक तौर पर नॉमिनेशन स्वीकार करूंगी।बराक और मिशेल ओबामा ने ो जारी एक वीडियो में भारतवंशी कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन किया था। बराक और मिशेल ओबामा ने ो जारी एक वीडियो में भारतवंशी कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन किया था। बाइडेन बोले- कमला को उप राष्ट्रपति बनाना मेरे बेहतरीन फैसलों में एक था कमला को बहुमत मिलने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, उन्हें उप राष्ट्रपति बनाना मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन फैसलों में से एक था। अब वह हमारी पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बन गई हैं। मुझे उन पर बेहद गर्व हो रहा है। हम जीत जरूर हासिल करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी की वोटिंग खत्म होने के बाद 6 अगस्त को कमला अपनी पार्टी के उप राष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम की घोषणा भी कर सकती हैं। इसके बाद वे नए सिरे से चुनावी कैंपेन की शुरुआत करेंगी। इसके बाद 19 से 22 अगस्त तक डेमोक्रेटिक पार्टी का कन्वेंशन होगा। इसमें पार्टी के नेता कमला को समर्थन देते हुए उनके लिए प्रचार करेंगे। साथ ही कमला के कैंपेन के लिए पार्टी का एजेंडा भी तय किया जाएगा। अमेरिका में इसी साल 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनाव होंगे। इसके 2 महीने बाद 6 जनवरी 2025 को नतीजों की घोषणा होगी। कमला हैरिस के चुनावी कैंपेन में उनकी छोटी बहन माया हैरिस के पति टोनी वेस्ट मदद करेंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, टोनी ट्रांसपोर्ट कंपनी ऊबर के चीफ लीगल एडवाइजर हैं। उन्होंने कमला की मदद के लिए अपने ऑफिस से 1 महीने की छुट्टी ली है। टोनी लंबे समय से कमला के एडवाइजर रहे हैं। ो कंपनी को लिखे एक ईमेल में टोनी ने कहा, मुझे अपने काम से बेहद प्यार है, लेकिन मेरे लिए परिवार प्राथमिकता है।

भारत की कृषि विविधता वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए आशा की किरण- नरेंद्र मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कृषि क्षेत्र में भारत की विविधता इस देश को विश्व की खाद्य सुरक्षा के लिए आशा की किरण बनाती है। श्री मोदी नई दिल्ली में आयोजित ÷कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन÷ का उद्घाटन कर रहे थे।

यह सम्मेलन भारत में 65 साल बाद आयोजित किया गया है। सात दिन के इस सम्मेलन में दुनिया भर के 1000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिसमे 40 प्रतिशत से अधिक महिला डेलीगेट हैं। उद्घाटन सत्र को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी संबोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की पहल से आज भारत में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर दुनिया में सबसे ऊंची चल रही है तथा भारत कृषि का उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मानव और जमीन के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दे रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि 65 साल पहले जब भारत ने मैसूर में इस सम्मेलन का आयोजन किया था उस समय भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया की चिंता का विषय था , आज भारत दुनिया की खाद्य सुरक्षा की चिंता कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व में दूध दाल और मसाले का सबसे बड़ा उत्पादक है। फल सब्जियां मछली आदि के उत्पादन में भी भारत का बड़ा योगदान है।

उन्होंने कहा कि भारत में अधिकांश किसान छोटी जोत वाले किसान हैं और यह किसान ही भारत की खाद्य सुरक्षा का आधार हैं । उन्होंने कहा कि एशिया के तमाम देशों में भी भारत की तरह ही किसानों की जमीन कम हैं ,भारत का मॉडल उनके और दक्षिणी गोलार्ध के अन्य देशों के लिए एक मॉडल बन सकता है। श्री मोदी ने कहा कि भारत एक प्राचीन देश है। भारत की कृषि और भोजन की परंपराएं भी उतनी ही प्राचीन हैं। उन्होंने संस्कृत के एक श्लोक का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में अन्न को सभी पदार्थों में सबसे श्रेष्ठ और सभी औषधीय का आधार माना गया है। श्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान कि हमारी समृद्धि परंपरा भारत में कृषि प्रणाली का आधार है। उन्होंने इसी संबंध में 2000 वर्ष पूर्व लिखे गए कृषि पाराशर ग्रंथ का उल्लेख किया और कहा कि यह ग्रंथ आज विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2024- 25 के बजट में भारतीय कृषि प्रणाली को नैसर्गिक दृष्टि से स्वस्थ और जलवायु परिवर्तन के समक्ष जुझारू बनाने के लिए किए गए प्रावधानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने सम्मेलन के प्रतिनिधियों को भारत में मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, ड्रोन दीदी, इलेक्ट्रॉनिक कृषि मंडी और किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 10 करोड़ किसानों को डिजिटल तरीके से किया जा रहे भुगतान जैसी अनेक पहल कभी उल्लेख किया। श्री मोदी ने उम्मीद जताई कि इस सम्मेलन की चर्चाओं से किसी को स्वस्थ बनने की चुनौतियों के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव सामने आएंगे और हमें एक दूसरे के अनुभव से सीखने का लाभ मिलेगा।

राहुल गांधी 'लीडर ऑफ अपोजिशन' नहीं बल्कि 'लीडर ऑफ फोटोग्राफी' हैं : शहजाद पूनावाला

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने केरल के वायनाड में स्थानीय लोगों द्वारा राहुल गांधी के विरोध का दावा करते हुए आरोप लगाया है कि 'रील नेता' राहुल गांधी को वायनाड में 'रियल लोगों'का आक्रोश सहना पड़ा।

शायद उन्हें पता था कि सवालों की बौछार होगी, इसलिए रात के दो बजे ईडी के बारे में एक्स पर पोस्ट करके वह जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। लेकिन जनता ने उन्हें अपने मन की बात सुना दी है। पूनावाला ने कहा कि वायनाड की जनता ने राहुल गांधी को यह बता दिया कि उन्होंने उन्हें वोट किया था।

चुनाव में उनके लिए काम किया था लेकिन इतने दिनों बाद वीवीआईपी की तरह आए। उन्होंने कहा कि सवाल तो यह बनेगा कि वे देरी से वहां गए और वहां गाड़ी से भी नहीं उतरे ताकि गंदे न हो जाएं। जनता ने ही पूछा कि जब गाड़ी से भी नहीं उतरना था तो वे वहां आए ही क्यों? दो दिनों लेट आए, इतने दिनों तक कुछ नहीं किया। जब वहां पर अवैध निर्माण चलता रहा, जब लगातार चेतावनी दी जा रही थी तो ना तो राज्य की लेफ्ट सरकार ने कुछ किया और ना ही सांसद रहते हुए राहुल गांधी ने कुछ किया। तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई और इसके लिए लेफ्ट और कांग्रेस पार्टी की आपराधिक लापरवाही जिम्मेदार है।

शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए वहां चले गए, इसलिए एलओपी के लिए एक नया मतलब तैयार हुआ है। राहुल गांधी, लीडर ऑफ अपोजिशन नहीं बल्कि लीडर ऑफ फोटोग्राफी और लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा हैं। जनता ने अपने मन की बात उन्हें सुना दी है। शहजाद पूनावाला ने तमिलनाडु के डीएमके के मंत्री द्वारा भगवान श्रीराम के अस्तित्व को लेकर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना की।

चुनावी बॉन्ड्सः सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच की याचिका खारिज की

एजेंसी
नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भारी चंदा के बदले कॉरपोरेट को कथित तौर पर ठेका देने के मामलों की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख और अदालत की निगरानी वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग वाली चार जनहित याचिकाएं खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर सरकारी संगठनों - कॉमन कॉज और सीपीआईएल के अलावा जय प्रकाश शर्मा, सुदीप तमनकर और डॉ. खेम सिंह भाटी द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ कहा कि वह धारणा के आधार पर चुनावी बांड (जिसे शीर्ष अदालत ने 14 फरवरी को खारिज कर दिया) की खरीद की जांच के लिए आदेश नहीं दे सकती, क्योंकि जांच दल का गठन करना एक दूरगामी प्रभाव होगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि चुनावी बांड के माध्यम से गुमनाम चंदा की योजना का भारतीय लोकतंत्र और राजनीति पर बड़ा प्रभाव है।

वायनाड में पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगी कर्नाटक सरकार, राहुल गांधी ने जताया आभार

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को घोषणा की कि भूस्खलन प्रभावित वायनाड में कर्नाटक सरकार पीड़ितों के लिए 100 घरों का निर्माण करेगी। सीएम सिद्धारमैया के इस ऐलान के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनका आभार जताया है। सिद्धारमैया के पोस्ट का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं वायनाड में इस कठिन समय के दौरान उदार समर्थन के लिए कर्नाटक के लोगों और सरकार का बहुत आभारी हूं। दुखद भूस्खलन के पीड़ितों के लिए 100 घर बनाने की आपकी प्रतिबद्धता पुनर्वास प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीयों की करुणा और एकजुटता ही वह ताकत है, जिसकी वायनाड को अभी जरूरत है। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कर्नाटक सरकार के इस पहल के सीएम सिद्धारमैया का धन्यवाद कहा है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, करुणा और मानवता के इस भाव के लिए सीएम सिद्धारमैया और कर्नाटक के लोगों का धन्यवाद देती हूं। सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऐलान करते हुए लिखा, वायनाड में हुए दुखद भूस्खलन के मद्देनजर कर्नाटक केरल के साथ एकजुटता से खड़ा है। मैंने सीएम पिनराई विजयन को समर्थन का भरोसा दिया है और घोषणा की है कि कर्नाटक पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगा। हम मिलकर पुनर्निर्माण करेंगे और उम्मीद बहाल करेंगे। 30 जुलाई की सुबह वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन में 308 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक घायल हो गए हैं। वहीं लगभग 300 लोग लापता हैं। बचावकर्मी नष्ट हो चुके घरों और इमारतों में खोजबीन करते समय जलभराव वाली मिट्टी सहित प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझ रहे हैं।

121 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में से सबसे ज्यादा राजस्थान में - केंद्र सरकार

नई दिल्ली। आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने संसद भवन में एक सवाल का जवाब देते हुए पूरे देश में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे देश में इस समय आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग 12,121 आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एएचडब्ल्यूसी) चल रहे हैं। जिनका नाम बदलकर अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) कर दिया गया है। उन्होंने बताया, '12,121 आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एएचडब्ल्यूसी) पूरे देश में काम कर रहे हैं। इन एएचडब्ल्यूसी में सबसे ज्यादा राजस्थान में चल रहे हैं। मंत्री ने एक लिखित उत्तर में कहा, देश में मौजूदा आयुष औषधालयों और उप-स्वास्थ्य केंद्रों की कुल 12,500 इकाइयां हैं, जिन्हें केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के रूप में उन्नत करने की मंजूरी दी गई है। इस समय राजस्थान में सबसे ज्यादा 2,019 आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्य कर रहे हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 1,034, मध्य प्रदेश 800, हिमाचल प्रदेश 740 और केरल 700 आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं।

दिल्ली में मां-बेटे की नाले में डूबने से मौत पर एलजी सक्सेना का पलटवार, ठहराया 'आप' को जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना के सचिवालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि आम आदमी पार्टी के एक सांसद और विधायक कुलदीप कुमार, पार्टी प्रवक्ता सुश्री प्रियंका कक्कड़ और आम आदमी पार्टी ने गलत, जानबूझकर भ्रामक और अनुचित बयान जारी कर डीडीए को दुखद मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने इससे पहले दिल्ली के गाजीपुर इलाके में एक नाले में एक महिला और उसके बच्चे की डूबने से हुई मौत पर दिल्ली के उपराज्यपाल से इस्तीफा मांगा था। इस घटना ने राजनीतिक हलकों में तनाव बढ़ा दिया और आप नेताओं के आरोपों पर एलजी कार्यालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एलजी सचिवालय के बयान में कहा गया कि यह निस्संदेह आप और उसके नेतृत्व की लापरवाही का एक और उदाहरण है। मामले की सच्चाई यह है कि खोड़ा कॉलोनी में जिस नाले में डूबने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, वह आप के नियंत्रण में एमसीडी का था। बयान में स्पष्ट किया गया कि 1000 मीटर लंबे नाले की न तो गाद निकाली गई और न ही उसे ढका गया था, जिसके कारण यह दुखद घटना घटी। एलजी कार्यालय ने कहा कि आप नेताओं द्वारा डीडीए को जिम्मेदार ठहराना गलत और भ्रामक है।

टूटती हुई दिल्ली के लिए अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार : पूर्व कांग्रेस सांसद संदीप दीक्षित

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले दिनों से कई त्रासद घटनाएं सामने आने के बाद कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत में अपनी प्रतिक्रिया दी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'टूटती हुई दिल्ली' के लिए जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली में ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना में अवैध बेसमेंट में पानी भरने के यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पता चला था कि ऐसे कई कोचिंग संस्थान बेसमेंट में अवैध तरीके से क्लास चला रहे हैं। इसके अलावा, आशा किरण शेल्टर होम घटना में कई बच्चों ने अपनी जान गंवा दी थी। इन मामलों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

संदीप दीक्षित ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ऐसे मामलों पर आरोप-प्रत्यारोप कोई भी लगा सकता है। असल बात यह है कि जिम्मेदारी किसकी है? लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुने गए जनप्रतिनिधियों की

जिम्मेदारी होती है। अधिकारी इस व्यवस्था का एक हिस्सा होते हैं। लेकिन वह व्यवस्था जब अच्छे लोग चुने जाते हैं तो अच्छी तरह से काम करती है। जब ऐसे लोग चुने जाते हैं जो बहानेबाज हैं, सिर्फ अपने लिए काम करते हैं, भ्रष्टाचार करते हैं, जहां पैसा लगाना चाहिए, वहां पैसा न लगाकर वोट खरीदते हैं, तो फिर टूटती हुई दिल्ली मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, यही दिल्ली कांग्रेस ने भी 15 साल तक चलाई। यही अधिकारी थी। ऐसा नहीं है सब अधिकारी रिटायर हो गए। क्या ये अधिकारी उस समय काम नहीं करते थे? आज जो गलत काम कर रहे हैं वह तब भी होंगे। ऐसा नहीं है कि 10 साल में पूरा चरित्र बदल गया है और सभी अधिकारी खराब हो गए हैं, सारे अच्छे अधिकारी रिटायर हो गए हैं। हमने अच्छी सरकार दी, मेहनत और निष्ठा से काम किया। कोई यह नहीं कह सकता है कि हमने दिल्ली को नया रूप नहीं दिया है। जिस दिल्ली पर लोग गर्व करते थे, आज उसकी त्रासदी पर लोग हंसते हैं और यह सीधे-सीधे अरविंद केजरीवाल की जिम्मेदारी है।

रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग बढायेंगे भारत और वियतनाम

एजेंसी
नई दिल्ली भारत और वियतनाम साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा और पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढायेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने यहां बताया कि दोनों देशों के बीच 14वीं भारत-वियतनाम रक्षा नीति वार्ता बृहस्पतिवार को यहां हुई। वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल होआंग जुआन चिएन ने की।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों की समीक्षा की और जून 2022 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वियतनाम यात्रा के दौरान '2030 की ओर, भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर संयुक्त विजन वक्तव्य' पर हस्ताक्षर करने के बाद संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया।वियतनाम ने सहयोग के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों का प्रस्ताव रखा, जिनमें प्रतिनिधिमंडल का आदान-प्रदान और संवाद, स्टाफ-वार्ता, सेनाओं के बीच परस्पर

सहयोग, रक्षा और प्रशिक्षण तथा रक्षा उद्योग सहयोग शामिल हैं। रक्षा सचिव ने पाँच सूत्री प्रस्ताव का स्वागत किया तथा साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा, पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे दोनों देशों के लिए चिंता के उभरते क्षेत्रों में सहयोग का प्रस्ताव रखा। रक्षा सचिव ने मित्र देशों की क्षमता और क्षमता वृद्धि को पूरा करने के लिए घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमता पर प्रकाश डाला तथा वियतनाम पीपुल्स आर्म्ड फोर्सेज और उनके उद्योगों के साथ उपयोगी साझेदारी के प्रति आशा व्यक्त की। बैठक के बाद, रक्षा सचिव और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री ने प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान सहित प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

मयूर विहार की घटना पर केंद्र सरकार, उपराज्यपाल के खिलाफ आप का विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार इलाके में नाले में गिरने से मां-बेटे की मौत का मामला गरमा गया है। राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को इसी मसले पर केंद्र सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया।

सैकड़ों की संख्या में आप कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए हैं। वे हाथों में पोस्टर बैनर लेकर केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। आप नेताओं ने राज निवास पर जमकर नारेबाजी की

आप का आरोप है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की लापरवाही के चलते मां-बेटे की दुखद मौत हुई। पार्टी सवाल कर रही है कि राजेंद्र नगर की घटना पर राजनीति करने वाली भाजपा और उपराज्यपाल ने इस मामले पर चुप्पी क्यों साध रखी है? उनका कहना है

कि पीड़ित परिवार के लिए किसी भी तरह की मदद की घोषणा भी नहीं की गई है। आप नेता लापरवाही के चलते संबंधित विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बता दें कि दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर डीडीए एक नाले का निर्माण कर रहा है। गत 31 जुलाई को मूसलाधार बारिश के बाद सड़क पर जलभराव हो गया। उस रास्ते से गुजर रही महिला और उसका ढाई साल का बेटा नाले में गिर गया।

मां ने बच्चे को नाले में डूबने से बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी डूब गई। बताया जा रहा है कि महिला अपने बेटे के साथ बाजार गई थी। इसी दौरान वह हादसे का शिकार हो गई। इस घटना ने राजधानी में सड़कों और नालों की पोल खोल दी। इससे कुछ दिन पहले दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके की घटना ने सबको झकझोर दिया था। मूसलाधार बारिश के चलते राउज कोचिंग के बेसमेंट में लबालब पानी भर गया था, जिसमें फंसकर तीन छात्रों ने अपनी जान गंवा दी। दोनों ही मामले को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। आप और भाजपा के नेता एक-दूसरे को जिम्मेदार बता रहे हैं।

नौ राज्यों में डेंगू की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने राज्यों और नगर पालिकाओं को डेंगू के किसी भी प्रकोप को रोकने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है।

श्री चंद्रा ने यहां एक उच्च स्तरीय अंतर मंत्रालय बैठक में देश में डेंगू की स्थिति से निपटने की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शहरी विकास मंत्रालय, राज्यों, नगर निगमों और स्थानीय स्वशासन निकायों सहित संबंधित पक्षों के लिए देश में डेंगू के मामलों को रोकने के लिए सहयोग करना और मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है।

बैठक में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के साथ-साथ प्रभावित नौ राज्यों दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के सचिव और उच्च-स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई सहित कुल 18 नगर निगमों ने बैठक में ऑनलाइन भाग लिया। डेंगू के सबसे अधिक मामले कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र से सामने आए हैं।

श्री चंद्रा ने मानसून के मौसम में एहतियाती कदम उठाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में, डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस वर्ष के रुझान से पता चलता है कि 31 जुलाई तक डेंगू के मामलों की संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है।

स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों से किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा।पिछले चार वर्षों में डेंगू के मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन मृत्यु दर वर्ष 1996 में 3.3 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 0.17 प्रतिशत हो गई है।

मोदी की उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर सुन सकता है विपक्षः भाजपा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस द्वारा भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टैक्नोलॉजी की मदद से 80 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से निकालने की सराहना करते हुए विपक्ष पर कटाक्ष किया कि श्री मोदी की उपलब्धियों को वे वैश्विक मंच पर सुन सकते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आज पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीतियों और तकनीकी प्रगति की सार्वजनिक रूप से सराहना की जिससे भारत के गरीबों जीवन स्तर ऊपर उठा है। आज मोदी मैजिक का डंका समूचे विश्व में बज रहा है। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि कल संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने विस्तार से दुनिया के सामने उदाहरण रखते हुए कहा कि भारत में 80 करोड़ लोगों को गरीबी और 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है और ये श्री मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण हुआ है। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हुए परिवर्तन का उदाहरण देते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने कहा कि हर देश को इसी तरह अपने देश के गरीब लोगों को आगे बढ़ाने के लिए नीतियां बनानी चाहिए। 80 करोड़ लोगों के जीवन में ये बदलाव टेक्नॉलॉजी के कारण संभव हो पाया है। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि 2014 से पहले, भारत को उदासीनता निष्क्रिय सरकार, बहुत कमजोर सिस्टम और भ्रष्ट देश के रूप में देखा जाता था। 2014 से पहले भारत का बैंकिंग सिस्टम केवल अमीर लोगों के लिए और इंटरनेट कनेक्टिविटी सिर्फ 17 करोड़ लोगों की पहुंच थी। 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने देश के 90 करोड़ लोगों तक इंटरनेट की पहुंच को सुनिश्चित किया और 52 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सुविधा से जोड़ने का कार्य किया।श्री चंद्रशेखर ने कहा कि मोदी सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है।

कुल 50655 करोड़ रुपये की आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में अयोध्या और कानपुर में रिंग रोड के निर्माण सहित कुल 50,655 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की आठ महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

पीएम गतिशक्ति मंच की मदद से समन्वित नियोजन के साथ नियोजित इन राजमार्ग परियोजनाओं की कुल लंबाई 936 किलोमीटर है, जिसे विजन 2047 को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति में स्वीकृत इन प्रस्तावों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवादाताओं से कहा, ये परियोजनाएं कुल 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की है और इनके निर्माण से 4.42 करोड़ दिहाड़ी रोजगार का सृजन होगा।÷ उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं की योजना इस तरह बनी है ताकि भूमि अधिग्रहण की जरूरत कम से कम पड़े। इनमें संबंधित क्षेत्रों के वर्तमान सड़क मार्गों की भूमि का भी प्रयोग हो सकेगा। श्री वैष्णव ने कहा कि धार्मिक नगरी अयोध्या के सर्वांगीण विकास के लिए करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत से करीब 68 किलोमीटर का रिंग रोड बनाया जाएगा जो समीप से गुजरने वाले वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग से भी जुड़ा होगा। कानपुर में बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों और विकास की जरूरतों को देखते हुए शहर के चारों ओर छह लेन का रिंग रोड बनाने की परियोजना भी मंजूर की गयी है। इस परियोजना में 3298 करोड़ रुपये का खर्च होगा।

उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पूर्वोत्तर में विकास की गति की जरूरतों को देखते हुए गुवाहाटी शहर के विकास के लिए गुवहाटी बाईपास को हाईवे से जोड़ने के लिए 121 किलोमीटर की राजमार्ग परियोजना को भी मंजूरी दी गयी है जिसपर 5729 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे शहर के चारों ओर एक रिंग रोड विकसित होगा। इसके अलावा पुणे-नासिक मार्ग पर आठ लेन का फ्लाईओवर कोरीडोर बनाया जाएगा। इससे जाम की समस्या दूर होगी शहर के समीपवर्ती चिंचवाड-चाखन औद्योगिक क्षेत्र के परिवहन मार्ग में सुगमता आएगी। इस परियोजना के लिए 7827 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजना मंजूर की गयी है। रायपुर-रांची के बीच पूर्ण निर्माणाधीन राजमार्ग परियाजना के तहत पत्थलगांव-गुमला के बीच 137 किलोमीटर के खंड के निर्माण को भी मंजूरी दी गयी जिस पर 4473 करोड़ रुपये की लागत आयेंगी तथा इसका लाभ छत्तीसगढ और झारखंड को मिलेगा। गुजरात में थरण-मेहसाणा क्षेत्र में 214 करोड़ रुपये के छह लेन की परियोजना को मंजूरी दी गयी है जो दिल्ली-ट्रांस राजस्थान राजमार्ग और दिल्ली-मुंबई गलियारा परियोजना को जोड़ेगा। इस परियोजना पर 10534 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

बीएसएफ डीजी और उनके डिप्टी को तत्काल प्रभाव से राज्य कैडर में वापस भेजा गया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र ने एसोसिएटेड जनरल (डीजी) बोल्टन अग्रवाल और उनके उप विशेष आभामंडल (वेस्ट) वाइबी खुरानिया को सक्रिय प्रभाव से हटा दिया और उन्हें उनके संबंधित राज्य कैडर में वापस भेज दिया। यह घटना जम्मू-कश्मीर, विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं और आतंकवादियों की कोशिशों के बीच हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 21 जुलाई तक जम्मू-कश्मीर में 14 नागरिक और 14 सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि 24 आतंकवादी/आतंकवाद विरोधी अभियान और 11 आतंकवादी घटनाएं हुईं। डीओपीटीआई के निदेशक साकिथी मिथाइल ने एक में कहा, मंत्रिमंडल की संस्था समिति ने अपने मूल कैडर में समय से पहले ही अपने मूल कैडर से अलग हुए प्रभाव को वापस ले लिया है। 1989 बैक के केरल कैडर के अधिकारी अग्रवाल ने पिछले साल जून में मित्र प्रमुखों के पद पर कब्जा कर लिया था। वे 2026 में रिटायर होने वाले हैं। अग्रवाल को हटाने का निर्णय कुछ दिन पहले लिया गया था और गृह मंत्रालय ने 30 जुलाई को संबंधित विभाग को प्रस्ताव पत्र भेजा

था। 1990 बाल के ओडिशा कैडर के अधिकारी खुरानिया पाकिस्तान सीमा पर गठन का नेतृत्व कर रहे थे। आदेश में कहा गया है, मंत्रिमंडल की समिति ने कुछ समय पहले ही खुरानिया को अपने मूल कैडर से प्रभावित कर दिया था और गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। उत्सव प्रस्ताव एक सूत्र में बताया गया है कि ओडिशा सरकार राज्य के नए पुलिस महानिदेशकों के पद के लिए खुरानिया के नाम पर विचार कर रही है। पिछले कोटा केंद्र ने जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ओडिशा से 2,000 से अधिक कैथेड्रल वाली दो संयुक्त बटालियनों को फिर से ऑर्डर दिया था। एक सूत्र में बताया गया है, ÷समुद्र तटीय क्षेत्र में, विशेष रूप से सुरंगों के आस-पास, अतिक्रमण को प्रतिबंधित करने के लिए, माइक्रोस्ट्रक्चर को संतुलित करने के लिए यह फ़ैसला लिया गया था। इन दोनों इकाइयों के गुटों को सांबा और जम्मू-पंजाब सीमा के अलग-अलग हिस्सों में विभाजित किया गया था। जाने की उम्मीद है।भारत के पश्चिमी हिस्सों में जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से लगी करीब 2,290 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा है। जम्मू क्षेत्र सीमा पार सुरंगों के खिलाफ़ संदेश दिए जाते हैं और इसके जंगलों और पहाड़ी इलाक़ों में आम लोगों और सुरक्षा पर हमले करने के लिए आदर्श स्थान बनाए जाते हैं।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाने पर यूट्यूबर गिरफ्तार, कभी पत्थर, सिलेंडर-मुर्गा रखकर बनाता था वीडियो

एजेंसी
नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ करके यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ट्विटर पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को रेलवे ट्रैक पर विभिन्न प्रकार की वस्तुयें रखते हुये दिखाया गया था, जिसके बाद तत्काल जांच की गयी। आरोपी, गुलजार शेख ने अपने यूट्यूब चैनल पर 250 से अधिक वीडियो अपलोड किये हैं और उसके दो लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उसकी ऑन-कैमरा गतिविधियों ने रेलवे सुरक्षा और संचालन दोनों के लिये एक बड़ा खतरा पैदा किया। गुलजार की यूट्यूब प्रोफाइल और सोशल मीडिया उपस्थिति के विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से उत्तर रेलवे के आरपीएफ ऊंचाहार ने गुरुवार को रेलवे अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज किया। आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने कल उसे उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले में सोरावं क्षेत्र के खांडरौली गांव से गिरफ्तार किया है।

आरपीएफ महानिदेशक ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिये आरपीएफ, लखनऊ मंडल की सराहना करते हुये कहा कि गुलजार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भारतीय रेलवे की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के लिये एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेगी। उन्होंने रेलवे सुरक्षा के महत्व को दोहराया और जनता को आश्वासन दिया कि रेलवे की सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ संकल्प और सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामना किया जायेगा और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों पर अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिये मुकदमा चलाया जायेगा। आरपीएफ महानिदेशक ने जनता से ऐसी गतिविधियों में शामिल न होने और रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कृत्य के बारे में सूचित करने की भी अपील की। इस प्रकार की सूचना रेलवे सुरक्षा बल या रेल मदद को टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से दी जा सकती है।

हरियाणा में जल्द होंगे सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव

नियम पूरे होने पर असंध को बनेगा जिलाः नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वोटरलिस्ट में अधिक से अधिक नाम दर्ज करवाएं। प्रदेश सरकार ने पहले नाम दर्ज करवाने के लिए ली जाने वाली एक सौ रुपये की फीस को अब खत्म कर दिया है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राज्य में वोट बनवाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर कोई कानूनी अड़चन नहीं आई तो हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक

कमेटी के चुनाव शीघ्र ही करवाए जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने असंध को जिला बनाने का भी आश्वासन देते हुए कहा कि इसके लिए मंत्रिमण्डल की एक सब-कमेटी गठित की गई है। नियम पूरे होंगे तो असंध को जिला बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर पर सरदार जगदीश सिंह झींडा के नेतृत्व में आए सिख समाज के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। सैनी ने कहा कि हम अपने गुरु साहिबान की शिक्षाओं को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए कृत-संकल्प हैं। उनकी स्मृतियों को सहेजने के लिए जितना काम किया जाए, कम है।

हमारे गुरु साहिबान ने सदभाव, सहनशीलता, भाईचारे और आपसी प्रेम का जो रास्ता दिखलाया है, हम उसे अपने जीवन में उतारें। यही मानव कल्याण का मूल मंत्र है और गुरुओं के प्रति यही हमारी सच्ची श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि गुरुओं के आशीर्वाद से ही आज वे इस मुकाम पर पहुंचे हैं। इस अवसर पर सिख समाज के लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को मांग पत्र भी सौंपा गया।

दोपहर को हुई बारिश ने किसानों को किया खुश

जींद। जिले में हुई बारिश का दौर दोपहर को भी जारी रहा। हालांकि बारिश कुछ समय के लिए हुई लेकिन उमस से लोगों को निजात मिली और हवा की ठंडी बयार बहने लगी। बारिश्या ने किसानों की काफी हद तक पानी की पूर्ति को पूरा कर दिया है। जिसने फसलों को संजीवनी देने का कार्य किया है। साथ ही लोगो को गर्मी तथा उमस से निजात दिलाने का काम भी किया है।

अधिकतम तापमान 32 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 79 प्रतिशत तथा हवा की गति 10 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार चार अगस्त तक आकाश मे बादल छाए रहने तथा बारिश की संभावना है। मानसून सीजन में बारिश कम होने के कारण किसान परेशान थे तो गर्मी तथा उमस के कारण लोगो भी बेहाल थे। दोपहर अचानक से मौसम ने करवट ली और हलकी बूंदाबांदी के साथ बारिश शुरू हो गई। तापमान भी लुढ़क कर 32 डिग्री पर आ गया। बारिश से किसानों की बांछे खिल उठी हैं। काफी हद तक खेतों में पानी की पूर्ति भी कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार चार अगस्त तक बारिश की संभावना है। बारिश पूरे जिले में एक साथ न हो कर बिखराव मे होने की संभावना है। तापमान में भी इजाफा होगा। आकाश में बादलवाई बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 27 से 29 डिग्री के बीच बनी रहने की संभावना है। हवा की गति आठ से दस किलो मीटर प्रति घटा बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि कुछ इलाकों में अच्छी बारिश हुई है।

साढ़े तीन करोड़ से बन रहे मल्टी पर्पज हॉल का 90 प्रतिशत काम पूरा

एजेंसी

जींद। उचाना हलके के डूमरखा गांव में 3.5 करोड़ रुपये की लागत से 175 फीट लंबा एवं 100 फीट चौड़ा निर्माणाधीन मल्टी पर्पज हॉल का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पंचायत विभाग द्वारा बनाए जा रहे इस हॉल में वूडन फ्लोर के ऊपर सिंथेटिक सरफेस होगा। इसमें फ्लड लाइट लगाई जाएंगी जिसमें रात को भी दूधिया रोशनी में मैच खेले जाएंगे। लगभग 1000 दर्शकों के बैठने की भी व्यवस्था होगी। इस मल्टी पर्पज हॉल में कुश्ती, बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक, कबड्डी, वॉलीबाल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल , बैडमिंटन और टेबल टेनिस जैसे खेलों की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं का आयोजन हो सकेगा। डूमरखा कलां के साथ साथ डूमरखा खुर्द, घसो कलां, घसो खुर्द, काब्रच्छा, सुदकैन, तारखा, खेड़ी सफा, पालवां, खेड़ी मंसानिया, झील और ढाकल जैसे दर्जन भर से ज्यादा गांव के खिलाडिय़ों के लिए यहां आकर उपरोक्त खेलों का अभ्यास करने की सुविधाए हासिल होगी। हॉल का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चूका है जिसके निर्माण में पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह द्वारा बार बार औचक निरीक्षण करते है। बहुत सी कमियों को दूर करके और अधिकारियों के लेवल पर निर्माण कार्यों में होने वाली रुकावटों को दूर करवा कर पूरी रूचि के साथ इसके निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

थानेसर से 4 अगस्त को होगा भाजपा की रैलियों का शंखनाद

सोनीपत। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी राज्य में विधानसभा स्तर की रैलियों का शंखनाद 4 अगस्त से कुरुक्षेत्र के थानेसर से करेगी। इसके बाद से सभी नेताओं को प्रत्येक जिले में प्रवास कार्यक्रम शुरू होगा। यह नेता भाजपा की गरीब कल्याण योजनाओं को अपने क्षेत्रों की जनता तक पहुंचाएंगे। यह जानकारी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राई से विधायक मोहन लाल बड़ौली ने दी है। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 4 अगस्त की रैली के पश्चात वे स्वयं और सभी नेता प्रत्येक जिले व विधानसभा क्षेत्र में प्रवास पर निकलेंगे। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। प्रदेश में आम जनता के लिए किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य किए हैं। वे इन्हीं गरीब कल्याण की योजनाओं को लेकर आम जनता के बीच जाएंगे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए बडौली ने कहा कि कांग्रेस का चाल, चरित्र और चेहरा अब सबके सामने है। संसद में अग्निवीर को लेकर झूठ बोला गया और लोकसभाचुनाव के दौरान संविधान को खत्म करने का झूठ फैलाया गया। प्रदेश की जनता सब कुछ समझ चुकी है और आगामी चुनाव में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

'आप्रेशन स्माइल' के तहत भीख मांगते 147 बच्चों का किया रेस्क्यू

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'आप्रेशन स्माइल' के जिले में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले है, इस अभियान के तहत जुलाई माह में पुलिस की टीमों ने भीख मांगते हुए 147 बच्चों को रेस्क्यू किया वहीं 103 गुमशुदा पुरुष, महिला व बच्चों को तलाश करके परिजनों से मिलाया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के दौरान अपराध शाखा कैट ने भीख मांगने वाले 147 बच्चो को रेस्क्यू कर बच्चो व उनके परिजनों के सीडब्ल्यूसी के समक्ष कथन दर्ज कराए। सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन ने परिजनों को अपने बच्चो की पढ़ाई कराने के लिए प्ररित किया। अधिकतर बच्चो की उम्र 5 साल से 15 साल तक थी। इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने गुमशुदा हुए 50 नाबालिक बच्चो व 53 महिला/पुरुष को तलाश किया, साथ ही 18 ऐसे बच्चे जो अनाथ आश्रम व बाल गृह में रह रहे थे उनके परिजनों की तलाश करके हवाले किया है। अभियान के दौरान थाना सेक्टर-8 की टीम ने एक मकान में बच्ची से काम करवाने पर मकान मालिक के विरुद्ध नियमानुसार जेजे एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत करके बच्ची को सीडब्ल्यूसी के आदेश पर चाइल्ड केयर इंस्टीच्यूट सेक्टर-88 में छोड़ा गया।

कॉलेजों में प्राध्यापक तक नहीं, आखिर कैसे होगी पढ़ाई : सैलजा कुमारी

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में कॉलेजों का नया सत्र शुरू हो चुका है पर विडंबना ये है कि कॉलेजों में प्राध्यापक तक नहीं है ऐसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई कैसे होगी ऊपर से कहा जा रहा है कि नई शिक्षा नीति तहत शिक्षण कार्य होता क्या नई शिक्षा नीति में बिना प्राध्यापकों के शिक्षण कार्य होता है। सरकार हर बार झूठ बोलती है, पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय तक सरकार को निर्देश दे चुका है। ऐसा लग रहा है कि प्रदेश सरकार ने युवाओं के भविष्य से खेलने का पूरा मन बनाया हुआ है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश सरकार शिक्षा खासकर महिला शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं है, शिक्षा को लेकर सरकार की ओर से की गई घोषणाएं हवाई साबित हो रही है। सरकार बार बार घोषणा करती आ रही है कि महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर बीस किलो मीटर पर एक महिला महाविद्यालय खोला जाएगा पर ऐसा हो न सका। आज भी महिला कॉलेज खोलने के लिए लोगों द्वारा मांग की जाती है पर सरकार किसी न किसी बहाने से टाल रही है।

स्पीकर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पंचकूला की मतदाता सूचियों में गड़बड़ियां के सबूत सौंपे

एजेंसी

चंडीगढ़। पंचकूला की मतदाता सूचियों में खामियों के मुद्दे को लेकर विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल से मिले। इस दौरान विस अध्यक्ष ने 27 जुलाई को केन्द्रीय निर्वाचन आयुक्त को लिखे गए पत्र की प्रति और मतदाता सूचियों की त्रुटियां दर्शाने वाले सर्वे दस्तावेज सुपुर्द किए किए। इस दौरान उन्होंने इन त्रुटियों को लेकर विस्तार से बात भी की।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में मृतकों और निर्वाचन क्षेत्र छोड़कर जा चुके व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। कुछ मतदाताओं के वोट एक से अधिक स्थानों पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश जारी कर मतदाता सूचियों को अपडेट करवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सूचियों में जिस प्रकार की गड़बडियां हैं, उससे लगता है कि ये किसी षड्यंत्र का भी हिस्सा हो सकती है। स्पीकर गुप्ता ने कहा कि चंडी मंदिर छावनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए करीब 6 किलोमीटर दूर सेक्टर 6 स्थित स्कूल में मतदान

केंद्र स्थापित किया गया। इस दूरी के कारण लोकसभा चुनाव में यहां मात्र 11 फीसदी मतदान हुआ था। इस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि चंडी मंदिर छावनी में अलग से मतदान केंद्र स्थापित कर दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित बूथ नंबर 48 में कुल 1376 मतदाताओं में से 38 मृत पाए गए और 257 मतदाता पड़ोसी राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। सर्वे में पाया गया है कि जो मतदाता पड़ोसी राज्यों में स्थानांतरित हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने भी पंचकूला में वोट डाला है। उन्होंने आशंका जताई कि हरियाणा विधानसभा के आगामी चुनावों में दूसरे राज्यों के मतदाता परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। विस अध्यक्ष ने कहा कि पंचकूला के सीमावर्ती इलाकों में स्थित लेबर कॉलोनियों में डबल वोट हैं। इसलिए मतदाता सूचियों को अपडेट करने की जरूरत है। इसके लिए संबंधित बीएलओ को सख्त निर्देश जारी करने होंगे।

चार हजार वर्ग गज में बनेगा फूड हब, शहरवासियों को मिलेगा साफ-सुथरा खाना : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल नेतृत्व में हरियाणा सरकार नागरिकों को उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा प्रदेश के साथ हिसार शहर की प्रगति बेमिसाल है। शहर के सौंदर्यकरण के लिए नगर निगम की ओर से निरंतर बेहतरीन प्रयास किया जा रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता क्लॉथ मार्केट में चार हजार वर्ग गज में बनने वाले स्ट्रीट फूड हब का शिलान्यास करने के पश्चात मधुबन पार्क के समीप कैटल कैचर मशीन, इलेक्ट्रिक स्काई लिफ्टिंग मशीन व ट्री-ट्रीमिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर शहर में रवाना करते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि 22.60 लाख रुपये की लागत वाली इलेक्ट्रिक स्काई लिफ्टिंग मशीन स्ट्रीट लाइट ठीक करने व बिजली के तारों को ऊंचा नीचा करने के कार्य में तेजी आएगी। इस अवसर पर 33.60 लाख रुपये की लागत वाली ट्री-ट्रीमिंग मशीन जिसे शक्तिमान नाम दिया गया है व

93 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई 2 वाटर स्मोग मशीन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फूड हब का शिलान्यास करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर के लिए यह फूड हब बनेगा, जिसमें खाने-पीने के अलावा फल व सब्जियां मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह फूड हब चार हजार वर्ग गज में बनेगा, जिसमें धूप व बरसात से बचने के लिए शेड बनाया जाएगा व फर्श पर इंटरलॉकिंग प्योर ब्लॉक लगाए जाएंगे। इस फूड हब में स्ट्रीट वेंडर्स के साथ-साथ यहां आने वाले लोगों के लिए भी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। स्ट्रीट वेंडर्स के लिए बिजली व पानी की सुविधा दी जाएगी।

वहीं यहां आने वाले लोगों के लिए बैठने के लिए जगह भी मुहैया करवाई जाएगी। फूड हब को सेक्टर 14 कमर्शियल पॉकेट की पार्किंग से जोड़ा जाएगा, जिससे खरीददारों को वाहन पार्किंग करने में सुविधा मिलेगी।

सीएम फ्लाइंग का श्रम विभाग में छापा, मिली अनेक अनियमिताएं

एजेंसी

हिसार। जिले के श्रम विभाग कार्यालय में सीएम फ्लाइंग को अनेक अनियमितताएं मिली है। सीएम फ्लाइंग ने छापा मारकर जब हाजिरी रजिस्टर चैक किया तो कई कर्मचारियों के अलावा दो अधिकारी भी नदारद मिले। कार्यालय से बताया ?गया कि यहां पर कोई मूवमेंट रजिस्टर भी नहीं लगाया हुआ है, जिससे पता चल सके कि अधिकारी किस काम से गया है।

सीएम फ्लाइंग ने श्रम विभाग व इससे जुड़े कार्यालयों में छापामारी की। सीएम फ्लाइंग को सूचनाएं मिल रही थी कि यहां पर कर्मचारी व अधिकारी टाइम पर नहीं आते। इस पर सीएम फ्लाइंग टीम ने शुक्रवार सुबह 9.30 बजे निरीक्षक रिछपाल व उप निरीक्षक चन्द्रभान के नेतृत्व में श्रम विभाग कार्यालय में छापा मारा।

सीएम फ्लाइंग टीम जब उप श्रम आयुक्त कार्यालय में पहुंची तो वहां सहायक नरेश कुमारी हाजिर मिली। उनकी मौजूदगी में हाजिरी रजिस्टर चैक किया गया तो कुल सात अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति पाई गई। इनमें से रीडर बलजीत व लिपिक जोगीराम अनुपस्थित पाए गए। उप श्रम आयुक्त दिनेश कुमार भी अपने कार्यालय में हाजिर नहीं थे। जब सहायक से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वे अपने निजी कार्य से चंडीगढ़ गए हैं। इस पर टीम ने उनसे मूवमेंट रजिस्टर बारे पूछा तो उन्होंने बताया कि कार्यालय में कोई मूवमेंट रजिस्टर नहीं लगाया गया है।

सीएम फ्लाइंग टीम ने कार्यालय सहायक निदेशक औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य केन्द्र में सहायक अनिता की मौजूदगी में हाजिरी रजिस्टर चैक किया तो इस कार्यालय में अधिकारी सहित कुल पांच नियुक्तियां पाई गई।

जांच में लिपिक विरेन्द्र सिंह व लैब अटेंडेंट मोहित गैर हाजिर पाए गए। कार्यालय सहायक श्रम आयुक्त में छापे के दौरान लैबर इंस्पेक्टर विनोद कुमार हाजिर मिले। उनकी मौजूदगी में हाजिरी रजिस्टर चैक किया गया तो यहां पर लिपिक ईश्वर सिंह व आशुलिपिक मुकेश कुमार गैर हाजिर पाए गए

नगर निगम ने मॉडल टाउन स्थित प्रतिष्ठान को किया सील

हिसार। नगर निगम की टीम ने मॉडल टाउन स्थित एक प्रतिष्ठान पर सीलिंग की कार्रवाई की। इस प्रतिष्ठान ने नगर निगम कार्यालय से बिना नक्शा पास करवाये भू-तल व प्रथम तल पर अवैध निर्माण किया हुआ था।

एमई संदीप बैनीवाल ने बताया कि निगमायुक्त प्रदीप दहिया के आदेशानुसार यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठान ने नगर निगम कार्यालय से बिना नक्शा पास करवाये भू-तल व प्रथम तल पर अवैध निर्माण किया हुआ था जो हरियाणा बिल्डिंग कोड 2017 व हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की अवेलहना है। इसके लिए नोटिस जारी कर निर्माण को अपने स्तर पर हटाने व 7 दिन के अंदर-अंदर नगर निगम कार्यालय में हाजिर होकर स्थिति स्पष्ट करनी थी। नोटिस की समय अवधि के पश्चात नगर निगम की टीम ने मॉडल टाउन स्थित प्रतिष्ठान पर पहुंचकर सीलिंग की कार्रवाई की। सीलिंग के

दौरान जेई प्रवीन चौहान, जेई कुशल, जेई कुलदीप, जेई मंयक, जेई नितिश, तहबाजारी टीम में जितेन्द्र छाबड़ा, राजेन्द्र बेलदार, दिनेश डीईओ, नितिश, जितेन्द्र लिपिक आदि मौके पर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते का छापा, कई कर्मचारी मिले नदारद

एजेंसी

झज्जर। सीएम फ्लाइंग की टीम द्वारा बहादुरगढ़ स्थित श्रम विभाग के कार्यालय में छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान दो कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए। साथ ही अलग-अलग मामलों की 205 फाइलें लंबित पाई गई। इसकी रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेज दी गई। गैर हाजिर दोनों कर्मचारियों ाके नोटिस देकर स्पष्टीकरण लिया जाएगा।

सीएम फ्लाइंग के अधिकारी रामनिवास के नेतृत्व में एक टीम एसआई सहदेव आदि के नेतृत्व में सुबह 10 बजे श्रम विभाग के कार्यालय में पहुंची और छापामार कार्रवाई शुरू की। करीब ढाई घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान विभाग के कार्यालय में मौजूद सभी कर्मचारियों की हाजिरी ली गई और फाइलों की भी जांच की गई। साथ ही श्रम विभाग में आने वाली शिकायतों व यहां की अदालत में आने वाले केसों के बारे में पूरी छानबीन की गई। हाजिरी रजिस्टर की जांच के बाद पाया कि बहादुरगढ़ कार्यालय में कुल 11 अधिकारी व कर्मचारी हैं। इनमें आठ हाजिर मिले और एक छुट्टी पर मिला।

दो कर्मचारी गैर हाजिर मिले। इसकी रिपोर्ट बनाकर तुरंत उच्चाधिकारियों को भेजी गई। दोनों कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। साथ ही कामगारों से संबंधित शिकायतों की भी जांच की गई। कामगारों के साथ-साथ उनके परिवार के कल्याण को लेकर चलाई गई विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की भी सीएम फ्लाइंग ने जानकारी ली। कामबारों के लिए औजारों की खरीद से संबंधित रिकार्ड की भी जांच की गई। जांच के दौरान पाया कि श्रमिकों से संबंधित 392 शिकायत आई थीं। 292 का समझौता हो गया। 52 शिकायतों में क्लेम केस का सुझाव दिया गया है। 47 शिकातयें अब तक लंबित हैं। कोर्ट में इनकी तारीख लग रही है। लेबर कोर्ट में वेतन अदायगी के 110 केस दर्ज हुए। 35 का निपटारा हो गया। 75 केस अब भी लंबित हैं। ग्रेच्युटी के 74 केस थे। 40 का निपटारा हो गया। 34 केस अब भी लंबित हैं। श्रमिक मुआवजा अधिनियम के तहत 76 केस थे। 27 का निपटारा हो गया। 49 अब लंबित मिले।

सेवानिवृत्त अधीक्षक अभियंता को लगाई 4.5 करोड़ की चपत

एजेंसी

फरीदाबाद। सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षक अभियंता से साइबर ठगों ने चार करोड़, 59 लाख, 59 हजार रुपये प्रॉपर्टी में लगाने के नाम पर ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जाननकारी के अनुसार नगर के सेक्टर 64 में रहने वाले यशपाल तंवर हाल ही में अधीक्षक अभियंता सेवानिवृत्त हुए थे।

उन्होंने पुलिस आयुक्त को दी शिकायत में बताया कि सेवानिवृत्त होने के बाद से उनके पास में बीमा सलाहकार, प्रॉपर्टी डीलर, इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंट के फोन आने शुरू हो गए। उन्होंने बताया कि इसी बीच आदर्श नगर पलवल के रहने वाले मनीष का उनके पास फोन आया और बताया कि वह एक उद्योग में वैज्ञानिक हैं। फिलहाल वह एक सीक्रेट मिशन पर एनएसए अजीत डोभाल के साथ काम कर रहे हैं और उनकी जान को खतरा होता है। इसके बदले सरकार उन्हें सब्सिडाइज रेट पर प्रॉपर्टी देती है। सरकार की ओर से उन्हें कई जगह पर फॉर्म हाउस, मॉल में दुकान, बांग्ला प्लाट किए हुए हैं। तंवर के अनुसार वह जिस सीट पर है, यहां पर पांच से सात करोड़ रुपये के टेंडर आते हैं। मनीष ने विश्वास दिलाने के लिए अपनी पत्नी कमलेश, सोनम व आशीष से भी बात कराई। इसके बाद

प्रॉपर्टी में पैसा लगवाने के नाम पर उन्होंने अलग-अलग तारीखों में बैंक खातों में आरटीजीएस व नगद लेकर चार करोड़ 59 लाख 59 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस आयुक्त ने यशपाल तंवर की शिकायत पर बल्लभगढ़ साइबर थाना पुलिस को आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

नामदेव महाराज के नाम पर होगा एक सरकारी संस्थान का नामः नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि नामदेव की जयंती के अवसर पर ऐलान किया है कि प्रदेश में किसी एक सरकारी संस्थान का नाम नामदेव महाराज के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव ने अपना पूरा जीवन समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में लगा दिया। उनका सम्पूर्ण जीवन मानव जाति के कल्याण को समर्पित रहा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संत कबीर कुटीर पर आयोजित संत नामदेव जयंती के मौके पर पूरे प्रदेश से आए नामदेव समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नामदेव समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे प्रदेश के हर समाज और हर वर्ग के लिए 24 घंटे खुले हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर संत नामदेव समाज के लोगों द्वारा रखी गई एक दर्जन से अधिक मांगों को भी जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया और कहा कि वह इस पगड़ी के सम्मान को कभी कम

नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा में नौकरियों में पिछड़े वर्गों के आरक्षण में क्रीमीलेयर की वार्षिक आय सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये वार्षिक कर दी गई है। इसके अलावा, नौकरियों में पिछड़ा वर्ग-ए और बी के बैकलॉग को प्राथमिकता के आधार पर भरने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने दस साल के कार्यकाल में जितना लाभ ओबीसी वर्ग को दिया गया है, उतना पूर्व की सरकार ने कभी भी नहीं दिया। प्रदेश सरकार ने दस साल के कार्यकाल में ओबीसी वर्ग को पूरा मान-सम्मान देते हुए सभी वर्गों के लिए अनेक कल्याणकारी फैसले लिए हैं।

इस मौके पर हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कर्णदेव कंबोज, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, उत्तर प्रदेश पिछड़ा आयोग के सदस्य राधेश्याम और कार्यक्रम के आयोजक सतबीर वर्मा मौजूद रहे।

गूगल से कोई भी हेल्पलाइन नंबर लेने पर हो सकती ठगी, रहें सावधान : दीपक सहारन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कहा है कि गूगल से नंबर निकालना लोगों को मुसीबत में डाल रहा है। कई लोग गूगल पर हेल्पलाइन नंबर सर्च करने के बाद ठगी का शिकार हो रहे है। इसलिए लोगों को सतर्कता बरतने की जरूरत है।

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कहा कि धोखेबाजों ने गूगल सर्च इंजन पर योग शिविर, रेस्टोरेंट, अस्पताल व कई कपंनियों के फर्जी नंबर रजिस्टर्ड किए हैं। गूगल पर ज्यादातर नंबर कंपनी के नहीं, बल्कि धोखेबाजों के होते हैं। वे गूगल पर जाकर बड़ी कंपनियों के कस्टमर केयर की जगह अपना नंबर कंपनी के नाम से पोस्ट कर रहे हैं। इस तरह से नंबर और पता गूगल बिजनेस अकाउंट के जरिए गूगल पर लिस्ट किया जा रहा है। साइबर ठग लोगों को झांसा देने के लिए

उस कंपनी से मिलती जुलती फेक वेबसाइट भी बना रहे हैं। इसके अलावा गूगल मैप और गूगल सर्च में बड़ी कंपनियों और अन्य संस्थानों के कांटेक्ट डिटेल्स को एडिट कर फर्जी नंबर अपडेट कर देते हैं।

एसपी ने बताया कि हाल ही में थाना साइबर हिसार में सीमेंट भेजने के लिए ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर 4 लाख 12 हजार 500 रुपए की धोखाधड़ी का मामला आया है। इसमें पीड़ित ने गूगल पर सीमेंट की डिलिवरी के लिए सीमित डिस्ट्रीब्यूटर का नंबर सर्च किया था। इस पर पीड़ित को एक नंबर मिला, पीड़ित ने उस नंबर पर कॉल कर सीमेंट के ऑर्डर के बारे में बात की। इसके उपरांत पीड़ित के पास श्री सीमेंट के कर्मचारी के नाम से फोन आया और 1500 बैग सीमेंट भेजने के नाम से 4 लाख 12 हजार 500 रुपए ट्रांसफर करवाए। पैसे ट्रांसफर के बाद पीड़ित द्वारा उनसे दोबारा संपर्क करने पर उन्होंने फोन नही उठाया और न ही सीमेंट भेजी और न ही पैसे वापस किए। पुलिस ने शिकायत पर अभियोग अंकित कर कार्रवाई शुरू की है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

खाद्य उत्पादों में नमक, चीनी की जानकारी देने के एफएसएसएआई के फैसले का स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर नमक, चीनी, वसा के बारे में मोटे अक्षरों में जानकारी देने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए एफएसएसएआई का स्वागत किया। एसजेएम ने कहा कि इससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर और अन्य बीमारियों में काफी कमी आएगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाल में पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर पोषण संबंधी जानकारी देने के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है। इसमें खाद्य उत्पादों के पैकेट पर नमक, चीनी और संतृप्त वसा की मात्रा की बड़े और मोटे अक्षरों में जानकारी देने की बात कही गई है। एसजेएम के राष्ट्रीय सह-संयोजक अश्विनी महाजन ने एक बयान में कहा कि लोगों में पैकेट वाले खाद्य पदार्थों, खासकर अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद की हानिकारक सामग्री के बारे में जागरूकता की कमी है। ऐसे में लोग अनजाने में ही इन हानिकारक खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे हैं।

श्रीलंका :सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी पवन ऊर्जा परियोजना मामले में सुनवाई की तारीख तय की

नई दिल्ली। श्रीलंका के उच्चतम न्यायालय ने मन्नार के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में भारतीय के अदाणी समूह की ओर ली गई पवन ऊर्जा संयंत्र के खिलाफ दायर पांच मौलिक अधिकार याचिकाओं की सुनवाई के लिए 14 अक्टूबर की तारीख तय की। शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने यहां प्रतिवादियों को 13 सितंबर से पहले आपत्तियां दाखिल करने का आदेश दिया। पर्यावरण गैर सरकारी संगठनों ने यह दावा करते हुए याचिका दायर की थी कि परियोजना जैव विविधता को खतरे में डालती है और प्रवासी पक्षियों के लिए खतरा पैदा करती है। वाइल्डलाइफ एंड नेचर प्रोटेक्शन सोसाइटी ने यह मामला दायर किया, जिसमें सरकार, निवेश बोर्ड और केंद्रीय पर्यावरण प्राधिकरण को उत्तरदाताओं के रूप में नामित किया गया है।

एआई के जरिये आईपीओ को तेजी से मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली। सेबी आईपीओ प्रक्रिया में तेजी लाने के लिएआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करेगा।सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा, राइट्स और प्रेफरेंशियल इश्यू सहित आईपीओ प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। इससे मंजूरी की समयसीमा 42 दिन से घटकर 23 दिन रह जाएगी। सेबी एक टेंपलेट आईपीओ डॉक्यूमेंट पर भी काम कर रहा है। इससे आईपीओ का मसौदा आसान होगा।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.47 अरब डॉलर घटा

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.47 अरब डॉलर घटकर 667.38 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा संपत्ति 1.17 अरब डॉलर घटकर 586.87 अरब डॉलर रह गई। देश का स्वर्ण भंडार भी 2.29 अरब डॉलर कम होकर 57.7 अरब डॉलर रहा।

एनसीएलएटी ने बीसीसीआई के साथ बायजू के समझौते को मंजूरी दी, दिवालिया कार्यवाही निरस्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने वित्तीय संकट में फंसी शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू को बड़ी राहत देते हुए उसके खिलाफ दिवालालिया कार्यवाही को निरस्त कर दिया। एनसीएलएटी ने बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इसमें बायजू का संचालन करने वाली कंपनी 'थिंक एंड लर्न' के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 158.9 करोड़ रुपये की रकम चुकाने में चूक पर थिंक एंड लर्न के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का दरवाजा खटखटाया था। यह अपील दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत की गई थी। एनसीएलटी ने इस मामले में थिंक एंड लर्न के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का आदेश दे दिया था। इसे अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती दी गई थी। हालांकि, बीसीसीआई ने मंगलवार को एनसीएलएटी के समक्ष बायजू के साथ विवाद में सुनवाई को टालने का अनुरोध किया था और संकेत दिए थे कि दोनों पक्षों के बीच सुलह के लिए बातचीत जारी है। एनसीएलएटी की दो-सदस्यीय चेन्नई पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'दाखिल हलफनामे को ध्यान में रखते हुए पक्षों के बीच समझौता स्वीकृत किया जाता है। इसके साथ ही एनसीएलटी द्वारा पारित आदेश को रद्द किया जाता है।' हालांकि अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह चेतावनी दी कि भुगतान करने में कोई भी विफलता बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को दोबारा शुरू कर देगी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने बायजू के अमेरिका स्थिति ऋणदाताओं के राउंड-ट्रिपिंग के आरोप को भी खारिज कर दिया और कहा कि वे इसके लिए कोई सबूत देने में विफल रहे।

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 886 अंक लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले पांच सत्रों से जारी का सिलसिला तेजी हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन थम गया। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के दवाब में शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 885.59 अंक यानी 1.08 फीसदी की गिरावट के साथ 80,981.95 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 293.20 अंक यानी 1.17 अंक फिसलकर 24,717.70 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई के सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से मारुति

सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंफोसिस के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मास्यूटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले इंडिया और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में शामिल चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स एक दिन पहले 126.21 अंक उछलकर 81,867.55 अंक के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर और एनएसई का निफ्टी 59.75 अंक चढ़कर 25,010.90 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ था।

आईडीबीआई बैंक के सीईओ ने वित्त मंत्री को सौंपा 733.48 करोड़ रुपये का लाभांश चेक

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय औद्योगिक विकास (आईडीबीआई) बैंक ने यहां केंद्रीय

वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 733.48 करोड़ रुपये के लाभांश का चेक सौंपा।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण ने आईडीबीआई बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश शर्मा से बीते वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 733.48 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त किया है। इस अवसर पर बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि आईडीबीआई देश के एक सार्वजनिक क्षेत्र का प्रमुख बैंक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस को बैंक 'अन्य क्षेत्र के बैंक' की श्रेणी में रखा है।

वित्त मंत्री 10 अगस्त को आरबीआई निदेशक मंडल को करेंगी संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 10 अगस्त को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी। इस दौरान वह वित्त वर्ष 2024-25 के बजट से जुड़े अहम बिंदुओं पर रोशनी डालेंगी। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय बजट पेश होने के बाद होने वाली यह बैठक 10 अगस्त को निर्धारित की गई है। बैठक में वित्त मंत्री रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल में शामिल सदस्यों को संबोधित करेंगी। इस दौरान सीतारमण राजकोषीय सशक्तीकरण के अलावा केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई अन्य घोषणाओं पर भी चर्चा करेंगी। ये परंपरा रही है कि वित्त मंत्री बजट पेश होने के बाद आरबीआई निदेशक मंडल को संबोधित करते हैं। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में 23 जुलाई को चालू वित्त वर्ष का केंद्रीय बजट को पेश करते हुए कहा कि 2024-25 के लिए

उधारी के अलावा कुल प्राप्तियां 32.07 लाख करोड़ रुपये और कुल व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान बताया है। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा था कि कुल शुद्ध कर प्राप्तियां 25.83 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.9 फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रतिभूतियों के माध्यम से सकल बाजार उधारी 14.01 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध बाजार उधारी 11.63 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है।

'विकास दर के मामले में कोई हमारी बराबरी नहीं कर रहा'

नई दिल्ली। विकसित भारत के लिए अर्थव्यवस्था, वास्तविक अर्थव्यवस्था, वित्तीय अर्थव्यवस्था और बाजार एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। बुच ने कहा कि अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चालक वह तरीका है जिसमें हमारी पूरी बाजार प्रणाली एक अच्छी तरह से संतुलित और प्रगतिशील तरीके से कार्य करती है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि वैश्विक तालिकाओं में हम अग्रणी हैं। भारत दुनिया में आईपीओ जारी करने की कुल संख्या के मामले में नंबर एक पर है। यह लगभग हर ट्रेडिंग सत्र में जारी हो रहा है। पूंजी जुटाने और स्टॉक एक्सचेंजों की राशि के मामले में, हम नंबर 5 पर हैं।

कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल के मूल्य में कुछ इजाफा हुआ है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है।

इस समय ब्रेंड क्रूड 0.65 डॉलर यानी 0.82 फीसदी की उछाल के साथ 80.17 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.66 डॉलर यानी 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ 76.97 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, आज दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल

103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

लगातार तीसरे महीने 20 लाख करोड़ रुपये के पार यूपीआई से लेनदेन

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से भुगतान में 45 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। लेनदेन के मूल्य में भी 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई और यह कुल 20 लाख 64 हजार करोड़ रुपये रही। लगातार तीसरे महीने में यूपीआई से कुल लेनदेन 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। जून 2024 में कुल यूपीआई लेनदेन मूल्य 20.07 लाख करोड़ रुपये था, जबकि मई में यह 20.44 लाख करोड़ रुपये था। एनपीसीआई के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि जुलाई 2024 में यूपीआई के जरिए हर दिन औसतन 44.6 करोड़ लेनदेन (लगभग 66,590 करोड़ रुपये) किए गए। जून की तुलना में जुलाई में यूपीआई लेनदेन में 3.95 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

सरकार ने पैकेज्ड कमोडिटीज में प्रस्तावित संशोधन पर टिप्पणियां जमा करने की तारीख 30 अगस्त बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के नियम 3 में प्रस्तावित संशोधन पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने की समय-

सीमा बढ़ा दी है। पहले इसको प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 29 जुलाई थी, जिसे अब 30 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि प्रस्तावित संशोधन में किसी भी मात्रा में पैक वस्तुओं के निर्माताओं, पैकर्स और आयातकर्ताओं के बीच खुदरा बिक्री के लिए पैक की गई वस्तुओं की घोषणा करने के लिए स्पष्टता लाने की बात कही गई है। संशोधन में उपभोक्ताओं के हित में सभी पूर्व-पैकेज्ड कमोडिटीज पर निर्माता, पैकर, आयातकर्ता का नाम और पता, उत्पत्ति का देश, कमोडिटी का सामान्य या जेनेरिक नाम, शुद्ध मात्रा, निर्माण का महीना और वर्ष, एमआरपी, यूनिट बिक्री मूल्य, कमोडिटी के मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त होने की स्थिति में उपयोग की तिथि, उपभोक्ता देखभाल विवरण आदि जैसी जानकारी की घोषणा अनिवार्य की गई है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आईपीओ खुला, निवेशक 6 अगस्त तक कर सकेंगे निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुला गया। निवेशक इस आईपीओ में 6 अगस्त, 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए 6,145.56 करोड़ रुपये करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने अपने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 72-76 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक अगस्त को एंकर निवेशकों से 2763.03 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ के लिए 6 अगस्त, 2024 तक आवेदन किया जा सकता है। कंपनी के शेयर 9 अगस्त, 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। इसके साथ ही ये पहली लिस्टेड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी बन जाएगी।

देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक भारत में ईवी और ईवी

कंपोनेंट के लिए वर्टिकली इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी के साथ मैन्युफैक्चरिंग कैपेबिलिटीज का निर्माण करने वाली एक प्योर ईवी कंपनी है। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि वो आईपीओ से जुटाई राशि में से 1,227.6 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सेल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की कैपेसिटी को बढ़ाने के लिए करेगी। इसके अलावा 1,600 करोड़ रुपये का उपयोग रिसर्च एंड प्रोडक्ट डेवल्पमेंट के लिए करेगी, जबकि कर्ज के भुगतान के लिए 800 करोड़ रुपये का इस्तेमाल करेगी।

आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 7.28 करोड़ रिटर्न के साथ बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित समय सीमा 31 जुलाई तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल किए गए। इनमें नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए। 31 जुलाई को एक ही दिन में 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किये गए, जबकि 58.57 लाख करदाताओं ने पहली बार आयकर रिटर्न फाइल किया।

वित?त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड संख्या में 7.28 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए है, जो आयकर रिटर्न का एक नया रिकॉर्ड है। पिछले साल 6.77 करोड़

आईटीआर दाखिल किए गए थे। कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। पुरानी कर व्यवस्था में दाखिल रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या 2.01 करोड़ है। समय सीमा के अंतिम दिन 31 जुलाई को 69.92 लाख से अधिक करदाताओं ने रिटर्न दाखिल किए। पहली बार आईटीआर दाखिल करने वालों की संख्या 58.57 लाख थी, जो कर आधार के विस्तार का एक अच्छा संकेत है।वित्त मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं और कर पेशेवरों ने समय पर अपने अनुपालन किए, जिससे आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में तेजी आई और आईटीआर दाखिल करने का एक नया रिकॉर्ड बना। यह 31 जुलाई, 2023 तक आकलन वर्ष 2023-24 के लिए दाखिल किए गए कुल 6.77 करोड़ आईटीआर से 7.5 फीसदी अधिक है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70 हजार कैरेट के ऊपर 70,520 रुपये से लेकर 70,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 64,660 रुपये से लेकर 64,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में भी आज तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 87,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 70,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

64,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 70,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 70,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,420 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 70,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इरडा ने एचडीएफसी लाइफ पर 2 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एचडीएफसी लाइफ पर सख?त कार्रवाई की है। नियामक ने नियमों का उल्लंघन करने के लिए 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एक करोड़ रुपये का जुर्माना पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए और सेवाओं के आउटसोर्सिंग में अनियमितताओं के कारण नियामक ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। एचडीएफसी लाइफ ने रेगुलेटरी फाइलिंग में जानकारी दी है कि इरडा नियमों का उल्लंघन करने के लिए उसके ऊपर कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी के मुताबिक नियामक ने सितंबर, 2020 में वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19, और 2019-20 को कवर करते हुए किए गए ऑनसाइट निरीक्षण के बाद जुर्माने की यह कार्रवाई की गई है। कंपनी के मुताबिक इरडा ने एक अगस्त, 2024 को जुर्माने का यह आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि एक करोड़ रुपये का जुर्माना पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए लगाया गया है। इसके अलावा सेवाओं के आउटसोर्सिंग में अनियमितताओं के कारण नियामक ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

बीमा नियामक ने कंपनी को अतिरिक्त दिशा-निर्देश और सलाह जारी की है। एचडीएफसी लाइफ को निर्देश दिया गया है कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर इन दिशा-निर्देशों का पालन करे। इसके साथ ही पहचानी गई कमियों को दूर करे और नियामक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करे। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) भारत में बीमा क्षेत्र का पर्यवेक्षण और विकास करने वाला एक वैधानिक निकाय है। इसका गठन संसद के बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 के तहत किया गया है। इरडा का मुख्य उद्देश्य पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना और बीमा उद्योग को नियंत्रित करना है।

खरीफ फसलों की बुवाई पिछले से ज्यादा, किसानों ने धान, दलहन, तिलहन, बाजरा और गन्ने अधिक बोए

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार किसानों ने इस साल अभी तक 904.60 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुवाई की है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह रकबा 879.22 लाख हेक्टेयर था। मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार सालाना आधार पर बुआई करीब तीन प्रतिशत अधिक है। कमोडिटीवार धान, दलहन, तिलहन, बाजरा और गन्ने की बुवाई सालाना आधार पर अधिक रही है। दूसरी ओर कपास और जूट/मेस्ता की बुआई में गिरावट आई है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में कहा था कि केंद्र सरकार सभी राज्यों में उड़द, अरहर और मसूर के लिए 100 प्रतिशत खरीद के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया ताकि अधिक से अधिक किसान दलहन की खेती के लिए आगे आएं। भारत दालों का एक बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक है और यह आयात के माध्यम से अपनी खपत की जरूरतों के एक हिस्से को पूरा करता है। भारत में मुख्य रूप से चना, मसूर, उड़द, काबुली चना और अरहर दालों का सेवन होता है। किसानों को विभिन्न प्रोत्साहनों सहित कई उपायों के बावजूद, भारत अभी भी अपनी घरेलू आवश्यकताओं के लिए दालों के आयात पर निर्भर है। 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया है।

लटकती तोंद अंदर करने के लिए रोजाना खाएं 5 सब्जियां, परफेक्ट फिगर के साथ ही सेहत को भी मिलेंगे फायदे

इन दिनों कई लोग अपने बढ़ते वजन और लटकती तोंद से परेशान हैं। दिनभर ऑफिस में बैठे-बैठे बिना किसी वर्कआउट के वजन तेजी से बढ़ने लगता है। साथ ही गलत खानपान भी लटकती तोंद की एक बड़ी वजह साबित होता है। ऐसे में अगर आप पेट अंदर करने के लिए वर्कआउट नहीं कर पा रहे हैं तो कुछ सब्जियों को डाइट में शामिल कर Belly Fat कम कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफ में अनहेल्दी और स्पाइसी फूड्स खाने और लंबे समय तक एक ही जगह बैठ कर काम करने की वजह से लोग बढ़ते वजन का शिकार हो रहे हैं। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी की कमी की वजह से भी लोग को मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ज्यादा वजन कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है, इसलिए लोग इन दिनों अपना वेट कंट्रोल करने के कोशिशों में लगे रहते हैं। हालांकि, बिजी शेड्यूल की वजह से लोग प्रॉपर वर्कआउट नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से बैली फैट बढ़ता जाता है।

ऐसे में अपने बेली फैट को कम करने के लिए आप डाइटिंग करने से लेकर जिम तक जाते हैं, जिसमें आपका बहुत सारा टाइम वेस्ट हो जाता है,लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप अपनी डेली डाइट में कुछ सब्जियों को शामिल करके अपना बेली फैट कम कर सकते हैं। हां ये सच है, क्योंकि ये सब्जी आयरन और फाइबर जैसे अनेक पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, जो बेली फैट को कम करने में मददगार होते हैं। आईए जानते हैं इन सब्जियों के बारे में-

बीन्स

बीन्स में घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जो सूजन से लड़कर पेट की चर्बी को जमा होने से रोकता है। इसके साथ ही ये ब्लड शुगर लेवल को भी मेंटेन करने में मदद करता है। इसलिए बीन्स को अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करें।

शतावरी

जिंक, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम और कॉपर जैसे ढेरों पोषक तत्वों से भरपूर शतावरी एक लो कैलोरी सब्जी है। इसमें घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर मौजूद होते हैं,जो पेट भरा होने का एहसास कराते हैं, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। साथ ही ये पाचन स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देता है।

ब्रोकली

एंटी-ऑक्सीडेंट और फाइटोकेमिकल से भरपूर ब्रोकली खाने से शरीर की चर्बी को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा इसमें कई तरह के विटामिन, प्रोटीन और कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बेली फैट को कम करने में मददगार होते हैं।

गाजर

गाजर न सिर्फ आंखों की रोशनी के लिए अच्छी होती है, बल्कि आपके बेली फैट को भी कम करने में मदद कर सकता है। लो कैलोरी वाली गाजर में हाई फाइबर, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की अच्छी मात्रा पाई जाती है।

करेला

करेला स्वाद में भले ही कड़वा हो, लेकिन बेली फैट कम करने में काफी असरदार साबित होता है। ये शरीर में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित रखकर ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करता है, जिससे वेट लॉस करने में मदद मिलती है।

जनगणना से कब तक डरना

जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वर्गीकृत करता है, विश्लेषित करता है।

बजट से जुड़ा हलवा बांटने वाले और हलवा खाने के रुपक के सहारे बात को जातिगत जनगणना तक ले जाने वाले राहुल गांधी ने अपनी राजनीति चल दी। अब इसका कितने लोगों पर कैसा असर हो रहा है इसका हिसाब अलग-अलग हो सकता है, लेकिन भाजपा पर इसका प्रभाव काफी पड़ा है। उसकी तरफ से राजनीति को हिन्दू-मुसलमान लाइन पर ले जाने का प्रयास बंद नहीं हुआ है लेकिन अब वह हर बात में जाति के सवाल को महत्व देने लगी है और राहुल गांधी तथा कांग्रेस को ही नहीं समाजवादी पार्टी और राजद को ही पिछड़ा और दलित विरोधी बताने का प्रयास भी कर रही है। लेकिन निश्चित रूप से वह जातिगत जनगणना के खिलाफ है और इसकी कोई उपयोगिता नहीं मानती-भले उसने बिहार में हुई जातिगत जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन राहुल गांधी को अपनी इस राजनैतिक रणनीति या भाजपा की घेराबंदी में एक बार भी याद नहीं आया कि देश में वह सामान्य जनगणना भी नहीं हुई है जो विश्वयुद्ध के दौरान भी नहीं रुकी थी। और सरकार ने जिस कोरोना के नाम पर जनगणना रोकी थी (हालांकि दुनिया में ऐसा सिर्फ दो अन्य देशों में ही हुआ था) उसे गए जमाना हो गया है और अब आम चुनाव समेत सब काम रूटीन पर लौट आया है।विपक्ष का नेता होने के चलते राहुल को यह पूछने की जरूरत थी क्योंकि इस बजट में भी जनगणना के लिए धन का प्रावधान नहीं हुआ है-यह रकम पहले से कम कर दी गई है। और तब भले गृहराज्य मंत्री ने सदन में और गृह मंत्री ने बाहर कोरोना के चलते जनगणना रोकने और ज्यादा व्यापक सवालों के साथ जनगणना कराने की बात कही हों अब तो सरकार के अधिकारी कहने लगे हैं कि 1948 के जनगणना कानून में इस बात का कोई प्रावधान नहीं है कि हर दस साल पर अनिवार्य रूप से जनगणना हो ही। संभवत- ऐसा है भी लेकिन पिछले डेढ़ सौ साल की जनगणना की परंपरा और उसकी रोजाना के काम की उपयोगिता ने हमारे लिए कानून के पन्ने पलटने की जरूरत नहीं छोड़ी थी। चुनाव के क्षेत्र निर्धारण से लेकर सरकारी नीतियां बनाने और संसाधनों के आवंटन तथा आगे होने वाले हर सर्वेक्षण में जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाने की आदत हमारे मन मस्तिष्क में इस तरह समा गई है कि हम सोच भी नहीं सकते कि अच्छे दिन लाने और देश को विकसित दुनिया की बराबरी पर लाने और विश्वगुरु बनाने के दावे करने वाली सरकार जनगणना रोक देगी।इस सरकार का आंकड़ों से %बैर% अब छुपा नहीं है। उसने जाने कितने आंकड़े जुटाने का काम रोका है, कितने जुटे आंकड़ों को प्रकाशित नहीं होने दिया है, कितने ही दूसरे अनुमानों को झुठलाया है, जीडीपी की गणना से लेकर न जाने किस-किस हिसाब का आधार ही बदल दिया है। इन सबसे हमारे सारे आंकड़े संदेहास्पद हो गए हैं जबकि ब्रिटिश शासन काल से ही महा-सांख्यिकी लेखाकार के अधीन आंकड़े जमा करने की एक मजबूत व्यवस्था के अभी तक काम करते जाने के चलते दुनिया में हमारे आंकड़ों को बहुत सम्मान से देखा जाता था। और हद तो तब हो गई जब सरकार ने जीएसटी कर वसूली के निरंतर बढ़ते जा रहे आंकड़ों और कर वसूली बढ़ने के आंकड़ों को सार्वजनिक करने पर रोक लगा दी। देश विदेश के विभिन्न संस्थानों द्वारा जैसे-जैसे जुटाए आंकड़े जब सरकार के पक्ष में होते हैं तो उनका शोर मचाया जाता है वरना उनको खारिज कर दिया जाता है। और बुनियादी दिक्कत यह है कि जब पंद्रह साल पुरानी जनगणना को रैंडम सैंपलिंग के लिए कितनी भी ईमानदरी से इस्तेमाल किया जाए तो नतीजे गलत आने की पूरी गुंजाइश है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण हो या परिवार स्वास्थ्य या उपभोग सर्वेक्षण, सभी जनगणना के आंकड़ों को ही आधार बनाते हैं।

जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वर्गीकृत करता है, विश्लेषित करता है। और अगर अमित शाह की कुछ समय पहले कही बात अब भी सच है तो इस बार की जनगणना में कुछ और नई जानकारियां जुटाने का काम होना है। इनके आधार पर ग्राम पंचायत और शहर के वार्ड से लेकर पंचायत और नगरपालिका, विधान सभा और संसदीय क्षेत्र का आकार-प्रकार बदला और तय किया जाता है। इनके आधार पर शहरी घोषित हो गए गांव और कस्बे में सुविधाओं और कायदे-कानून में बदलाव होता है। जिन आंकड़ों के आधार पर सरकार और स्वशासी संस्थाओं के बजट का आवंटन होता है। कई जानकारों का अनुमान है

कि जिन पैमानों पर सरकार 81.5 करोड़ लोगों को आज मुफ्त राशन दे रही है अगर आबादी के नए हिसाब(अनुमान ही) को ध्यान में रखा जाए तो 93 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलना चाहिए। अब राजनैतिक मजबूरी के चलते सरकार बिहार जैसे पिछड़े राज्य को जो धन दे रही है वह काम काफी पहले हो जाना चाहिए था।

लेकिन इससे भी बड़ी बात संसदीय क्षेत्रों का पुनर्गठन, समाज के विभिन्न जमातों में आबादी की वृद्धि की रफ्तार, गरीबी काम-ज्यादा होने का हिसाब, मकान-दूकान-वाहन-खेती-संपत्ति का हिसाब है। सरकार इसमें से कई का हिसाब सामने आने देना नहीं चाहती।

इससे उसकी राजनीति कमजोर होगी(खासकर मुसलमानों की आबादी बढ़ाने की रफ्तार की असलियत से), दक्षिण और उत्तर के राज्यों के बीच संसदीय क्षेत्रों के पुनर्गठन और उनकी संख्या घटने-बढ़ने के सवाल पर उलझ जाएगी। इस बार की जनगणना रोकना राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर और सीएए जैसे विवादास्पद प्रावधानों की उलझन के चलते हुआ है। इन दो कानूनी प्रावधानों की जो दुर्गति हुई है सब देख रहे है। कुछ दर्जन केस भी सामने नहीं आए हैं। नागरिकता के उलझे सवाल पर सरकारी नजरिए का दोष जाहिर हुआ है और राजनैतिक लाभ की जगह घाटा हो गया है। यह भी हुआ कि जैसे ही सरकार ने जनगणना के साथ जनसांख्यिकी रजिस्टर और नागरिकता रजिस्टर वाली बात उठाई अनेक राज्यों ने विरोध कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो एनआरसी वाली जानकारी भरने वाले जनगणाकारों का घेराव और धर-पकड़ का आह्वान कर दिया था। सरकार इससे भी डर गई। सरकार के डरने और जनगणना रोकने का तीसरा कारण जातिगत जनगणना की मांग हो सकती है। राहुल ने वह काम तो नेता विपक्ष बनाकर कर दिया है लेकिन जनगणना की मांग को छोड़ दिया।

संपादकीय

संसद से टपकता पानी

सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की उम्मीद करना भारतीयों ने अरसे से छोड़ दिया है। वे मानकर चलते हैं कि यदि किसी शासकीय स्कूल की इमारतें हों या फिर अस्पताल भवन, सड़कें हों या पुल-पुलिया-वे लम्बे समय तक नहीं चलेंगी। फिर वह निर्माण चाहे केन्द्र सरकार की देखरेख में बना हो या फिर राज्य सरकार द्वारा निर्मित हो। सरकारी भवनों को जर्जर होते देर नहीं लगती। कभी स्कूल में पढ़ाई करते बच्चों पर छत का प्लास्टर गिर जाता है तो कभी शाला भवन की दीवार ही ढह जाती है, कभी किसी सरकारी कार्यालय की सीढ़ियां टूटने लगती हैं तो कभी उनकी दीवारों पर उद्घाटन के पहले ही दरारें पड़ने लगती हैं। पुल-पुलियों के खम्भे टूटने लगते हैं तो सड़कें अल्प समय के इस्तेमाल करते ही फटने लगती हैं।हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आये हैं। बिहार में पुलों ने गिरने का रिकॉर्ड बना दिया है। कुछ ही दिनों में दर्जन भर से अधिक पुल गिर गये। कई हाईवे पर तो उद्घाटन के केवल महीने-दो महीने में ही बड़ी दरारें पड़ गईं। सीवरेज अलग कहर ढाते हैं। जहां-जहां स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत कार्य चल रहे हैं उनमें और भी बुरा हाल है। बारिश ने इस महत्वाकांक्षी व बहुप्रचारित योजना की पोल खोल दी है। सड़कों से लेकर मैदानों पर पानी ऐसा भरता है कि वाहन उनमें गिरते हैं, लोग हाथ-पांव तुड़वा रहे हैं या अपने प्राण गंवा रहे हैं। नियोजन से लेकर क्रियान्वयन तक सारा कुछ ऐसा दोषपूर्ण होता है कि इन योजनाओं का फायदा कम नुकसान ही अधिक होता है। जान-माल की हानि तो होती ही है, जीवन ही अव्यवस्थित हो जाता है। तिस पर अगर थोड़ी सी भी बरसात हो जाये तो जीवन को नर्क बनने में देर नहीं लगती।

अक्सर यह भी आरोप लगते हैं कि, जिसमें बड़े पैमाने पर सच्चाई भी है, भ्रष्टाचार का बड़ा योगदान गुणवत्ता को गिराने में होता है। यह किसी एक राज्य की बात नहीं है बल्कि यह सार्वभौमिक सत्य है कि शासकीय कार्य का अर्थ ही है अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की जेबों का भरना। निर्माण कार्यों की लागत का आकलन तो वास्तविकता के आधार पर होता है, उसी कीमत पर कामों का आवंटन भी होता है परन्तु जब निर्माण शुरू होता है तो पता चलता है कि लाभ का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे ठेकेदार या निर्माण एजेंसियां गुणवत्ता में समझौते करती हैं। निर्माण हो जाता है व उसे विभाग को सौंप दिया जाता है, उद्घाटन हो जाते हैं लेकिन उन निर्माणों की गुणवत्ता जल्दी ही दीवारों, छतों, फर्शों और अन्य जगहों पर से झांकती दिखलाई पड़ती है। इसी कार्य पद्धति के तहत बने पुल लोगों पर गिरते हैं और मासूमों की मौतें होती हैं।देश में सैकड़ों हादसे ऐसे होते हैं जिनके लिये यही घटिया निर्माण जिम्मेदार होता है परन्तु उससे भी बुरी बात होती है इस पर होने वाली सियासत। यह नया भारत है जहां पहले यह देखा जाता है कि जो भी हादसा हुआ है या निर्माण की खामियां उजागर होती है, तो वह किस राज्य का मामला है और वहां किसकी सरकार है। पहले न कोई ऐसी वारदात का बचाव करता था और न ही भ्रष्टाचार की स्वीकार्यता थी। लेकिन अब एक ही तरह की अलग-अलग राज्यों में होने वाली घटनाएं तय करती हैं कि उनकी आलोचना की जाये या बचाव। भारतीय जनता पार्टी की यह देन कही जा सकती है जिसके पास ऐसा प्रचार तंत्र है जो यह याद दिलाता है कि यदि अभी पुल-पुलिया गिर रहे हैं, एयरपोर्ट में पानी भर रहा है, रेलवे स्टेशन की छतों से पानी चू रहा है तो कोई बात नहीं, क्योंकि ऐसा पहले भी हुआ था- कांग्रेस के समय। भाजपा की ट्रोल आर्मी को फर्क नहीं पड़ता कि जनता के पैसे से बने अयोध्या के राममंदिर की छत से चू रहे पानी से गर्भगृह लबालब हो रहा है या महाकालेश्वर में लगाई गयीं मूर्तियां गिर रही हैं। करोड़ों की लागत से बने एक्सप्रेस-वे टूट जायें या पुल ढह जायें- उनकी बला से।अपने प्रचार तंत्र और समर्थकों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार, खासकर नरेन्द्र मोदी को बहुत भरोसा है, फिर वे यह भी जानते हैं कि उन्हें इसे लेकर किसी को जवाब देना नहीं है। यही कारण है कि उनकी सीधी देखरेख में बने और उनका अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले नये संसद भवन में पानी टपकने को लेकर सरकार का कोई बयान नहीं आया है। वैसे ही जिस प्रकार कुछ हवाई अड्डों में पानी भरने व एक्सप्रेस-वे टूटने पर कुछ नहीं कहा गया।

शिव भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए अलग कांवड़ यात्रा मार्ग समय की मांग

वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म %सनातन धर्म% के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है।

देश में हर वर्ष आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान वर्ष दर वर्ष शिव भक्त कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा करना अब तो पुलिस-प्रशासन के लिए एक बेहद ही जटिल कार्य बनता जा रहा है। हालांकि शिव भक्तों को सबसे ज्यादा खतरा कांवड़ियों के भेष में उनके बीच ही छिपकर बैठे हुए कुछ हुड़दंगियों व कुछ आपराधिक सोच वाले लोगों से है, क्योंकि इस तरह के चंद लोगों की देवाधिदेव भगवान महादेव के प्रति कोई आस्था श्रद्धा विश्वास नहीं होता है, बल्कि इन चंद लोगों का उद्देश्य तो केवल माहौल खराब के कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा को खतरे में डालते हुए, अपना हित साधने का होता है। उन लोगों का उद्देश्य होता है कि शांतिपूर्ण ढंग से चल रही कांवड़ यात्रा में हंगामा करके समाज का माहौल खराब करके पूजनीय शिव भक्त कांवड़ियों के प्रति आम जनमानस के बीच नफ़रत के बीज बोएं। इसलिए ही यह चंद लोग देवाधिदेव भगवान शिवशंकर के सिद्धांतों पर अमल ना करके भूल से भी जरा सी कोई घटना हो जाने पर ही, उस व्यक्ति को माफ़ ना करके मारपीट करने, तोड़फोड़ व लोगों की जान लेने तक पर उतारू हो जाते हैं और सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि हर वर्ष ऐसे घटनाओं में अब बढ़ोतरी होती जा रही है। वैसे अगर हम पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं पर ध्यान दें तो देश के विभिन्न हिस्सों से कांवड़ियों के भेष में आने वाले कुछ हुड़दंगियों का उद्देश्य ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने का ही होता है। जो जहरीली मंशा इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन व शिव भक्त कांवड़ियों की सतर्कता के चलते व भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से हर वर्ष विफल हो जाती है।

वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म %सनातन धर्म% के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है। लेकिन श्रावण मास भगवान शिव का अतिप्रिय होने के चलते भगवान भोलेनाथ के भक्त भक्ति भाव से ओत-प्रोत होकर के श्रावण मास में कांवड़ लेने अधिक संख्या में जाते हैं, यह स्थिति कांवड़ लाने वाले देश के हर क्षेत्र में रहती है। विशेषकर उत्तराखंड व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो पवित्र श्रावण मास में करोड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड़िए सैंकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा करके कांवड़ लाकर के भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

इसे भी पढ़ें:- बुलडोजर के बाद अब हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, कांवड़ियों पर योगी और धामी सरकार ने आकाश से बरसवाये फूल

इस उद्देश्य से ही देश के विभिन्न हिस्सों में सनातन धर्म के करोड़ों अनुयाई देवाधिदेव भगवान महादेव के अतिप्रिय माह श्रावण मास के शुरू होते ही शिव भक्त कांवड़ लेकर अपने आराध्य भगवान शिव का जलाभिषेक करने निकल पड़ते हैं। इस दौरान उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के बहुत सारे जिलों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गुजरने वाली कांवड़ियों की सुरक्षा करना पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। उत्तराखंड के गोमुख से लेकर के ऋषिकेश, हरिद्वार व उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, गाजियाबाद आदि में यूपी, दिल्ली हरियाणा, पंजाब व राजस्थान आदि राज्यों के कांवड़ियों को व्यस्त सड़क पर जल ले जाते समय सुरक्षा देने में इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन को संसाधनों की पूरी ताकत झोंकनी पड़ती है और अगर जरा सी भी कोई घटना यात्रा मार्ग में घटित हो जाये तो सिस्टम व आम जनमानस दोनों के हाथ-पांव बुरी तरह से फूल जाते हैं। अलग-अलग राज्यों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गंगाजल लेने के लिए पहुंच रहे पैदल व डाक कांवड़ियों की भारी भरकम भीड़ को देखते हुए ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की बहुत सारी सड़कों, हाईवे आदि पर चलने वाले भारी वाहनों के ट्रैफिक को पूरी तरह से रोकर के डायवर्ट करना पड़ता है। वहीं लोकल के हल्के वाहनों के लिए भी एक लेन आने व एक लेन जाने की बनाकर ट्रैफिक का संचालन करना पड़ता है। जो स्थिति चौबिसों घंटे खड़े होकर के ड्यूटी देने वाले पुलिस-प्रशासन व उस क्षेत्र के आम जनमानस के लिए तो बेहद चुनौतीपूर्ण होती ही है। साथ ही वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ते हुए हल्के वाहनों की संख्या के चलते कांवड़ यात्रा के दौरान वाहन दुर्घटनाओं में भी तेजी से इजाफा हो रहा है, जो कि शिव भक्त कांवड़ियों के साथ-साथ अन्य लोगों के जीवन को असमय लीलने का कारण बन रही है और कांवड़ यात्रा के दौरान आये दिन दंगा-फसाद होने का कारण भी बनने लगी है।

वैसे भी आज देश के हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल फोन होने के चलते कुछ लोगों की नासमझी से सोशल मीडिया पर एक ऐसा दौर चल रहा है जब एक छोटी सी बात का बतंगड़ चंद मिनटों में ही जाति-धर्म की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले कुछ नेताओं व कुछ लोगों की कृपा से बन जाता है।

इसलिए यह अब समय की मांग है कि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड राज्य के हित में हर वर्ष होने वाली इस अद्भुत पावन कांवड़ यात्रा को शांति पूर्वक पूरे भक्तिपूर्ण व शिवमय माहौल में संपन्न करवाने के लिए कांवड़ लाने वाले भक्तों के लिए एक अलग कांवड़ यात्रा मार्ग को धरातल पर जल्द से जल्द मूर्त रूप देकर के भगवान शिव के भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा को ओर मजबूत किया जाए।

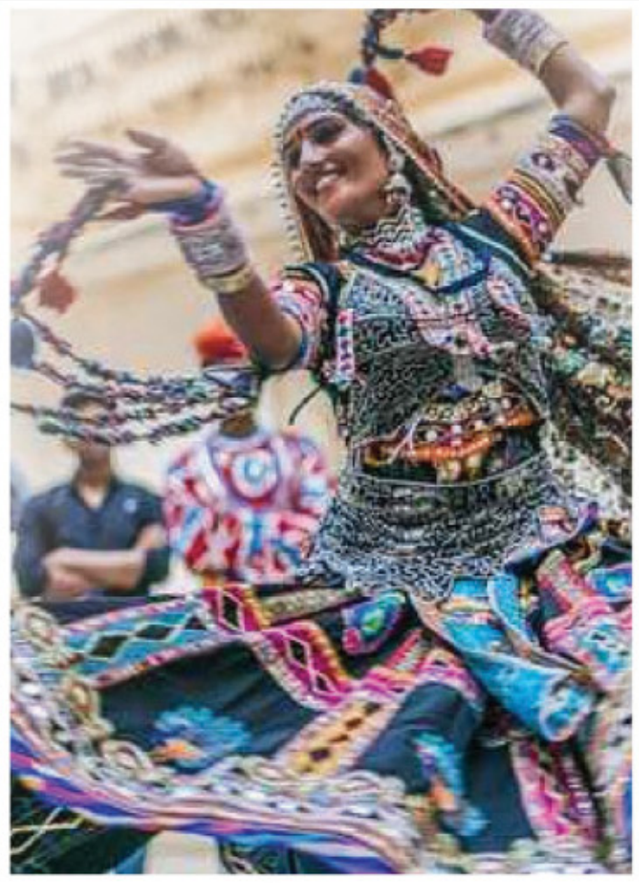

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज व्यंजन और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले धोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्रैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

उच्च रक्तचाप में नियमित इन चीजों से करें बचाव

उच्च रक्तचाप एक को अगर नजरअंदाज किया जाये तो यह और भी गंभीर समस्या हो सकता है। उच्च रक्तचाप में धमनियों में रक्त का दबाव ब जाता है। दबाव के कारण धमनियों में रक्त प्रवाह सुचारू बनाए रखने के लिए दिल को अधिक काम करना पता है। वैसे तो हाई ब्लड प्रेशर के कई कारण होते हैं लेकिन इसके लिए जिम्मेदार प्रमुख कारणों में तनाव और अनहेल्दी आदतें शामिल है। इसलिए उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर इसके प्रबंधन और नियंत्रण के लिए क्या करें और क्या करने से बचें, इस बात को जानना बहुत जरूरी है।

नमक का अधिक सेवन

ब्लड प्रेशर के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है, अधिक मात्रा में नमक का सेवन। सोडियम की अधिक मात्रा शरीर में पानी भर देती है जिससे हाइ ब्लड प्रेशर होने की समस्या और पैदा हो जाती है। जो लोग पहले से ही हाइ ब्लड प्रेशर के शिकार हैं, उन्हें नमक का प्रयोग डाइट में कम करना चाहिए। अचार, नमकीन, सलाद में नमक, पकौड़ा आदि खाने से बचें।

प्रसंस्कृत आहार का सेवन

लाल मीट, चीनी युक्त मीठे पेय पदार्थ, प्रसंस्कृत आहार से भी ब्लड प्रेशर हाई होने लगता है। इसलिए इस समस्या से बचने के लिए हमें एक स्वस्थ डाइट लेनी चाहिए।

जब एक स्वस्थ और सही डाइट लेने की बात आती है तो वह डाइट फल, सब्जियों, साबुत अनाज और लो डेयरी प्रोडक्ड से भरपूर होनी चाहिए। साथ ही अपने आहार में मीट, मछली, नटस और सेम को शामिल करें। हालाकि ऐसी डाइट लेना हर किसी के लिए संभव नहीं है लेकिन हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए इसे लिए जरूरी होता है।

तनाव में रहना

तनाव में रहने से भी आपका बीपी बढ़ने लगता है। तनाव आपकी सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन है। अवसर लोग पहचान नहीं पाते कि उनकी शारीरिक समस्याओं का कारण तनाव ही है। इसलिए बेकार का तनाव लेना बंद करें। रोज सुबह वर्कआउट, मेडिटेशन और कुछ ऐसे काम करने में मन लगाएं जिससे आपको खुशी मिलती हो।

व्यायाम की कमी

अवसर लोग आलस के कारण अपनी दिनचर्या में व्यायाम को शामिल नहीं करते। लेकिन जो लोग एक्सरसाइज नहीं करते हैं उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी जल्दी होती है। मोटे लोगों के दिल पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है और हार्ट ब्लॉकेज ज्यादा प्रतिशत में होता है। केवल दवाइयां खा कर कुर्सी पर बैठे रहने से हाई ब्लड प्रेशर नहीं ठीक हो सकता।

धूम्रपान की आदत

धूम्रपान करने से ब्लड प्रेशर बहुत तेजी के साथ बढ़ता है। जिससे धमनियां कठोर बन जाती हैं और वह रक्त वाहिकाओं को चोट पहुंचाती हैं। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे दूरी जरूर बना लें, अन्यथा आपको ये समस्या बहुत जल्दी होने का जोखिम रहेगा।

इन सब चीजों के कारण ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ने लगता है। इसलिए अगर आपको स्वस्थ और ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखना है तो अपनी दिनचर्या से इन चीजों को दूर करने की कोशिश करें।

मच्छरों से हैं परेशान तो अपनाएं ये तीन घरेलू उपाए

देश का लगभग हर शहर मॉनसून के बाद से ही जल-जमाव की समस्या से जूझता दिखता है। ऐसे में सड़कों को छोड़ भी दिया जाए तो घरों की छतों पर रखें पुराने टायरों, डिब्बों और दूसरे सामानों में भरा पानी मच्छरों का ब्रीडिंग ग्राउंड बनता है। इसलिए बारिश के मौसम का मतलब मच्छर और ढेर सारी खतरनाक बीमारियां है। ये बीमारियां जानलेवा भी साबित हो सकती हैं इसलिए इनसे बचना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके घर में कॉइल, मैट या मॉस्कीटो लिक्विड नहीं है तब आप क्या करेंगे? इसलिए हम आपको बता रहे हैं मच्छरों को दूर करने के 3 कारगर घरेलू उपाए, जो तुरंत आपकी समस्या हल करेंगे।

पहला उपाए

सिर्फ दो मिनट में मच्छरों को भगा देगा ये उपाए। इसके लिए आपको जरूरत पड़ेगी नीम के तेल, कपूर और तेजपत्ते की। सबसे पहले नीम के तेल में कपूर को मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण को तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। इस धुंए से आपके घर से सभी मच्छर तुरंत भाग जाएंगे। आपको बता दें कि तेजपत्ते का धुंआ सेहत के लिए बिल्कुल हानिकारक नहीं होता है।

दूसरा उपाए

सोते समय कुछ दूरी पर कपूर में मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे भी मच्छर आपके पास बिल्कुल नहीं भटकेंगे।

तीसरा उपाए

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

रेसिपी

पालक पनीर

सामग्री

- पालक- 1 गुच्छा
- पनीर- 150 ग्राम
- बारीक कटा प्याज- 2
- बारीक कटी मिर्च- 2
- जीरा- 1/2 चम्मच
- नीबू का रस- 2 चम्मच
- बारीक कटा लहसुन- 4 कलियां
- धनिया पाउडर- 11/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
- बटर+तेल- आवश्यकतानुसार
- घी- 1 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

विधि

पालक की पत्तियों को अच्छी तरह से धो लें। एक बर्तन में उबालने के लिए पानी रखें और उसमें चुटकी भर नमक और बेकिंग सोडा डालें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें पालक की पत्तियों को 20 सेकेंड के लिए डालें और तुरंत निकालकर ठंडे पानी में डाल दें। पालक की पत्तियों की प्यूरी बना लें। पैन में बटर और तेल के मिश्रण को गर्म करें, अब पैन में लहसुन डालें। लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर के टुकड़ों को पैन में डालें और हल्के हाथों से मिलाएं। नीबू का रस डालकर मिलाएं। एक दूसरे पैन में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा पकने लगे तो पैन में हरी मिर्च डालें और उसे तुरंत तैयार पालक पनीर में डाल दें। नान, परांठा या जीरा राइस के साथ सर्व करें।

कोकोनट कुकीज

सामग्री

- 1 कप मैदा
- 1/2 टीस्पून बेकिंग पाउडर
- 1/2 कप चीनी का पाउडर/पिसी हुई चीनी
- 1/2 कप मक्खन कमरे के तापमान पर रखा हुआ
- 2-3 बूंद वैनिला एसेंस
- 3/4 कप दरदरा पिसा सूखा नारियल पाउडर
- 1 टेबलस्पून दूध

विधि

कुकीज बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा कटोरे में मैदा और बेकिंग पाउडर लें। इन्हें अच्छी प्रकार छान लें। इसके बाद दूसरे कटोरे में मक्खन और चीनी पाउडर डाल लें। इश मिश्रण को तब तक फेंटे जब तक मक्खन और चीनी मुलायम न हो जाए। अब इसमें वैनिला एसेंस की 2-3 बूंदे और सूखा नारियल डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इसमें छना हुआ मैदा और बेकिंग पाउडर डालें और मिला लें। अगर मिश्रण ज्यादा सूखा लगे तो इसमें 1 टेबलस्पून दूध डाल लें। मिश्रण को अच्छे से गूंद लेंऔर आटे के गोल आकार में छोटे-छोटे गोले बना लें। इसके बाद बेकिंग ट्रे में एल्यूमिनियम का फायल लगा दें और इस पर पेड़ों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रख दें। इसके बाद ट्रे को ओवन में रख दें और बनने के बाद प्लेट में निकाल लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य हो रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर ने जा जी खी खू खे खो णा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 1796

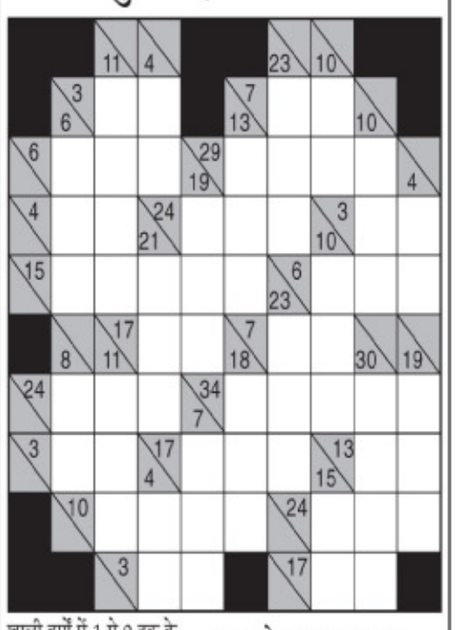

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

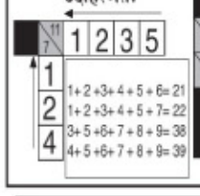

काकुरो - 1795 का हल

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1796

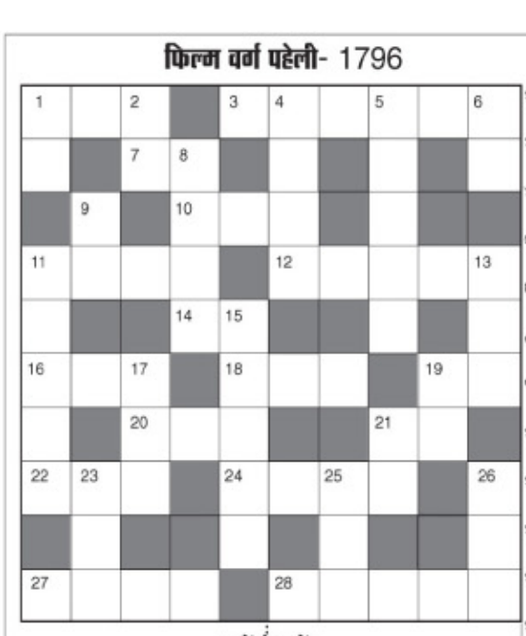

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहा से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला को 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1795

सूडोकु -1796

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1795 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 1796

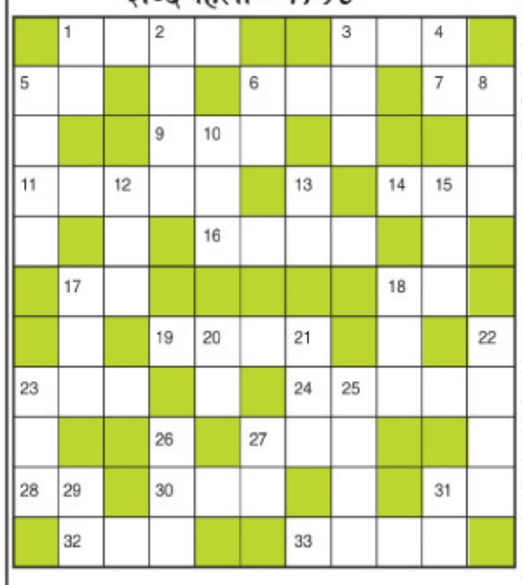

बाएँ से दाएँ

1. मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश,खानदान-2
6. आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी,इच्छा,चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास,नौकर,सेवक-5
14. अग्नि,आग-3
16. चयनित,स्वीकृत-4
17. जाति,संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत,व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश,अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान,माइन-2
32. आश्रय,पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में,अधर में-2,2
3. आफत,आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति,चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम ,आसक्ति-3
13. नीर,जल-2
15. भाग्य,तकदीर-3
17. जंबुल,जांब-3
18. टेंशन,परेशानी-3
20. काया,बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी,रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा,चोंचला-3
27. पूड़ी,गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -1795 का हल

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा का रविवार को शुभारंभ

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर दशहरा पर्व की शुरुआत श्रावण हरियाली अमावस्या यानी रविवार से हो जायेगी। इस दिन रथ बनाने के लिए जंगल से पहली लकड़ी ठुरलू खोटला माचकोट के जंगल से लेकर ग्रामीण आयेंगे। इस रस्म को पाट जात्रा कहा जाता है। वर्षों से चली आ रही परम्परा के अनुसार पाठ जात्रा के लिए ठुरलू खोटला लाने का जिम्मा बिलोरी के ग्रामीणों को दी गई है। ऐतिहासिक बस्तर दशहरा इस साल तृतीया तिथि दो दिन होने के कारण 15 की जगह 77 दिनों का होगा। विश्व प्रसिद्ध दशहरा पर्व वर्ष 2024 का प्रथम विधान पाट जात्रा पूजा है। हरियाली अमावस्या के दिन रविवार को पाट जात्रा पूजा विधान कार्यक्रम मां दंतेश्वरी मंदिर के सामने प्रातः 11 बजे सम्पन्न किया जाएगा। इसके बाद 16 सितम्बर को डेरी गड़ाई, दो अक्टूबर को काछन गादी और तीन अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ जोगी बिठाई रस्म होगी। पांच से 10 अक्टूबर तक रथ परिक्रमा कराया जाएगा।

भजनलाल ने मिश्र को दी भाव भरी विदाई

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र को शनिवार को यहां भाव भरी विदाई दी। श्री शर्मा ने हवाई अड्डे पर श्री मिश्र को पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें विदाई दी। उन्होंने श्री मिश्र को विदाई पर उनके स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेमचंद बैरवा तथा मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य गणमान्य लोगों ने भी उन्हें विदाई देते हुए उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि श्री मिश्र ने हाल में राजस्थान के राज्यपाल के रूप में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया और गत 31 जुलाई को उनकी जगह हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने राज्यपाल की शपथ ली।

सड़क किनारे खड़ी मिनी ट्रक और बस की भिड़ंत, बस ड्राइवर की हालत गंभीर

दौसा। सदर थाना इलाके में एनएच 21 पर कालाखो के समीप शनिवार को सड़क किनारे खड़े मिनी ट्रक और बस की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बस में सवार 9 लोग घायल हो गए। इनमें बस ड्राइवर की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। बस में सवार लोग उत्तर प्रदेश के सिंडोली से खाटूश्यामजी दर्शनों के लिए जा रहे थे। सदर थाना प्रभारी हवासिंह ने बताया कि कालाखो के पास एक मिनी ट्रक खराब होने के कारण रोड के किनारे खड़ा हुआ था। सुबह करीब 5 बजे सिकंदरा की तरफ से आ रही बस ने मिनी ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। चीख-पुकार सुन आसपास के लोग पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को बाहर निकाला। एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसे में बस में सवार बिन्देश्वरी देवी पत्नी जगदीश शर्मा निवासी मेडई पूर्वा भण्डिया थाना सिंधोली जिला सीतापुर, रविकुमार पुत्र जितेन्द्र बहादुर सिंह निवासी विश्वा सीतापुर, स्नेह देवी पत्नी रविकुमार सिंह, जगदीश शर्मा (65) पुत्र रामनाथ शर्मा निवासी मेडई पूर्वा भण्डिया, संदीप पुत्र हरिगोविन्द शर्मा निवासी मेडई पूर्वा भण्डिया, अल्पना देवी पत्नी विनीत कुमार चौहान, वेद वर्मा पुत्र कित्तू वर्मा निवासी लखीरपुर खीरी, प्रीति पत्नी प्रदीप कुमार अवस्थी निवासी नील गांव थाना अटरीया और प्रमीला देवी पत्नी बिमलेश अवस्थी गरौली घायल हो गए। गंभीर घायल बस ड्राइवर वेद वर्मा पुत्र कित्तू वर्मा को एसएमएस जयपुर रेफर किया गया।

काशी विश्वनाथ मंदिर में फर्जी दरोगा पकड़ाया

वाराणसी । काशी विश्वनाथ मंदिर में पुलिस की वर्दी में एक फर्जी दरोगा पकड़ा गया है। वह पूजा के लिए लाइन में लगा हुआ था। आरोपी का नाम अभय सिंह है जो जालौन का रहने वाला है। उसने बताया कि आसानी से प्रवेश पाने और पूजा करने के लिए वह पुलिस की वर्दी में आया था।

वाराणसी के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. के. एजीलरसन ने बताया कि फर्जी टू-स्टार इंस्पेक्टर की वर्दी पहनकर मंदिर परिसर में एक युवक लाइन में खड़ा था। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों को उसकी हरकतों पर शक हुआ और थोड़ी पूछताछ के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया।पुलिस ने बताया कि गेट पर रोककर जब तैनाती स्थल पूछा गया तो फर्जी दरोगा ने जालौन बताया। उसने थाने का नाम नहीं बताया। इसके बाद थाने का बैच और नाम पूछा तो वह भी नहीं बता सका। फर्जी दरोगा को रोकने के बाद वहां उपस्थित दरोगा को मामले की जानकारी दी गई। फर्जी खाकी वर्दी में पुलिस टीम युवक को थाने ले गई। थाने में इंस्पेक्टर चौक विमल मिश्रा ने आरोपी अभय प्रताप सिंह से पूछताछ की तो पूरा मामला खुल गया।

जंगल में एक गुफा में फंसे थे चार आदिवासी बच्चे, वायनाड वन अधिकारी ने किया रेस्क्यू

एजेंसी

वायनाड । केरल के वायनाड में हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन में 300 से अधिक लोगों की जान जाने के बाद क्षेत्र में तैनात वन अधिकारियों ने बारिश और चट्टानी इलाके को पार करते हुए एक गुफा के अंदर से चार बच्चों का रेस्क्यू किया। बता दें कि बच्चे एक आदिवासी समुदाय से थे, जो आम तौर पर बाहरी लोगों से बातचीत करने से बचते हैं और जीवित चीजों और वन उत्पादों का उपयोग करते हैं। कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के हशीस के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम गुरुवार को एक आदिवासी परिवार को बचाने के लिए घने जंगल के अंदर गई। उनको गुफा में एक से चार साल की उम्र के चार बच्चे मिले। कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के. हशीस ने बताया कि वायनाड के पनिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाला यह परिवार एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित एक गुफा में फंसा हुआ था। टीम को मौके पर पहुंचने में वन

अधिकारियों को साढ़े चार घंटे से अधिक का सफर तय करना पड़ा।

वन अधिकारियों ने चार बच्चों की मां को वन क्षेत्र के पास घूमते देखा जिससे पता चला कि चार बच्चे गुफा में फंसे हुए हैं। उनको बचाने के लिए अधिकारियों को फिसलन भरी चट्टानों पर चढ़ना पड़ा। साथ ही पेड़ों और चट्टानों से रस्सियां बांधनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि यह रेस्क्यू बहुत खतरनाक था। हशीस ने कहा, बच्चे थके हुए थे और हमने जो कुछ भी साथ लाया था, उससे उन्हें खाना खिलाया। बाद में, बहुत समझाने के बाद, उनके पिता हमारे साथ आने के लिए सहमत हुए और हमने बच्चों को अपने शरीर से बांध लिया और वापस अपनी यात्रा शुरू की। फिर वे अट्टा माला के अवैध शिकार विरोधी कार्यालय में वापस आ गए, जहां बच्चों को खाना खिलाया गया और कपड़े और जूते दिए गए।

वन अधिकारी ने कहा, वे आम तौर पर वन उत्पादों पर जीवित रहते हैं और उन्हें स्थानीय बाजार में बेचकर चावल खरीदते हैं। हालांकि, ऐसा लगता है कि भूस्खलन और भारी बारिश के कारण उनको भोजन नहीं मिला था। हशीस के साथ, खंड वन अधिकारी बी एस जयचंद्रन, बीट वन अधिकारी के अनिल कुमार और आरआरटी (रैपिड रिस्पांस टीम) के सदस्य अनूप थॉमस ने परिवार को बचाने के लिए सात किलोमीटर से अधिक की लंबी यात्रा में भाग लिया।

चंडीगढ़ जिला कोर्ट में पंजाब पुलिस के निलंबित एआईजी ने अपने दामाद की गोली मारकर हत्या की

चंडीगढ़। चंडीगढ़ जिला कोर्ट में शनिवार को पंजाब पुलिस के निलंबित एआईजी ने अपने दामाद की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों परिवारों के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। इसी मामले में दोनों पक्ष शनिवार को चंडीगढ़

फैमिली कोर्ट में पहुंचे थे। आरोपी की पहचान निलंबित एआईजी मानवाधिकार मालविंदर सिंह सिद्धू के तौर पर हुई है। मरने वाला दामाद कृषि विभाग में आईआरएस था।

राहुल गांधी के ईडी के बयान पर अभय चौटाला ने कहा, कुछ गलत किया है तो गिरफ्तार किया जाना चाहिए

एजेंसी

करनाल । हरियाणा में चुनावी माहौल गर्माता जा रहा है। राजनीतिक दलों ने जन सभाएं शुरू कर दी हैं। शनिवार को हरियाणा के करनाल में असंध विधानसभा क्षेत्र में इनेलो और बसपा ने एक संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर राहुल गांधी के ईडी के बयान पर, इनेलो नेता अभय चौटाला ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने कुछ गलत किया है, तो ईडी को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। अगर उन्होंने कुछ गलत नहीं किया, तो ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। चौटाला ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी ऐसा ही बयान देंगे कि ईडी उन्हें गिरफ्तार करने वाली है।

सम्मेलन में इनेलो नेता अभय चौटाला ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर इनेलो और बसपा की सरकार बनती है, तो बुजुर्गों को 7500 रुपये पेंशन दी जाएगी। बिजली, पानी, और शिक्षा मुफ्त होगी,

और किसी भी व्यक्ति के बीमार होने पर उसका इलाज मुफ्त में किया जाएगा। गृहणियों के खाते में हर महीने 1100 रुपये डाले जाएंगे, रसोई गैस मुफ्त होगी, और राशन कार्ड पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अभय चौटाला ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने लंबे समय तक शासन किया और लूट-खसोट की। इसलिए वे इस तरह के बयान दे रहे हैं। जब उनसे दीपेंद्र हुड्डा और कुमारी शैलजा की यात्रा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने मीडिया से कहा कि यदि आप दीपेंद्र हुड्डा और कुमारी शैलजा के शुभचिंतक हैं, तो उन्हें साथ लेकर आएं। हम चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने किस पर साधा निशाना : राजनीति में पद, मद, स्थायी नहीं होते, पद का मद आ जाए तो कद घट जाता है

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे नेकहा कि राजनीति का दूसरा नाम उतार-चढ़ाव है। हर व्यक्ति को इस दौर से गुजरना पड़ता है, और इस दौरान तीन प्रमुख चीजें सामने आती हैं–पद, मद, और क़द। उन्होंने स्पष्ट किया कि पद और मद स्थायी नहीं होते, लेकिन क़द स्थायी होता है। यदि किसी को पद का मद आ जाए, तो उसका क़द घट सकता है। वसुंधरा राजे के इस बयान के भी कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

श्रीमती राजे शनिवार को जयपुर में आयोजितमदन राठौड़ के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने मदन राठौड़ को प्रदेश की कमान सौंपे जाने से उन पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने यह भी कहा कि आजकल लोगों को पद का मद आ ही जाता है, लेकिन मदन जी (मदन राठौड़) को कभी भी पद का मद नहीं आएगा। उनके अनुसार, जनता की चाहत, प्यार, और विश्वास सबसे बड़ा पद है, जिसे कोई भी छीन नहीं सकता। उन्होंने सबका प्रयास की थीम पर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि मदन जी के कार्यकाल को सफल बनाने के लिए सभी एकजुट होकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा मदन राठौड़ को राजस्थान भाजपा की कमान सौंपने की सराहना की। श्रीमती राजे ने विश्वास जताया कि मदन राठौड़ ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और काम करें।

इसके अलावा, श्रीमती राजे ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया और चंडीगढ़ के प्रशासक, और सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर को उनकी क़ाबिलियत के लिए बधाई दी और शुभकामनाएँ दीं।

अयोध्या दुष्कर्म मामले में सियासत गरमाई, अखिलेश ने की डीएनए टेस्ट की मांग, मायावती ने उठाए सवाल

एजेंसी

लखनऊ । यूपी के अयोध्या में बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोईद खान की बेकरी पर चल रहे बुलडोजर की कार्रवाई के बीच राजनीति गरमा गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने डीएनए टेस्ट का सुझाव दिया है तो मायावती ने सपा पर सवाल उठाए हैं।

अयोध्या में आरोपी पर चल रही कार्रवाई सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका डीएनए टेस्ट कराकर इंसाफ़ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए। जो भी दोषी हो उसे कानून के हिसाब से पूरी सज़ा दी जाए, लेकिन अगर डीएनए के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। यही न्याय की मांग है। इस पर बसपा मुखिया

मायावती ने पलटवार करते हुए सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से लिखा कि यूपी सरकार द्वारा अयोध्या के गैंगरेप केस में आरोपी के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई उचित, लेकिन सपा द्वारा यह कहना कि आरोपी का डीएनए टेस्ट होना चाहिये, इसे क्या समझा जाए। जबकि सपा को यह भी बताना चाहिए कि उनकी सरकार में ऐसे आरोपियों के खिलाफ कितने डीएनए टेस्ट हुए हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि यूपी में अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था में भी ख़ासकर महिला सुरक्षा व उत्पीड़न आदि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अयोध्या व लखनऊ आदि की घटनाएं अति-दुखद व चिन्तित करने वाली हैं। सरकार इनके निवारण के लिए जाति-बिरादरी एवं राजनीति से ऊपर उठकर सख़्त कदम उठाए तो बेहतर है। ज्ञात हो कि अयोध्या दुष्कर्म मामले में योगी सरकार एक्शन में है। बच्ची की मां से मुख्यमंत्री योगी की मुलाकात के 24 घंटे बाद आरोपी सपा नेता मोईद खान की बेकरी को बुलडोजर से ढहा दिया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह और अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह के साथ एसडीएम सोहावल अशोक सैनी की मौजूदगी में भारी पुलिस फोर्स को लेकर कार्रवाई शुरू की गई। अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सतेंद्र सिंह ने कहा कि बेकरी तालाब की जमीन पर बनी थी। जांच के बाद एक्शन लिया गया। आरोपी की अवैध संपत्तियों की जांच की जा रही है। इधर, योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद पीड़ित बच्ची से मिलने अस्पताल पहुंचे। बाहर निकलकर वह फूट-फूटकर रोए। उन्होंने कहा कि अखिलेश का पीडीए झूठा साबित हो रहा है। लगता है कि इन अपराधियों के सहारे इनकी जीत हुई।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विषय का बैठक

नामची। नामची जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग कि और से ऑफिसर्स क्लब नामची में एक बैठक आयोजित की। इस दौरान सुश्री अजीता राजलिम जिला अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं सत्र के दौरान एनएमसी के अध्यक्ष गणेश राई, प्रमुख सचिव (आईएफएस) सीएस रावं, सुश्री अनुपातमलिंग (डीसी नामची), सुभाष घिमिरे (एडीसी नामची), नीरज प्रधान (प्रमुख मुख्य अभियंता), श्रीमती शांति तमांग (मुख्य अभियंता), काजी शेरपा (संयुक्त निदेशक), निर्मल सिंनूरी (उप निदेशक), सुश्री विजेता छेत्री (एडी), विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि, पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग नामची के कर्मचारी और सभी होटल और होमस्टे हितधारक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान सुश्री अंजीता राजलिम ने नामची जिले में पर्यटन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने सदन को बताया कि जिले में बहुत सारे पर्यटन स्थल हैं और विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे सभी पर्यटन बुनियादी ढाँचे का उपयोग करें, क्योंकि कई कार्यात्मक नहीं हैं। उन्होंने यह भी अपील की कि पर्यटन स्थलों पर कई कैफेटेरिया को क्रियाशील बनाया जाए ताकि स्थानीय युवा इसका लाभ उठा सकें। प्रधान सचिव श्री सी.एस. राव ने नामची में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चल रही और भविष्य की पहलों पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि जिले में पर्यटन को बहुवा देने के लिए मुख्यमंत्री के आदेश पर यह बैठक आयोजित की गई थी।

केदारनाथ में फंसे यात्रियों को निकलने का काम जारी,अब तक 7234 यात्री रेस्क्यू

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के केदार घाटी में बुधवार रात्रि को हुई अत्यधिक बारिश के कारण केदार घाटी में कई जगह रास्ते क्षतिग्रस्त हुए हैं। विभिन्न पड़ावों पर फंसे तीर्थयात्रियों एवं स्थानीय लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस सहित अन्य सुरक्षा बल लगातार कार्य कर रहे हैं। अब तक कुल 7234 यात्रियों को हेलीकॉप्टर एवं मैनुअल तरीके से रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया है।

हर स्तर पर सभी लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बचाव कार्यों में तेजी लाने हेतु वायु सेना का चिनूक एवं एमआई 17 विमान से भी यात्रियों को एयर लिफ्ट किया गया। वहीं मैनुअल रेस्क्यू भी लगातार जारी है।

आपदा में मृतकों एवं गुमशुदा यात्रियों के संबंध में रुद्रप्रयाग प्रशासन द्वारा स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि अभी तक दो मृतकों के शव बरामद हुए हैं। दोनों

ही शव लिंचोली क्षेत्र से बरामद हुए हैं। किसी के गुमशुदा होने की कोई सूचना नहीं है। नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के कारण यात्रियों को परिजनों से संपर्क करने में समस्या हो रही है।

विभिन्न यात्रा पड़ावों पर ठहरे यात्रियों हेतु प्रशासन के स्तर से पर्याप्त भोजन, पानी व आवासीय व्यवस्था भी की गई हैं।

जनपद पुलिस के स्तर से हेल्पलाइन नम्बर 7579257572, 01364-233387 व आपातकालीन नम्बर 112 जारी कर यात्रियों के परिजनों की कॉल्स पर आवश्यक जानकारी दी जा रही है।

भीमबली में रुके यात्रियों को प्रीपेड काउंटर पर लगे वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से 150 यात्रियों ने अपने परिजनो से वार्ता कर अपनी-अपनी कुशलता दी गई है।

शुक्रवार को 599 लोगों को हेली सेवाओं से एयर लिफ्ट कर रेस्क्यू किया गया, जबकि सोनप्रयाग से जंगलचट्टी के बीच फंसे 2024 तथा चौमासी से 161 तीर्थयात्रियों का रेस्क्यू किया गया। अभी रेस्क्यू का अभियान बारिश के कारण बंद कर दिया गया है तथा सभी यात्री गण सुरक्षित स्थानों पर रखे गये हैं।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, वन विभाग, संबंधित जिला पुलिस और फायर एवं इमरजेंसी सेवाएं की टीमें बचाव कार्य में जुटीं हैं।

हरियाली अमावस्या पर दुर्ग पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध,अधिक भीड़ की संभावना से प्रशासन ने लिया निर्णय

एजेंसी

चित्तौड़गढ़। रविवार को जिले में मनाए जाने वाले हरियाली अमावस्या पर्व पर दुर्ग पर पर्यटकों के काफी संख्या में आने की संभावना एवं पदयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। दुपहिया, तिपहिया, चौपहिया व बड़े वाहनों का दुर्ग पर पूर्ण निषेध रहेगा। वाहनों की पार्किंग के लिए शहर में विशेष स्थान चिन्हित किये गए है।

चित्तौड़गढ़ जिले में प्रचुर मात्रा में पर्यटन स्थल होने व पर्यटन की श्रेणी में अग्रणी जिला होने की वजह से रविवार को मनाये जाने वाले हरियाली अमावस्या पर्व पर जिले के पर्यटन स्थलों पर लोगो की भीड़ अधिक रहेगी। चित्तौड़गढ़ दुर्ग विश्व प्रसिद्ध होने से यहां पर्यटक भारी संख्या में वाहन के साथ आएंगे जिससे उनके वाहनों से यातायात व कानून व्यवस्था सुचारू रखने एवं पदयात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से हरियाली अमावस्या पर यातायात के पुख्ता प्रबंध करते हुए दुर्ग पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध किया गया है।इस अवसर पर किसी प्रकार की

कोई दुर्घटना घटित ना हो और कानून व्यवस्था प्रभावीत ना हो इसके लिए हरियाली अमावस्या को देखते हुए दुर्ग पर समस्त प्रकार के वाहनों पर रोक लगाई गई है। वृत्ताधिकारी चित्तौड़गढ़ मुख्यालय तेजकुमार पाठक के अनुसार दुर्ग पर जाने वाले दुपहिया, तिपहिया व चौपहिया वाहनों को पाडन पॉल से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। हरियाली अमावस्या इस बार रविवार के दिन होने से अधिक पर्यटकों को आवाजाही के दृष्टिगत प्रातः7 बजे से रात्रि 10 बजे तक पाडनपोल से दुर्ग पर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहनो का आवागमन पुर्ण रूप से बंद रहेगा।

दुर्ग भ्रमण पर आने वाले आमजन के वाहनो की पार्किंग की व्यवस्था निम्न प्रकार रहेगी

कलेक्ट्री चौराया व बेगुं की तरफ से आने वाले वाहनो की पार्किंग व्यवस्था ईदगाह के पीछे द्वारिका धाम में रहेगी। गांधीनगर व पन्नाधाय बस स्टेण्ड की तरफ आने वाले वाहन चालक आने वाहनो को सुविधानुसार पद्मिनी मॉल के पीछे खनिज विभाग की रोड की साईड में व आकाशवाणी गांधीनगर वाली रोड पर एक साईड में सुव्यवस्थित पार्किंग करेगे। भारी वाहनो का शहर में पुर्णतया प्रवेश निषेध रहेगा। दुर्ग पर निवासरत लोग के भी दुपहिया, तिपहिया व चौपहिया वाहन दुर्ग पर नहीं आ जा सकेंगें। वे भी अपना आवश्यक कार्य 7 बजे पूर्व निपटाले। पुलिस उप अधीक्षक यातायात रामेश्वर लाल ने आमजन से यातायात व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस का सहयोग करने की अपील की है।

यूपी में 9 से 15 अगस्त तक हर घर फहराया जाएगा तिरंगा : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में 9 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं में काकोरी ट्रेन एक्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव को पूरे राज्य में विभिन्न गतिविधियों के साथ वर्षपर्यंत धूमधाम से मनाएगी। इस वर्ष 9 से 15 अगस्त 2024 के मध्य प्रदेशव्यापी हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव की शुरुआत आगामी 9 अगस्त से होगी। इस अवसर पर प्रदेश के शहीद स्मारकों, स्मृति स्थलों, अमृत सरोवरों के तट पर वृहद रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। समारोह में शहीदों के परिजनों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया जाए।

उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन, 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं, स्थलों व आजादी के ज्ञात-अज्ञात नायकों के संबंध में बुकलेट तैयार कराई जाए तथा प्रभात फेरी, सामान्य ज्ञान, चित्रकला, सुलेख-निबंध, वाद-विवाद, भाषण आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को जनपद व राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाए। विजेता बच्चों को काकोरी स्मारक स्थल का भ्रमण भी कराया जाए।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इन कार्यक्रमों से केंद्र व प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ें। पर्यटन व संस्कृति विभाग इस आयोजन का नोडल विभाग है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपदों को काकोरी ट्रेन एक्शन व हर घर तिरंगा से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर निर्देशित करें। साथ ही संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/विभागाध्यक्ष भी अपने स्तर से विभागीय अधिकारियों को इन कार्यक्रमों के बारे में दिशा-निर्देश दें। योगी ने कहा कि पुलिस, पीएसी, होमगार्ड, पैरामिलिट्री, मिलिट्री, एनसीसी व स्कूलों के बैंड का प्रशिक्षण कराते हुए 9 से 15 अगस्त तक प्रदेश के शहीद स्थलों, स्मारकों इत्यादि पर राष्ट्रधुन व राष्ट्रभक्ति के गीत बजाए जाएं। युवक व महिला मंगल दल, स्काउट गाइड, एनसीसी, एनएसएस के स्वयंसेवकों को भी काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव व हर घर तिरंगा कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न नागरिक संगठनों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसहभागिता के माध्यम से रक्तदान शिविर आदि का भी आयोजन किया जाए ।

कुछ रोमांचक करने की चाहत है तो बनें पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं।

जब भी लोगों की छुट्टियां होती हैं तो वह कुछ अलग और रोमांचक करना चाहते हैं। ऐसे में उनके मन में सबसे पहले पैराग्लाइडिंग करने का ख्याल आता है। जमीन से कई फुट ऊपर उड़ने की चाहत भले ही लोगों के मन में हो, लेकिन इसे बिना इंस्ट्रक्टर की मदद के नहीं किया जा सकता। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं, जो आम लोगों को भी कुछ ही देर में आसमान में उड़ने के लिए टेंड करते हैं। जिस तरह लोगों के मन में कुछ रोमांचक करने की चाहत बढ़ती जा रही हैं, उसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर की जरूरत भी काफी अधिक महसूस की जाने लगी है।

क्या होता है काम

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। वह उन्हें छोटी से छोटी बारीक बातों की भी जानकारी देते हैं ताकि आम पैराग्लाइडर के साथ कोई अनहोनी घटना न हो। वह ग्राउंड लेवल से लेकर 100 फुट से 1000 फुट तक उंचाई में उड़ने का अभ्यास कराते हैं। कुछ नए पैराग्लाइडर काफी डरते हैं, ऐसे में उनके मन से डर निकालने का काम भी एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का ही होता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में कुछ विशेष स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपका निडर, हमेशा कुछ एडवेंचर्स करने की चाहत होनी चाहिए।

यह नौ से पांच की जॉब नहीं है और कई बार छुट्टियों में आपको कई दिन घर से भी दूर रहना पड़ता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में केवल वही व्यक्ति टिक सकता है, जो साहसी, निडर, धैर्यवान व समझदार हो और वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत हो। कई बार खराब मौसम आपको चोटिल कर सकता है, इसलिए पैराग्लाइडिंग की टेक्निक जानने के साथ-साथ आपको मौसम व पर्यावरण की समझ भी होनी चाहिए। अपने काम के दौरान आपको कई तरह के लोगों को डील करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छे होने चाहिए और लोगों को गाइड करने की भी क्षमता होनी बेहद जरूरी है।

योग्यता

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आप दसवीं या बारहवीं के बाद इससे संबंधित कोर्स व उचित टेनिंग लें। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सिर्फ कोर्स करना काफी नहीं है, बल्कि आपको नियमित अभ्यास की जरूरत होती है। जब आप एक कुशल पैराग्लाइडर बन जाते हैं, तभी आप अपना करियर शुरू करें।

संभावनाएं

पैराग्लाइडिंग में कुशलता हासिल करने के बाद आप किसी टूरिस्ट कंपनी, हॉलिडे रिसॉर्ट, आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो किसी फेमस टूरिस्ट स्पॉट पर खुद का टेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं। जहां पर आप नए पैराग्लाइडर को दो-तीन दिन की टेनिंग देकर उड़ने के लिए सक्षम बना सकते हैं।

आमदनी

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर के रूप में आप शुरूआती तौर पर 15 से 20 हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी बढ़ती जाती है। वहीं अगर आप खुद को टेनिंग स्कूल खोलते हैं तो आपकी आमदनी आपके काम पर निर्भर करेगी।

प्रमुख संस्थान

- अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग
- इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे
- पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा
- निर्वाण एंडवेचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,
- इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई

मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं।

समुद्री जीवन में रखते हैं रूचि तो बनाएं मरीन बायोलॉजी में कॅरियर

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं। अगर आप भी कुछ थ्रिलिंग करने में विश्वास रखते हैं और समुद्री जीवन का रहस्य आपको अपनी ओर आकर्षित करता है तो आप मरीन बायोलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। यह एक ऐसा कॅरियर विकल्प है, जो काफी अलग है, इसलिए अगर आप इस क्षेत्र में जाने की सोच रहे हैं तो आपको इसके बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए

क्या होता है काम

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

स्किल्स

अगर आप भी इस क्षेत्र में खुद को स्थापिक करने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले आपमें समुद्री जीवन व उसके बारे में विस्तार से जानने की गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा आपका शारीरिक व मानसिक तौर पर काफी मजबूत होना जरूरी है। इस क्षेत्र में काम का कोई निश्चित समय नहीं होता और इसलिए आपको इसके लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए। इसके अलावा इस क्षेत्र में आपके भीतर ऑब्जर्वेशन स्किल भी बेहतरीन होनी चाहिए ताकि आपके द्वारा की गई रिसर्च काम आ सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपके पास बैचलर डिग्री या मास्टर डिग्री होनी चाहिए। वहीं अगर आप कहीं पर बतौर फैकल्टी पढ़ाना चाहते हैं तो आपके पास इस क्षेत्र में डॉक्टरल डिग्री होनी चाहिए। बहुत से संस्थान मरीन बायोलॉजी में विभिन्न कोर्स करवाते हैं। वैसे अगर आप चाहें तो बायोलॉजी, जूलॉजी, फिशरीज, ईकोलॉजी और एनिमल साइंस में बैचलर डिग्री प्राप्त करने के बाद कदम बढ़ा सकते हैं।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद छात्र सरकारी नौकरी कर सकते हैं या फिर आप एन्वार्यनमेंटल लैबोरेट्रीज, वॉटर इंडस्ट्रीज, कोस्टल अथॉरिटीज के साथ जुड़कर में भी काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ समय के अनुभव के बाद आप विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी यूनिवर्सिटी और शोध संस्थानों में बतौर लेक्चरार भी पढ़ा सकते हैं। वैसे कोर्स के बाद आप विदेशों में भी आसानी से करियर की राहें तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपकी शुरूआती आमदनी 15000 से 25000 के बीच होती है। इसके बाद आपका अनुभव बढ़ने के साथ आमदनी में भी इजाफा होता है।

प्रमुख संस्थान

- द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफ
- आईआईटी मद्रास
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़
- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- अन्नामलई यूनिवर्सिटी, अन्नामलई नगर
- गोवा यूनिवर्सिटी, पणजी

किताबों से करते हैं प्यार, तो बनाएं लाइब्रेरी साइंस में कॅरियर

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है।

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से बेइंतहा प्यार होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशिंग हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर
- राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर
- बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस
- डीजी कॉलेज, सिविल लाइंस
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलाई नगर
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
- माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलज्म, भोपाल

हिन्दी भाषा में डिग्री प्राप्त करने के बाद यहां बनाएं कॅरियर

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं।

यह सच है कि हमारे देश में अंग्रेजी भाषा को काफी महत्व दिया जाता है, लेकिन इससे हिन्दी भाषा की महत्ता कम नहीं हो जाती। पिछले कुछ समय में हिन्दी के महत्व को दोबारा समझा जाने लगा है। हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो सदियों से चली आ रही है और वर्तमान में यह दुनिया की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में, हिंदी राष्ट्र की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। अगर आपको हिन्दी भाषा से प्रेम है और आपने हिन्दी में बीए या एमए किया है तो आप टीचिंग के अलावा भी कई क्षेत्रों में खुद को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पत्रकारिता

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं। अगर आप घर बैठकर ही कमाई करना चाहते हैं और हिन्दी भाषा में पकड़ के साथ-साथ आपका लेखन भी अच्छा है तो आप किसी ऑनलाइन हिन्दी वेबसाइट के लिए भी घर बैठकर लिख सकते हैं।

सरकारी नौकरी

सरकारी नौकरी प्राप्त करना अधिकतर लोगों का सपना होता है। आप बीए हिन्दी व एमए हिन्दी करने के बाद केन्द्रीय व राज्यों सेवाओं के अतिरिक्त एसएससी और पीएसयू में भी आवेदन कर सकते हैं।

स्क्रीन राइटिंग

बॉलीवुड फिल्म जगत और टेलीविजन शो में ऐसे राइटर्स की खासी डिमांड होती है, जिनका हिन्दी ज्ञान अच्छा हो। यहां तक कि ऑनलाइन जगत जैसे नेटफ्लिक्स और अमेजॅन पर भी हिन्दी टीवी शोज प्रसारित किए जा रहे हैं। अगर आप हिन्दी में अच्छे हैं तो आप प्रॉडक्शन हाउस, मीडिया हाउस में स्क्रप्टि राइटिंग, डायलॉग्स या लिरिक्स भी लिख सकते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन राइटर बनना चाहते हैं तो आपको बीए हिन्दी करने के बाद स्क्रीन राइटिंग कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करनी होगी ताकि आपके भीतर लेखन की अच्छी समझ विकसित हो सके।

अनुवादक

यह भी एक मजेदार करियर ऑप्शन है, जिसमें आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती और अगर आप चाहें तो घर बैठकर अपनी सुविधानुसार काम कर सकते हैं। एक बेहतरीन अनुवादक बनने के लिए आपकी हिन्दी के साथ-साथ किसी अन्य दूसरी भाषा पर भी पकड़ अच्छी होनी चाहिए। चूंकि आजकल हर कंपनी खुद को बेचना चाहती है, लेकिन भारत में बहुत से लोग अंग्रेजी या अन्य भाषा नहीं समझते, इसलिए अधिकतर कंपनियां अपना कंटेंट हिन्दी में मुहैया कराने के लिए ट्रांसलेटर्स की मदद लेती है।

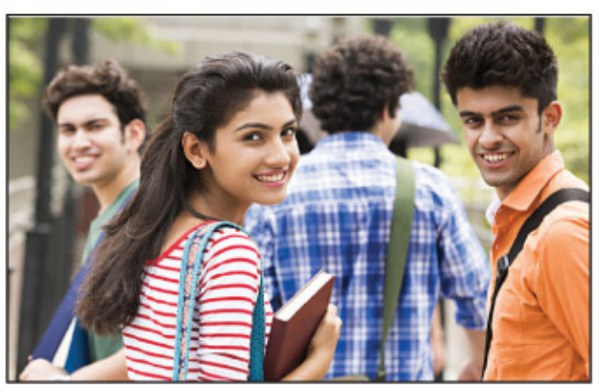

पेरिस ओलंपिक: भारत ने 1972 के बाद ओलंपिक में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में चल रहे पेरिस ओलंपिक में पूल बी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से शिकस्त दी। म्यूनिख में 1972 ओलंपिक के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उनकी पहली जीत है। भारत ने अपने पिछले गेम में गत चैंपियन बेल्जियम से 1-2 से हार के बाद वापसी की। भारत ने मैच में तेज शुरुआत की और पहले क्वार्टर में अभिषेक (12फीसदी) और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (13फीसदी) ने दो मिनट के भीतर स्कोर कर भारतीय टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालाँकि, थॉमस क्रेग (25फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को फिर से मुकाबले में ला दिया।मैच के 32वें मिनट में हरमनप्रीत ने अपना दूसरा गोल किया और भारत को 3-1 की बढ़त दिला दी। मैच के 55वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्लेक गोवर्स ने गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। भारत, ने बॉल पजेशन में 54फीसदी के साथ अपना दबदबा बनाया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने आक्रमण करते हुए 37 बार सर्कल में प्रवेश किया, जो कि भारत से कहीं अधिक है, जिसने सिर्फ 17 मौके बनाए। इस जीत के साथ, भारत तीन जीत, दो ड्रॉ और एक हार के साथ पूल बी में ऑस्ट्रेलिया को हटाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया तीन जीत और दो हार के साथ तीसरे स्थान पर है।

किशन के यूपी लीग में चयन से हर्ष

एजेंसी

प्रयागराज। शहर के युवा गेंदबाज किशन सिंह के यूपी टी-20 लीग में चयनित होने पर दिल्ली पब्लिक स्कूल ने हर्ष जताया है। नैनी स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में चलने वाली आशीष नेहरा क्रिकेट अकादमी के प्रशिक्षु बाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज किशन सिंह को लखनऊ फ़ालकंस ने 3.50 लाख में खरीदा है। उत्तर प्रदेश की अंडर-16 एवं अंडर-19 टीम के सदस्य रह चुके किशन पिछले दो साल से आईपीएल में गुजरात टाइटंस के नेट गेंदबाज हैं। किशन के चयन पर डीपीएस की प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह, अध्यक्ष सोनू सिंह, कोआर्डिनेटर प्रवीण कुमार, आशीष नेहरा अकादमी की कोच स्वाति सिंह, यशवर्धन उचहारिया, शिवराम पटेल, मोहसिन अली और श्याम पटेल ने हर्ष व्यक्त किया है।

भारतीय रेसिंग महोत्सव में गोवा एसेस के मालिक बने जॉन अब्राहम

नई दिल्ली। अभिनेता जॉन अब्राहम इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024 में गोवा एसेस के मालिक के बने हैं। रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड (आरपीपीएल) द्वारा परिकल्पित इंडियन रेसिंग फेस्टिवल का आयोजन 24 अगस्त से 17 नवंबर तक किया जाएगा। इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आईआरएल और एफआईए फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप (एफ4आईसी) की विशेषता वाला यह रोमांचक उत्सव असाधारण रेसिंग रोमांच का एक नया सीजन पेश करने के लिए तैयार है। आईआरएल की एक प्रेस विज्ञप्ति में आरपीपीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अखिलेश रेड्डी ने कहा, गोवा एसेस के मालिक के रूप में जॉन अब्राहम के आने से गोवा को एक प्रमुख मोटरस्पोर्ट्स स्थल के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएं खुलेंगी। रेसिंग के प्रति जॉन का गहरा जुनून और बाइक और कारों का उनका संग्रह इस खेल में रुचि को बढ़ाएगा, जिससे क्षेत्र की गौरवशाली खेल संस्कृति में इज़ाफा होगा। यह रणनीतिक कदम मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में गोवा की स्थिति को भी ऊंचा करेगा और पारंपरिक रेसिंग सर्किलों से परे इसकी अपील का विस्तार करेगा।

फुटबॉल के स्वामित्व में अपनी भागीदारी के लिए जाने जाने वाले अब्राहम अब गोवा एसेस बाय जेए रेसिंग के मालिक के रूप में मोटरस्पोर्ट्स में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं। खेल के प्रति उनके गहरे जुनून, मोटरस्पोर्ट्स समुदाय को प्रेरित करने की प्रतिबद्धता और वैश्विक मंच पर चमकने की भारत की क्षमता में विश्वास के साथ, अब्राहम की भूमिका भारतीय रेसिंग महोत्सव के दृष्टिकोण को गहराई से बढ़ाने के लिए तैयार है।

पेरिस ओलंपिकः मनु भाकर ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल के लिये किया क्वालीफाई, ईशा सिंह बाहर

पेरिस। रिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में,भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया और 590-24× के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। वह दोपहर 1 बजे फाइनल खेलेंगी। इसके विपरीत, 19 वर्षीय ईशा सिंह, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया था, इसी स्पर्धा में 18वें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई नहीं कर सकीं। हंगरी की वेरोनिका मेजर ने 592 के ओलंपिक क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड की बराबरी की। ईरान की हनीयेह रोस्तमियान शीर्ष तीन में शामिल हैं।इस वैश्विक मंच पर नवागंतुक होने के बावजूद, ईशा सिंह ने उल्लेखनीय क्षमता दिखाई है। 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के सटीक चरण में उनके प्रदर्शन ने संकेत दिया कि वह क्वालीफिकेशन राउंड में एक मजबूत प्रतियोगी हो सकती हैं। पिछले साल, उन्होंने एशियाई खेलों में तीन पदक एक स्वर्ण और दो रजत जीतकर सुर्खियाँ बटोरीं थीं।

चेप्टेगी ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ 10,000 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण, यूएसए ने मिश्रित 4×400 मीटर में बनाया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी

पेरिस। युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी, जो तीन बार विश्व 10,000 मीटर चैंपियन हैं, स्टेड डी फ्रांस में चल रहे पेरिस 2024 खेलों के पहले ट्रैक और फील्ड फाइनल में ओलंपिक 10,000 मीटर चैंपियन बने। जोशुआ चेप्टेगी ने 26:43.14 का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया। सबसे तेज फिनिश करने वाले इथियोपिया के बेरिहू आरेगावी ने 26:43.44 के समय के साथ रजत जीता, जबकि यूएसए के ग्रांट फिशर ने अपनी फॉर्म को बरकरार रखते हुए 26:43.46 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। मिश्रित 4×400 मीटर हीट में वर्नोन नोरवुड, शमीर लिटिल, ब्राइस डेडमॉन और केलीन ब्राउन की अमेरिकी चौकड़ी ने स्वर्ण पदक

जीता। अमेरिकी चौकड़ी ने 3:07.41 का समय लेकर एक सेकंड से अधिक अंतर से पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया - जो पिछले वर्ष बुडापेस्ट में अमेरिका द्वारा विश्व खिताब जीतने के समय बनाया गया था। नॉरवुड ने 44.47 सेकंड में दौड़कर अमेरिकी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, फिर लिटिल ने दूसरे चरण में 49.32 सेकंड में दौड़कर बढ़त को बढ़ाया, जो प्रारंभिक दौर में किसी भी महिला का सबसे तेज़ लैप था।

डेडमॉन ने तीसरे चरण में 44.17 सेकंड लिया और फिर ब्राउन ने 49.45 सेकंड लेकर अमेरिकी टीम को जीत दिलाई। ब्राउन ने फ्रांस से तीन सेकंड से अधिक समय पहले रेखा पार की, जिसने 3:10.60 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। बेल्जियम 3:10.74 के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जो एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर आत्मविश्वास महसूस कर रहा हूं : धीरज बोम्मादेवरा

एजेंसी

पेरिस। चल रहे पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में क्वालीफाई करने के बाद, भारत के निशानेबाज धीरज बोम्मादेवरा ने कहा कि वह और अंकिता भक्त 'आत्मविश्वास' महसूस कर रहे हैं। क्वालीफिकेशन राउंड के बाद बोम्मादेवरा ने कहा कि उन्होंने क्वार्टरफाइनल राउंड के लिए अपनी मानसिकता तय कर ली है। बोम्मादेवरा ने ओलंपिक डॉट कॉम के हवाले से कहा, हम काफी आश्वस्त महसूस कर रहे हैं। आज हमारी एक ही मानसिकता है कि हमें अपनी शूटिंग के लिए पछतावा नहीं होगा। पहले दिन जब मैंने टीम मैच खेले, तो मैंने सोचा कि दबाव विश्व कप चरणों की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक होगा। लेकिन जब मैं यहां आया, तो यह 90 प्रतिशत अधिक था। उन्होंने कहा, मुझे एहसास हुआ कि ओलंपिक में दबाव की कोई सीमा नहीं है। इसलिए मैंने इसे स्वीकार करना शुरू कर दिया। मैंने दबाव का सामना करना शुरू कर दिया। मैंने खुद पर ध्यान केंद्रित किया। मैंने इसके लिए तैयारी की। भारतीय तीरंदाज अंकिता भक्त और धीरज बोम्मादेवरा ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में इंडोनेशिया के दियानंदा चोइरुनिसा और आरिफ पंगेस्टू को हराकर तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वेस्टइंडीज के घरेलू टेस्ट मैचों के लिए रोच की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। केमार रोच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। काउंटी चैंपियनशिप के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण रोच को वेस्टइंडीज के हाल ही में संपन्न इंग्लैंड दौरे से बाहर होना पड़ा था। इस बीच, साथी तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आराम दिया गया है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ दा सिल्वा उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मुख्य कोच आंद्रे कोली ने सीडब्ल्यूआई प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हमने इस श्रृंखला के लिए अपने उप-कप्तान अल्जारी जोसेफ को आराम देने का फैसला किया है। अल्जारी पर हाल ही में काफी काम का बोझ रहा है, और यह ब्रेक उसे स्वस्थ होने और शीर्ष प्रदर्शन पर लौटने का मौका देगा। ऑफ स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर केविन सिंक्लेयर टीम का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि वे अभी तक बाएं हाथ की हड्डी में हुए फ्रैक्चर से उबर नहीं पाए हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे के दौरान नॉटिंघम में मार्क वुड की गेंद पर चोट लगी थी। अनकैप्ड ऑफ

स्पिनर ब्रायन चार्ल्स, तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन, जो इंग्लैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे, को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक माइल्स बैसकॉम्ब ने कहा, इस टीम के लिए चयन प्रक्रिया का नेतृत्व हमारे मुख्य कोच आंद्रे कोली ने किया था, हमारी नई चयन प्रक्रिया के कार्यान्वयन के लिए लंबित है, जिसे आने वाले दिनों में लागू किया जाएगा और जल्द ही सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया जाएगा। वेस्टइंडीज की टीम इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला 3-0 से हारी थी और वर्तमान में सात मैचों में एक जीत के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में सबसे नीचे है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट पोर्ट-ऑफ-स्पेन, त्रिनिदाद में 7 से 11 अगस्त तक और प्रोविडेंस, गुयाना में 15 से 19 अगस्त तक खेले जाएंगे।

रोहित शर्मा ने तोड़ा डेविड वॉर्नर का रिकॉर्ड

कोलंबो। लंबे समय बाद भारत के कप्तान रोहित शर्मा वनडे में बेहतरीन फॉर्म में दिखे। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में उन्होंने अपनी पारी के दौरान बतौर ओपनर 15,000 रन पूरे कर लिए। साथ ही वह भारत की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट में 15,000 रन का आंकड़ा छूने वाले तीसरे बल्लेबाज बने साथ ही साथ बतौर ओपनर वो सबसे तेज 15000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए। रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में अपनी पारी के दौरान बतौर ओपनर 15 हजार रन पूरे कर लिए हैं। रोहित ने ये कमाल 352वें पारियों में किया, उन्होंने डेविड वॉर्नर को पछाड़ दिया है। वॉर्नर ने 361 पारी में ऐसा करने वाले खिलाड़ी थी। रोहित दूसरे तो वॉर्नर तीसरे बतौर ओपनर सबसे तेज 15 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने जबकि वॉर्नर तीसरे नंबर पर खिसक गए। जबकि इस लिस्ट में टॉप पर भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने ऐसा 333 पारियों में किया था। रोहित बतौर ओपनर 15 हजार रन पूरे कर लिए हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट में वो ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने। साथ ही रोहित शर्मा से पहले इस लिस्ट में वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर हैं। यहां वीरेंद्र सहवाग के 16119 रन है जबकि 15335 रन भी हैं।

फ्रांस ने अर्जेंटीना को हराकर सेमीफाइनल के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

पेरिस। फिलिप माटेता के एकमात्र गोल की बदौलत फ्रांस ने शनिवार (भारतीय समयानुसार) को अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

जीन-फिलिप माटेटा ने मैच के पांचवें मिनट में ही हेडर के जरिये गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी थी, जो मैच के अंत समय तक बरकरार रहा।

हालांकि मैच के 83वें मिनट में माइकल ओलिस ने शानदार गोल किया, जिसे फाउल करार दे दिया गया।। गेंद दाएं फ्लैंक से बॉक्स के अंदर ओलिस के पास पहुंची। उन्होंने शॉट मारा, जो डिफेंडर से टकराकर गोल में चला गया। लेकिन इस गोल को फाउल मानते हुए इसे अस्वीकार कर दिया गया। बावजूद, इसके मेजबान देश ने मैच के अंतिम दस मिनट तक धैर्य बनाए रखा और बढ़त सुनिश्चित की। मैच जीतने के बाद

फ्रांस के सेंटर-बैक लोइक बेडे ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण मैच था और हम विजेता बनकर उभरे।

बता दें कि मैच के दौरान दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच काफी नोकझोक भी हुई और मैच समाप्त होने पर यह लड़ाई में बदल गई, हालांकि मैच रेफरी और अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद सबकुछ सामान्य हो गया।फ्रांस का सामना 5 अगस्त को सेमीफाइनल में मिस्र से होगा, जबकि स्पेन का सामना अंतिम चार के अन्य मैच में मोरक्को से होगा।

पेरिस ओलंपिक बैडमिंटन: लक्ष्य सेन ने रचा इतिहास, पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

पेरिस। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बन गए हैं। सेन ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को 19-21, 21-15, 21-12 से हराया। सेन ने इससे पहले गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में साथी भारतीय खिलाड़ी एचएस प्रणय को 21-12, 21-6 से हराया था।

सेन का अगला मुकाबला रविवार (4 अगस्त) को सेमीफाइनल में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन या सिंगापुर के लोह कीन यू से होगा। पहले गेम में सेन और चोउ टीएन-चेन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। चोउ ने शुरुआत में 5-3 की बढ़त ले ली थी, और सेन ने एक समय पर स्कोर 6-6 करने के लिए जोरदार प्रयास किया। हालाँकि, चोउ अपने शॉट्स की रेंज के साथ और भी अधिक आक्रामक थे, जिसके कारण उन्होंने पहले गेम में 11-9 की बढ़त ले ली। हालाँकि, सेन ने एक बार फिर वापसी की और स्कोर 15-15 से बराबर कर दिया, उन्होंने बाद में 18-17 की बढ़त बना ली थी, लेकिन यहां से चोउ ने वापसी की और पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया।

पहला सेट हारने के बाद सेन ने बेहतरीन वापसी की और अगले दोनों

सेट आसानी से 21-15, 21-12 से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पेरिस ओलंपिक: जोकोविच फाइनल में, स्वर्ण के लिए अल्काराज से होगा सामना

एजेंसी

पेरिस। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को 6-4, 6-2 से हराकर देर रात को अपने पहले ओलंपिक फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच अब स्वर्ण पदक मुकाबले में कार्लोस अल्काराज का सामना करेंगे। 37 वर्षीय खिलाड़ी को उच्च गुणवत्ता वाले मैच में लोरेंजो मुसेट्टी से कोर्ट फिलिप चैटियर पर कड़ी टक्कर मिली इस दौरान जोकोविच ने कई बार अपना परेशान भी हुए, लेकिन निर्णायक क्षणों में उन्होंने कड़ी मेहनत करके जीत हासिल की।शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच अपने पिछले तीन ओलंपिक एकल सेमीफाइनल हार गए थे और स्वर्ण पदक उनके करियर का एकमात्र बड़ा मिल का पत्थर साबित होगा। स्वर्ण पदक मुकाबले में जोकोविच का सामना स्पेन के अल्काराज से होगा, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त मुसेट्टी का सामना कांस्य पदक के लिए कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से होगा।

भारतीय शॉटपुट एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर का पेरिस ओलंपिक में अभियान समाप्त

एजेंसी

पेरिस। तजिंदरपाल सिंह तूर के क्वालीफिकेशन राउंड से बाहर होने के बाद चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की शॉटपुट स्पर्धा में भारत की चुनौती समाप्त हो गई।

दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, जिन्होंने 21.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ शॉटपुट में अपनी क्षमता का दावा किया, अपने खेल से दूर दिखे। शॉटपुट में अक्सर अग्रणी माने जाने वाले तूर ग्रुप ए में 15वें स्थान पर खिसक गए, उन्होंने तीन प्रयासों में 18.05 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए तूर को शीर्ष 12 में जगह बनाने की जरूरत थी। हालांकि, 18.05 मीटर के प्रयास के बाद, दो फाउल थ्रो के बाद, तजिंदर का पेरिस ओलंपिक में सफर एक भयानक अंत पर पहुंच गया। अपने पहले थ्रो के बाद, तूर 14वें स्थान पर आ गए। उनका दूसरा प्रयास फाउल गया।अपने तीसरे और अंतिम प्रयास में, उन्हें क्वालीफिकेशन मार्क को पार करने के लिए पुर्तगाल के त्सांको

अनौदेव के 20.09 मीटर के थ्रो को पार करना था।लेकिन उनके तीसरे थ्रो को फिर से फाउल थ्रो माना गया, जिससे पेरिस ओलंपिक में उनका अभियान समाप्त हो गया। इटली के शॉटपुट खिलाड़ी लियोनार्डो फैब्री ने 21.76 मीटर के थ्रो के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर चेक ओलंपिक एथलीट टॉमस स्टेनक रहे, जिन्होंने 21.61 मीटर की दूरी तय की।पंजाब के खोसा पांडो गांव में जन्मे और पले-बढ़े तूर के नाम कई उपलब्धियां हैं। 2017 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तूर ने रजत पदक जीता। 2018 एशियाई खेलों में, वह स्वर्ण पदक के साथ भारत लौटे। 2019 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2023 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2023 एशियाई खेलों में, तूर ने अपने गले में स्वर्ण पदक के साथ पोडियम के शीर्ष पर खड़े हुए। अपने करियर के दौरान, 21.49 मीटर के थ्रो के साथ, उन्होंने 21.13 मीटर के 12 साल पुराने एशियाई रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

उन्होंने जो रिकॉर्ड तोड़ा वह सऊदी अरब के सुल्तान अब्दुलमजीद अल-हेब्शी ने बनाया था। तूर ने जून 2024 तक यह रिकॉर्ड अपने नाम रखा। आखिरकार मैड्रिड में एक एथलेटिक्स मीट में सऊदी अरब के शॉटपुट खिलाड़ी मोहम्मद दाउदा टोलो ने उनके प्रयास को पीछे छोड़ दिया।

श्रीलंकाई स्पिनरों का चला जादू, रोहित के अर्धशतक के बावजूद भारत के साथ पहला वनडे ड्रा

एजेंसी

कोलंबो। कप्तान चरिथ असालंका के बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला का पहला एकदिवसीय मैच ड्रा करा लिया। 48वें ओवर की तीसरी गेंद पर शिवम दुबे ने चौका मारकर स्कोर बराबरी पर कर लिया, यहां से भारत की जीत तय थी, लेकिन तभी कप्तान ने चौथी गेंद पर दुबे और पांचवीं गेंद पर अर्शदीप को आउट कर भारत के जबड़े से जीत खिंच ली।

231 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा ने शुभमन गिल के साथ मिल कर चीर-परिचित अंदाज में तेज शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 12.3 ओवर में 75 रन जोड़ दिये। इसी स्कोर पर गिल (16) को दुनिथ वेल्लालागे ने आउट कर भारत को पहला झटका दिया। 80 के कुल स्कोर पर कप्तान रोहित शर्मा को भी वेल्लालागे ने अपना शिकार बनाया। रोहित ने 47 गेंदों पर 58 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर (05), विराट कोहली (24) और श्रेयस अय्यर (23) भी 132 के

स्कोर तक पवेलियन लौट गए।

यहां से केएल राहुल और अक्षर पटेल ने पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम को मैच में वापसी दिलाई। 189 के कुल स्कोर पर राहुल 31 रन बनाकर वानिंदु हसरंगा का शिकार बने। 197 के कुल स्कोर पर अक्षर पटेल भी 33 रन बनाकर कप्तान असालंका की गेंद पर कुसल मेंडिस को कैच थमा बैठे। इसके बाद 211 के कुल स्कोर पर हसरंगा ने कुलदीप यादव (02) को बोल्ड कर दिया। यहां से शिवम दुबे ने दो छक्के और एक चौका लगाकर भारत का स्कोर श्रीलंका के बराबरी पर पहुंचा दिया। यहां से लग रहा था कि भारत मैच अब जीत गया, लेकिन तभी कप्तान ने चौथी गेंद पर दुबे और पांचवीं गेंद पर अर्शदीप को आउट कर मैच ड्रा करा लिया। शिवम दुबे ने 24 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्के की बदौलत 25 रन बनाए, मोहम्मद सिराज 5 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से कप्तान चरिथ असालंका और वानिंदु हसरंगा ने 3-3 और दुनिथ वेल्लालागे ने 2 व असिता फर्नांडो और अकिला धनंजय ने 1-1 विकेट लिया।श्रीलंका ने 50 ओवर में 8 विकेट पर बनाए 230 रन, निसंका और वेल्लालागे का अर्धशतक इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने दुनिथ वेल्लालागे (नाबाद 67) और पाथुम निसंका (56) के बेहतरीन अर्धशतकों की बदौलत 50 ओवर में 8 विकेट पर 230 रन बनाए। इन दोनों के अलावा जनिथ लियांगे ने 20, वानिंदु हसरंगा ने 24 और धनंजय डीसिल्वा ने 17 रन बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने 2-2, मोहम्मद सिराज, शिवम दुबे, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर ने 1-1 विकेट लिया।

पेरिस ओलंपिक : तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में अंकिता-धीरज कांस्य से चूके

पेरिस। अंकिता भक्त और धीरज बोम्मादेवरा को तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मैच में यूएसए के केसी कॉफोल्ड और ब्रैडी एलिसन से 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। ओलंपिक में मिश्रित तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली जोड़ी बनकर इतिहास रचने के बावजूद, अंकिता और धीरज के तीर निर्णायक क्षण में निशाने से चूक गए, जिससे पेरिस ओलंपिक में उनका अभियान समाप्त हो गया। भारतीय जोड़ी कांस्य पदक के करीब पहुंची, लेकिन बहुत पीछे रह गई। अंकिता के शुरुआती शॉट में सात अंक हासिल करने के बाद वे आदर्श शुरुआत नहीं कर पाए। अमेरिकी जोड़ी ने मौके का फायदा उठाया और पहला सेट एक अंक से अपने नाम कर लिया। अमेरिकी तीरंदाजों ने कांस्य पदक मुकाबले में 2-0 (38-37) से बढ़त बना ली दूसरे सेट में अंकिता

ने एक बार फिर सात अंक हासिल किए, लेकिन धीरज ने अपने तीर को 10 अंक वाले क्षेत्र में भेजकर सुधार किया। केसी द्वारा रेड जोन में आठ अंक हासिल करने के बाद पदक मैच खुला। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद नौ-नौ अंक हासिल किए। हालांकि, ब्रैंडी के दस अंक ने दूसरे सेट को अमेरिका (37-35) के पक्ष में कर दिया। जीत के लिए ज़रूरी सेट में अंकिता ने दस का स्कोर करके माहौल बनाया और धीरज ने नौ का स्कोर बनाया। ब्रैंडी ने दस का स्कोर करके जोरदार जवाब दिया, लेकिन केसी ने अपने तीर को रेड ज़ोन में सात के स्कोर पर भेजकर दबाव बनाया। भारत ने शुरुआत का फ़ायदा उठाया और 2-4 (38-34) से अंतर कम किया। चौथे सेट में, जिसने भारत के भाग्य का फैसला किया, अंकिता ने आठ का स्कोर करके शुरुआत की और धीरज ने नौ का स्कोर बनाया। अमेरिकी तीरंदाजों ने इस मौके का पूरा फ़ायदा उठाया और 6-2 से जीत के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत के चौथे पदक के लिए खेलने से पहले धीरज और अंकिता दक्षिण कोरिया के किम वूजिन और लिम सिहयोन के खिलाफ़ सेमीफ़ाइनल में हार गए थे।

हिना खान

ने ब्रेस्ट कैंसर के बीच उठाया बड़ा कदम, झड़ रहे बालों के चलते मुंडवा लिया सिर

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक पर अपनी अदाकारी का दम दिखाने वाली एक्ट्रेस हिना खान इस वक्त अपनी जिंदगी के बड़े मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. एक्ट्रेस को ब्रेस्ट कैंसर हो गया है और उनका इलाज भी जारी है. लेकिन इस इलाज के दौरान भी उन्हें काफी दर्द से गुजरना पड़ रहा है. कीमोथेरेपी के चलते हिना खान के बाल लगातार झड़ते जा रहे हैं. हालांकि उन्होंने पहले ही अपने लंबे बालों को शॉर्ट कर लिया था. लेकिन इतने से बात नहीं बनी अब उन्होंने एक बड़ा कदम उठाया है.हिना खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसे देखने के बाद आप भी कहेंगे कि वो कितनी स्ट्रॉन्ग हैं. वीडियो में हिना ने अपने झड़ते बालों की झलक दिखाई है. कभी अपने हाथों में तो कभी अपने तकिए पर उनके झड़ते हुए बाल साफ-साफ देखे जा सकते हैं. हर दिन इस दर्द से न गुजरना पड़े इसलिए हिना ने अपना सिर मुंडवा लिया है. एक्ट्रेस ने अपने वीडियो में बताया है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया.

हिना की मानें तो वो हर तरफ अपने बालों को गिरता देख खुदको टूटने नहीं देना चाहती थी. इसलिए उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाया और अपने सारे बाल कटवाने

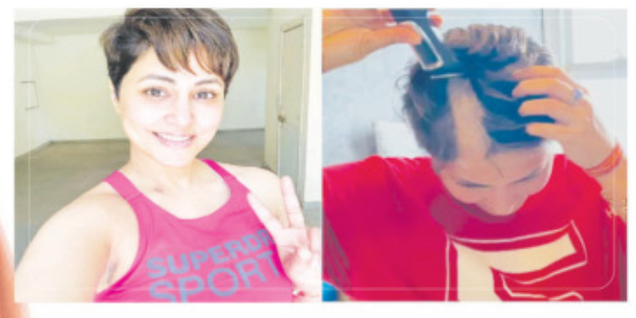

का फैसला लिया. एक्ट्रेस ने अपने दिल पर पत्थर रखकर ट्रिमर उठाया और अपने बालों को जड़ से काटना शुरू कर दिया. हिना खान की हिम्मत की हर कोई तारीफ कर रहा है. साथ ही फैन्स उनका हौसला भी बढ़ा रहे हैं. एक्ट्रेस बाल्ड लुक में भी बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इस वीडियो को शेयर करते हुए हिना खान ने कैप्शन में लिखा, 'इस सफर के सबसे मुश्किल समय को नॉर्मल बनाने की ये एक कोशिश है. याद रखिए महिलाएंग् हमारी ताकत हमारा धैर्य और शांति है. अगर हम अपना दिमाग लगा लें तो कुछ भी मुश्किल नहीं है.हिना खान ने अपने वीडियो के जरिए इस दौर से गुजरने वाले हर शख्स को हिम्मत दी है और उन्हें बताया है कि उनके साथ-साथ सभी को अपनी मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना जरूरी है. आपके बस में जो है आप उसे जरूर करें और अपनी मेंटल हेल्थ का पूरा-पूरा ध्यान रखे. टीवी के तमाम सितारों ने हिना खान के जल्द ठीक होने के लिए दुआ की है. सभी यूजर्स और फैन्स भी उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं.

वो 5 कंटेस्टेंट जिन्होंने अपने गुस्से से सलमान खान को भी हैरान कर दिया

सलमान खान का शो बिग बॉस काफी समय से सुर्खियों में रहा है और अब ये शो ह्वज्ञज्ञ प्लेटफॉर्म पर भी खूब पॉपुलैरिटी हासिल कर रहा है. बिग बॉस ओटीटी का तीसरा सीजन खत्म होने की कगार पर है. शो में अब सिर्फ 3 कंटेस्टेंट बचे हैं जिसमें से किसी एक के हाथ में बिग बॉस ओटीटी के तीसरे संस्करण की ट्रॉफी आएगी. इस बार शो में बॉलीवुड एक्टर रणवीर शौरी ने परफॉर्म किया था और वे फिनाले तक भी पहुंच गए हैं. माहौल तो इस बार अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियों ने बनाया, लेकिन बिग बॉस के इतिहास में ऐसा कई दफा देखने को मिला कि कंटेस्टेंट ने अपने गुस्से से अलग ही माहौल बना दिया. ऐसा माहौल कि क्या सलमान खान, क्या बिग बॉस, सभी के लिए टैकल करना मुश्किल हो गया.

इमाम सिद्दीकी

इमाम सिद्दीकी की बात करें तो वे एक एक्टर और स्टाइलिश हैं और वे सलमान खान के पॉपुलर शो बिग बॉस के 6वें सीजन में नजर आए थे. इस शो में काफी कॉन्ट्रोवर्सीज देखने को मिली थीं. खासकर इमाम और आशका गोराडिया के बीच की लड़ाई खूब सुर्खियों में रही थीं. वहीं वे खुद सलमान खान से भी भिड़ गए थे. ये बातें इमाम के खिलाफ गई थीं और उन्हें शो से बाहर का भी रास्ता दिखा दिया गया था.

डॉली बिंद्रा

डॉली बिंद्रा को बिग बॉस शो की अबतक की सबसे टफ कंटेस्टेंट माना जाता है. उन्होंने अपने करियर में कई फिल्में भी की हैं लेकिन इसके बाद भी उनकी पॉपुलैरिटी बिग बॉस से ही बढ़ी. बात-बात पर बाप पर मत जाना कहने वाली डॉली ने बिग बॉस 4 में पार्टिसिपेट किया था और पूरे शो में उनका अलग ही खौफ देखने को मिला था. डॉली शो जीत तो नहीं पाई थीं लेकिन उन्होंने शो में फैंस का भरपूर एंटरटेनमेंट किया था.

प्रियंका जग्गा

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की पर्सनालिटी काफी तगड़ी रही है और इंडस्ट्री में सभी उनसे खौफ खाते हैं. लेकिन बिग बॉस 5 में पूजा मिश्रा ने सभी हदें पार कर दी थीं. एक्ट्रेस ने सीधा सलमान खान से टक्कर ली थी. उनकी ये फाइट देशभर में सुर्खियों में रही थी.

अरमान कोहली

अरमान कोहली की बात करें तो वे फिल्म डायरेक्टर राजकुमार कोहली के बेटे हैं और उन्होंने कई सारी फिल्मों में काम भी किया है.

अक्षय कुमार की नई बोतल में पुरानी शराब परोसने की कोशिश

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार के करियर में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. पिछले कुछ समय से उनकी फिल्में उस तरह से कलेक्शन नहीं कर पा रही हैं जैसी उम्मीदें उनसे रहती है. दर्शकों का भी मन उनकी फिल्मों से जरा हटा-हटा नजर आ रहा है. साल 2024 इसका सबसे बड़ा उदाहरण है. पहले तो उनकी फिल्म बड़े मिया छोटे मियां ने निराश किया इसके बाद उनकी फिल्म सरफिरा भी सिनेमाघरों में कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी. अब उनकी तीसरी फिल्म खेल खेल में का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. आइये जानते हैं कि 2024 की अक्षय की तीसरी फिल्म का ट्रेलर कैसा है.

कैसा है ट्रेलर ?

ट्रेलर में देखा जा सकता है कि ये एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म है और बेसिकली इसमें कपल्स की स्टोरी दिखाई गई है.

मैरिज लाइफ के बाद पुरुष की प्रिफरेंसेज क्या होती हैं महिलाओं की प्रेफरेंसेज क्या होती हैं और एक शादी में पर्सनल स्पेस की क्या एहमियत है इन सभी प्वाइंट्स को इस फिल्म में कवर करने की कोशिश की गई है.

अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि अक्षय कुमार अपनी फिल्मों में फ्लर्टिंग के सीन्स रखते हैं. उनके किरदार ही ऐसे होते हैं. और शुरू से रहे हैं. गरम मसाला जैसी फिल्मों को भला कौन भूल सकता है. खेल खेल में का ट्रेलर देखकर भी ऐसा लग रहा है कि अक्षय की उसी इमेज को भुनाने की कोशिश की गई है. फिल्म में कुछ सीन्स देखकर तो आपको गरम मसाला फिल्म के सीन्स की याद आने लग जाएगी. फिल्म की बात करें तो ये 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी. इस फिल्म के साथ ही जॉन अब्राहम की वेदा और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 रिलीज की जाएगी. इन तीन फिल्मों के बीच में इस स्वतंत्रता दिवस के दिन कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी. इस फिल्म में अक्षय के अपोजिट वाणी कपूर नजर आएंगी.

अरमान के थप्पड़ कांड से विशाल के कमेंट तक, इस सीजन के 5 बड़े विवाद

बिग बॉस ओटीटी 3 अब खत्म होने जा रहा है. शो को अपना विनर मिलने वाला है. 2 अगस्त की शाम बेहद खास होने वाली है, अनिल कपूर बिग बॉस ओटीटी 3 के विनर के नाम की अनाउंसमेंट करने वाले हैं. टॉप 3 में सना मकबूल, रणवीर शौरी और रैपर नैजी को देखा जा रहा है. वहीं तीनों ही कंटेस्टेंट दमदार हैं. ऐसे में जीत किसी की भी हो सकती है. लेकिन हर साल की तरह इस साल भी बिग बॉस के घर में जमकर बवाल देखने को मिला. चलिए इस सीजन के 5 बड़े विवाद पर नजर डालते हैं.

विशाल पांडे का कृतिका मलिक पर कमेंट

बिग बॉस ओटीटी 3 में विशाल पांडे के एक कमेंट पर खूब तमाशा देखने को मिला. विशाल ने अपने दोस्त लवकेश कटारिया के साथ एक बातचीत के दौरान उनके कान में कहा, 'भाभी सुंदर लगती हैं. अच्छे तरीके में बोल रहा हूं.' वहीं विशाल को गार्डन में कृतिका को चेकआउट करते हुए भी कैप्चर किया गया. विशाल ने कमेंट में कहा था भाग्यशाली भैया. उनकी इस टिप्पणी पर काफी हंगामा देखने को मिला.

अरमान मलिक ने विशाल पांडे को जड़ा थप्पड़

विशाल की टिप्पणी के बाद पायल एक बार फिर बिग बॉस ओटीटी 3 के मंच पर लौटी थीं, उन्होंने विशाल की बातों को सबके सामने रिपीट किया और इस मामले को सबके सामने पेश किया. पायल की बातें सुनने के बाद कृतिका और अरमान का गुस्सा काफी बढ़ गया था. विशाल की हरकत के बाद अरमान खुद के गुस्से पर काबू नहीं रख पाए और उन्होंने विशाल को थप्पड़ जड़ दिया. हालांकि विशाल ने कई दफा माफी भी मांगी थी.

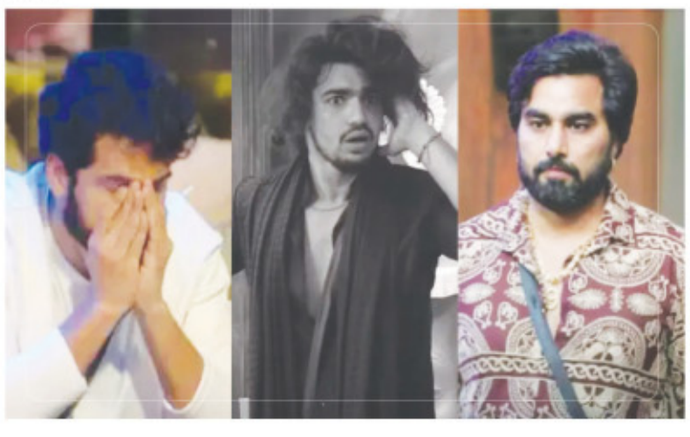

वड़ा पाव गर्ल और साईं केतन राव

एक एपिसोड में साईं केतन राव ने वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित से पूछा कि क्या वह आर्म मसाज चाहती हैं. जवाब में चंद्रिका ने तुरंत इनकार कर दिया था. उनका कहना था कैमरे पर ये ठीक नहीं दिखेगा. इस बात को जब चंद्रिका ने सना को बताते हुए कुछ और ही कहानी सुनाई. चंद्रिका ने कहा मैंने कहा, मेरा मर्द बैठा है बाहर. खा जाएगा मुझे. मुझे पता है न उसने सबसे पहली शर्त मुझसे रखी थी कि चंद्रिका तुम लड़की के साथ बिस्तर शेयर करोगी. चंद्रिका की इस बात को साईं की दोस्त ने शो पर आकर सभी के सामने उठाया था.

रणवीर शौरी ने सना मकबुल को कहा 'गटरछाप'

बिग बॉस के दिए गए टास्क के दौरान रणवीर शौरी और सना मकबूल के बीच काफी तीखी बहस हो गई थी. दोनों ने एक दूसरे को खूब खरी खोटी सुनाई थी. रणवीर ने सना को 'गटरछाप' तक कह दिया था. पहले तो सना उनकी उम्र के चलते ज्यादा कुछ नहीं बोलीं, लेकिन आगे चलकर उन्होंने रणवीर के तलाक को लेकर तंज कसा. साथ ही सना ने उनके बेटे के दूर होने का भी जिक्र करते हुए रणवीर से झगड़ा किया.

अरमान और कृतिका का वायरल वीडियो

अरमान मलिक शो में अपनी दोनों पत्नियों के साथ आए थे. लेकिन उनकी पहली वाइफ पायल का सफर जल्दी ही खत्म हो गया था. पायल के घर से जाते ही अरमान और कृतिका का एक इंटीमेट वीडियो काफी वायरल हुआ था. इस वीडियो को लेकर काफी बवाल मचा था. शो के मेकर्स ने भी इस वीडियो को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इसके साथ छेड़छाड़ की गई है और वायरल क्लिप के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई थी.